डेडली कोल्ड ड्रिंक

आपरेशन बैंकाक

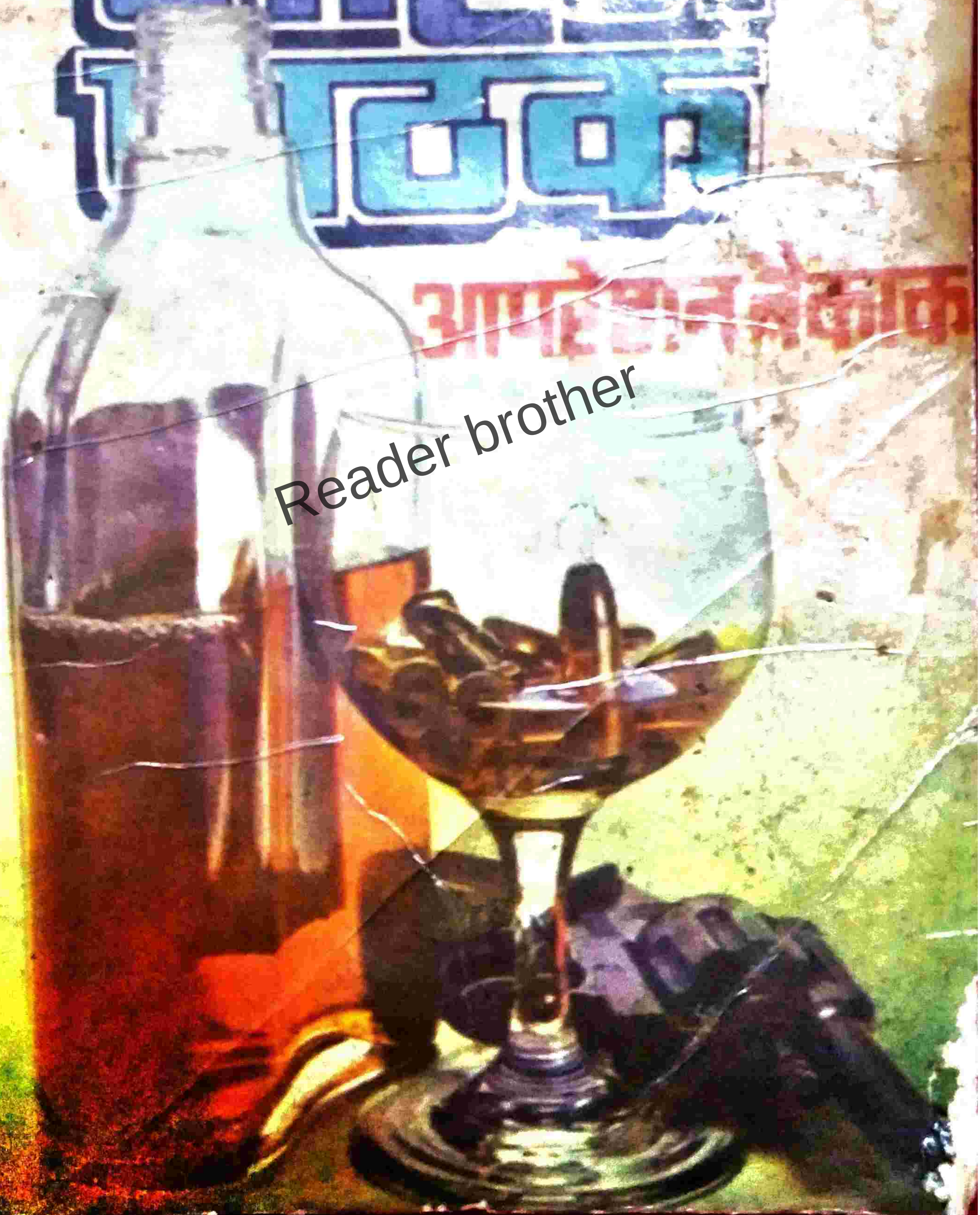

Reader brother

बाण्ड सीरिज का एक

हाहा-कारी उपन्यास

आपरेशन बैंकाक

सुरेन्द्र मोहन पाठक

Reader brother

आदि से अन्त तक रोचक एक

ही बैठक में पाठनीय !

—:प्रकाशक:—

नीलम पॉकेट बुक्स

३३, गाँधी मार्ग, मेरठ-२

कापीराइट—सुरेन्द्र मोहन पाठक

मूल्य—छः रुपये केवल

Reader brother

उपन्यास — आपरेशन बैंकाक
उपन्यासकार — सुरेन्द्र मोहन पाठक
प्रकाशक — नीलम पाकेट बुक्स
३३, गांधी मार्ग, मेरठ–२
फोन न०—७५०२५
मुद्रक — कुमार प्रिंटिंग प्रेस, मेरठ–२

'एम' की नींद खुल गई।

टेलीफोन की घण्टी निरन्तर बज रही थी।

'एम' ने एक बार आंखें मिचमिचाकर बगल की मेज पर टेलीफोन के पास रखी रेडियम डायल वाली घड़ी की ओर देखा।

तीन बजने को थे।

उसने नेत्र बन्द कर लिये और फिर बड़े अनिच्छापूर्ण ढंग से हाथ बढ़ा कर टेलीफोन का रिसीवर उठा लिया। उसने रिसीवर को कान से लगाया और बिना नेत्र खोले नींद और झुंझलाहट मिश्रित स्वर में बोला—'हैलो।'

'फोनी'—दूसरी ओर से किसी का व्यग्र स्वर सुनाई दिया—'इज दैट यू।'

'एम' एक झटके से उठ कर पलंग पर बैठ गया। एक क्षण में ही उसके शरीर से सारा ढीलापन निकल गया। उसने जोर से अपनी आंखें मिचमिचायी और सशंक किन्तु स्पष्ट स्वर से बोला—

'हैल्लो।'

'इज दैट यू फोनी'—दूसरी ओर से फिर किसी का व्यग्र स्वर सुनाई दिया।

एक क्षण के लिये 'एम' को अपने कानों पर विश्वास नहीं हुआ। वह हड़बड़ाकर बोला—'क्या मैं वाकई ''।'

Reader brother

नाम मत लो'—दूसरी ओर से कोई जल्दी से बोला—'मैं वही हूं। दुनिया में केवल एक ही आदमी है जो तुम्हें फोनी के नाम से पुकारता है।'

'लेकिन, लेकिन...।'

'मैं सीधा न्यूयार्क से आ रहा हूं। इस वक्त मैं एक्सैलसियर होटल के पांच सौ दस नम्बर कमरे में हूं। मैं तुमसे फौरन मिलना चाहता हूं।'

'लेकिन...।'

'टेलीफोन पर अधिक बात करना मेरे लिये हितकर नहीं है क्या तुम यहां फौरन आ सकते हो?'

'जी हां मैं फौरन रवाना होता हूं।'

'मैं तुम्हारी प्रतीक्षा करूंगा। मैं यहां फ्रैंक मेक्शेन के नाम से रजिस्टर्ड हूं।'

'मैं फौरन आ रहा हूं।'

'एम' ने रिसीवर को क्रेडिल पर पटक दिया और फौरन बिस्तर से बाहर निकल आया। उसकी नींद उड़ चुकी थी और उसके शरीर में नौजवानों जैसी फुर्ती आ गई थी। उसने टैक्सी स्टैण्ड पर टैक्सी के लिये फोन किया और तेजी से कपड़े बदलने लगा।'

तीन मिनट के रिकार्ड टाइम में तैयार होकर वह सड़क पर पहुंच गया।

उसी क्षण उसकी बगल में टैक्सी आकर रूकी।

टैक्सी आगे बढ़ गई।

'एम' जल्दी से टैक्सी में बैठ गया।

'एयरपोर्ट'—'एम' टैक्सी ड्राईवर से बोला—'एण्ड मेक इट

Reader brother

स्नैपी (जल्दी)।'

'टैक्सी की रफ्तार फौरन तेज हो गई।

'एम' ने अपनी कलाई पर बंधी घड़ी पर दृष्टिपात किया।

तीन बजकर दस मिनट हो चुके थे।

होटल एक्सैलसियर लन्दन के ही थरो एयरपोर्ट के सामने था, और 'एम' के निवास स्थान से लन्दन एयरपोर्ट का फासला पूरा सोलह मील था। इतनी रात गये सड़कों पर ट्रैफिक बहुत कम था इसलिये 'एम' टैक्सी के पन्द्रह मिनट से भी कम समय में एयर-पोर्ट पहुंच जाने की अपेक्षा कर रहा था।

'एम' ने अपना सिर सीट की पीठ से टिका दिया और नेत्र बन्द कर लिये।

वाकई संसार में एक आदमी ऐसा था जो 'एम' को फोनी के नाम से पुकारता था।

वह आदमी जान पेट्रिक था।

Reader brother

और जान पेट्रिक अमेरिका का होने वाला राष्ट्रपति था। वह निकट भविष्य में होने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति के चुनाव का सबसे सबल प्रत्याशी था। इसके अतिरिक्त वह अमेरिकन स्टोम कारपोरेशन का प्रेसीडेंट था। एक बहुत बड़ी एयरवेज कम्पनी का चेयरमैन था और अमेरिका के कितने ही औद्योगिक संस्थानों का डायरेक्टर था। अमेरिका की जनता के दिल में उसने अपना इतना गहरा स्थान बनाया हुआ था कि उसका राष्ट्रपति का चुनाव जीत जाना लगभग निश्चित ही था।

'एम' पिछले चालीस सालों से जान पेट्रिक को जानता था। दोनों आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में इकट्ठे पढ़े थे। जान पेट्रिक आक्स-फोर्ड में एक्चेन्ज स्टूडेंट था। उन दिनों 'एम' एक साधारण साधनों

वाला लेकिन ऊपरी रख रखाव में भारी आस्था रखने वाला लड़का था। अपने आपको बड़ा समर्थ और साधन सम्पन्न युवक प्रकट करने का उसे शौक था और अपनी इन आदतों की वजह से वह लोगों से पहनने के लिये कपड़े तक उधार मांग लिया करता था। वह एक बहुत मामूली परिवार से सम्बन्धित था लेकिन अपने आपको शाही सम्मान प्राप्त परिवार का सदस्य बताया करता था। वह अपने साथियों को अपने खानदान के फर्जी रण बांकुरों की शूरवीरता की झूठी कहानियां सुनाया करता था और दावा किया करता था कि उसके बाप और दादा दोनों को महारानी द्वारा नाइट का खिताब प्रदान किया जा चुका था। जान पेट्रिक उसका गहरा दोस्त था और केवल वही उसकी हकीकत जानता था, एम की उन आदतों की वजह से ही वह उस जमाने में 'एम' को फोनी —नकली झूठा के नाम से पुकारा करता था।

Reader brother

आज चालीस साल बाद 'एम' ने जान पैट्रिक के मुंह से फिर अपना नाम सुना था। पिछले चालीस सालों में 'एम' और जान पेट्रिक की मुलाकातें बहुत कम हुई थी लेकिन फिर भी 'एम' को जान पेट्रिक की आवाज पहचानने में कोई दिक्कत नहीं हुई थी। बहुत कम मिल पाने के बावजूद भी दोनों एक दूसरे की गतिविधियों से मोटे तौर पर—अच्छी तरह परिचित थे जैसे 'एम' को मालूम था कि राजनैतिक क्षेत्र में जान पेट्रिक ने इतनी तरक्की कर ली है कि अभी से उसका नाम अमेरिका के भावी राष्ट्रपति के रूप में लिया जाने लगा था और जैसे जान पेट्रिक को यह मालूम था कि उसका कालेज का साथी ब्रिटिश इन्टेलीजेन्स का चीफ बन गया था और आज 'एम' के नाम से जाना जाता था।

अमेरिका के भावी राष्ट्रपति जान पेट्रिक का यूं अकस्मात

लन्दन मे आगमन मानसिक और शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की अप्रत्याशित घटना के लिये भी भारी हैरानी का विषय था। जान पेट्रिक का इतनी रात गये यूं एकाएक उससे सम्पर्क स्थापित करना एक भारी रहस्य का संकेत दे रहा था।

उसी क्षण टैक्सी ड्राइवर ने टैक्सी को एक्सैलसियर की लाबी में लाकर रोक दिया।

'एम' ने टैक्सी का किराया चुकाया और टैक्सी से बाहर निकल आया।

इतनी रात गये भी एक्सैलसियर का डोरमैन उसके लिये मुख्य द्वार खोलने के लिये अपने स्थान पर मौजूद था।

'एम' होटल में प्रविष्ट हो गया।

रिसेप्शन के पीछे ऊंघते से बैठे एक युवक ने प्रश्न सूचक नेत्रों से उसकी ओर देखा।

'आई वांट टू सी मिस्टर फ्रैंक मैक्शोन इन रूम नम्बर फाइव टेन। आइ एम एक्सपैक्टिड (मैं कमरा नम्बर ५१० में ठहरे फ्रैंक मैक्शोन से मिलने आया हूं। मेरी प्रतीक्षा कर रहे है)'—'एम' बोला—

'यस सर'—युवक अपने चेहरे पर व्यवसाय सुलभ मुस्कराहट लाता हुआ बोला—'आई नो। यू आर मोस्ट वेलकम।' जी हां मुझे खबर है। आपका स्वागत है''

'एम' अपने चेहरे पर मुस्कराहट लाया और फिर आगे बढ़ गया।

लिफ्ट में आपरेटर नहीं था।

वह लिफ्ट में प्रविष्ट हुआ। और उसने पांचवी मन्जिल का बटन दबा दिया।

Reader brother

पांचवी मन्जिल पर पहुंच कर लिफ्ट से बाहर निकल आया।

५१० नम्बर कमरा तलाश करने में उसे कोई दिक्कत नहीं हुई उसने धीरे से कमरे का दरवाजा खटखटाया।

'कौन है'—भीतर से उसे जान पेट्रिक की आवाज सुनाई दी।

'फोनी'—'एम' धैर्य पूर्ण स्वर से बोला।

दरवाजा तत्काल खुला।

दरवाजा खोलने वाला जान पेट्रिक ही था।

'भीतर आओ'—वह बोला।

'एम' ने हैट उतारकर हाथ में ले लिया और कमरे में प्रविष्ट हो गया।

'एम' ने देखा वह बेहद परेशान था।

'बैठो'—जान पेट्रिक बोला।

'एम' एक कुर्सी पर बैठ गया। जान पेट्रिक उसके सामने एक अन्य कुर्सी पर बैठ गया। उसने अपने हाथों में अपना सिर थाम लिया।

'जान तुम ··' 'एम' ने कहना शुरू किया—'आप·· आई मीन सर···'

'काल मी जान प्लीज।'

'आप एकाएक लन्दन कैसे पहुंच गये?'

'फोनी—'जान पेट्रिक ने सिर उठाकर 'एम' की ओर देखा और गहरी सांस लेकर बोला—'मैं भारी मुसिबत में फंस गया हूं। और इस मुसीबत में से तुम्हीं मुझे निकाल सकते हो तुम्हीं एक आदमी हो जिसका मैं भरोसा कर सकता हूं।'

'आप बात बताइये—'एम दृढ़ स्वर से बोला—जो मुझसे

Reader brother

सम्भव होगा मैं जरूर करूंगा।'

'फोनी, बस इतना जान लो कि वर्तमान स्थिति में से अगर तुमने मुझे उभारा नहीं तो न केवल मैं राष्ट्रपति का चुनाव नहीं जीत पाऊंगा। बल्कि मेरे लिये जीना दूभर हो जायेगा।'

'आप हुक्म तो कीजिये। मैं अपनी ओर से कोई कोशिश उठा नहीं रखूंगा।'

'धन्यवाद दोस्त। मुझे तुमसे यही आशा थी और इसी आशा के भरोसे मैं भारी खतरा उठाकर यूं गुप्त रूप में लन्दन भागा चला आया था।'

'खतरा!'

'हां, मैं जाली पास पोर्ट पर सफर कर रहा हूं और अपनी सूरत बदलने के लिये मैं सफर के दौरान में नकली मूंछे नकली बाल और चश्मा लगाये रहा था। क्योंकि मेरी अमेरिका का भावी राष्ट्रपति बन जाने की पूरी सम्भावना है इसलिये मेरी सिक्यो-रिटी के लिये मेरे निवास स्थान पर पुलिस का पहरा है। बड़ी कठिनाई से मैं सिक्योरिटी की निगाहों में आये बिना वहां से निकल आने में सफल हो पाया था।'

Reader brother

'आपने भारी खतरा मोल लिया। जाली पासपोर्ट की वजह से लन्दन एयरपोर्ट पर अगर आप पकड़े जाते तो जानते हैं क्या होता? जब अखबार में यह खबर छपती कि अमेरिका का भावी राष्ट्रपति लन्दन एयरपोर्ट पर भेष बदकर जाली पासपोर्ट के साथ सफर करता पकड़ा गया। तो जानते है आपको....।'

'मैं समझता हूं—'जान पेट्रिक उतावले स्वर मे बोला—'लेकिन मैं पकड़ा नहीं गया हूं।'

'थैंक गाड। अब मुझे इस बात का भी इन्तजाम करना पड़ेगा

कि आप जाती बार भी न पकड़े जायें।'

'थैंक्स !'

'आप अपनी समस्या बताइये।'

'पहले मैं तुम्हें कुछ दिखाना चाहता हूं।'

जान पेट्रिक अपने स्थान से उठकर कमरे के कोने में पहुंचा। कोने में पड़ी एक छोटी सी मेज पर एक सूटकेस रखा था। जान पैट्रिक ने सूटकेस खोला और उनमें से आठ एम० एम० का एक फिल्म प्रोजेक्टर निकला। उसने प्रोजेक्ट पर एक फिल्म का स्पूल चढ़ाया और प्रोजेक्टर का रुख सामने की सपाट दीवार की ओर कर दिया। फिर उसने खिड़कियां पर परदे खीच दिये और कमरे की बत्ती बन्द कर दी।

उसने प्रोजेक्टर आन किया। कुछ क्षण उसने प्रोजेक्टर को सामने की दीवार पर फोकस करने में लगाये और जब दीवार पर फिल्म के स्पष्ट चित्र उभरने लगे तो वह बोला—'मैं यह फिल्म एक बार देख चुका हूं दुबारा देखने की मुझमें हिम्मत नहीं है।'

Reader brother

और वह पलंग पर जा बैठा। चलती फिल्म की ओर उसने पीठ कर ली।

'एम' फिल्म देखने लगा। जल्दी ही उसे महसूस हो गया कि वह फिल्म क्या थी और जान पेट्रिक उसे दुबारा क्यों नही देख रहा था।

वह एक ब्लू फिल्म थी।

'एम' ने सुना था कि ब्लू फिल्में बहुत गन्दी होती है लेकिन उस में इस हद तक गन्दगी भरी होती है। इसका अनुमान उसे नही था।

सामने दीवार पर एक लगभग बाइस साल की खूबसूरत लड़की और एक करीब पैंतीस साल का हट्टा-कट्टा तन्दुरुस्त आदमी पूर्ण नग्नावस्था में शैतानी हरकतें करते दिखाई दे रहे थे। 'एम' हक्का बक्का सा फिल्म देखता रहा।

पांच मिनट बाद जब फिल्म खत्म हुई तो उसकी जान में जान आई। उसने कभी सोचा भी न था कि एक स्त्री और पुरुष तन-हाई में इतनी गन्दगी भी घोल सकते हैं। और सबसे ज्यादा हैरानी उसे इस बात पर हो रही थी जान पैट्रिक उसे वह गन्दी फिल्म दिखा रहा था।

फिल्म खत्म हुई तो जान पैट्रिक अपने स्थान से उठा। उसने प्रोजेक्टर का स्विच आफ किया, उस पर से स्पूल उतारा और फिर कमरे की बत्ती जला दी। वह फिर 'एम' के सामने आ बैठा और कम्पित स्वर से बोला—'फ्रोनी, इस फिल्म में तुमने जिस लड़की को देखा है, वह मेरी इकलौती बेटी है।'

'एम' को अपने कानों पर विश्वास नहीं हुआ। वह हक्का-बक्का सा जान पैट्रिक का मुंह देखने लगा। लेकिन शीघ्र ही 'एम' ने स्वयं को नियन्त्रित कर लिया। धीरे-धीरे उसे याद आने लगा कि जान पैट्रिक की एक लड़की थी जो स्विट्जरलैंड में पढ़ती थी।

'ओह!'—एम के मुंह से केवल इतना ही निकला।

'और मैं हमेशा यही समझता रहा कि साराह बड़ी भोली और जिम्मेदार लड़की है। इस फिल्म को देखने के बाद मैंने तफ्तीश की तो मालूम हुआ साराह पिछले दस महीने से स्विट्जरलैंड के उस शिक्षा संस्थान से गायब है जहां कि मैंने उसे पढ़ने भेजा था।'

Reader brother

'उन लोगों ने आपको साराह की सूचना नहीं भेजी ?'

'भेजी थी लेकिन मुझे मिली नहीं चुनाव की वजह से मैं बहुत व्यस्त हूं। मुझे छोटी मोटी बातों की ओर ध्यान देने की फुरसत नहीं। शायद मैंने उसे कोई मामूली चिट्ठी समझ कर कहीं फेंक दिया था।'

'आप कभी साराह को चिट्ठी नहीं लिखते थे ?'

'मैं नहीं, मेरी पत्नी लिखा करती थी और उसने लिखी भी होगी लेकिन साराह कभी जवाब नहीं देती थी इसलिये यह बात हमारे ध्यान में नहीं आई कि इस बार साराह का जवाब इसलिये नहीं आया क्योंकि साराह वहां है ही नहीं। पिछले दस महीनों से साराह कहां है, क्या कर रही है मुझे खबर नहीं। लेकिन इस फिल्म को देखकर साफ जाहिर होता है कि जो कुछ भी वह कर रही है अच्छा नहीं कर रही है। लगता है उसने एक क्षण के लिये भी यह नहीं सोचा है कि वह अमेरिका के भावी राष्ट्रपति की बेटी है और उसकी ये हरकतें उसके बाप को कितना खराब कर सकती है।'

'एम' चुप रहा। स्थिति वाकई बड़ी विकट थी।

जान पैट्रिक ने अपनी जेब से एक कागज निकाला और उसे 'एम' की ओर बढ़ाता हुआ बोला—'यह चिट्ठी देखो।'

'एम' ने कागज खोलकर देखा। चिट्ठी टाइप की हुई थी। लिखा था—

उस आदमी की सेवा में एक भेंट जो अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के स्वप्न देख रहा है। श्रीमान जी, आपकी सेवा में यह लंदन का तोहफा भेजा जा रहा है। हमारे पास अभी तीन फिल्में और हैं। जो फिल्म आपको भेजी जा रही है। वे तीन फिल्में इस

Reader brother

फिल्म से कहीं ज्यादा बढ़िया है। लोग देखेंगे तो उनकी तबियत खुश हो जायेगी।

राष्ट्रपति के चुनाव से अपना नाम वापिस ले लीजिये वरना बाकी की तीन फिल्में आपकी विरोधी पार्टी को भेज दी जायेगी।

'यह चिट्ठी और ये फिल्म आप तक कैसे पहुंची थी ?'—'एम' ने चिट्ठी वापिस करते हुए पूछा।

'यह चिट्ठी और फिल्म दोनों मुझे लन्दन स्थित अमरीकी दूतावास की मार्फत भेजी गई थी। किसी ने दोनों चीजें दूतावास में सौंप दी थी और प्रार्थना की थी कि ये अमेरिका के राष्ट्रपति के चुनाव के प्रत्याशी जान पैट्रिक तक पहुंचा दी जाये। दोनों चीजें बड़ी जिम्मेदारी से मुझ तक पहुंचा दी गई थी।'

'एम' विचार पूर्ण मुद्रा बनाये चुप बैठा रहा।

'फोनी'—जान पैट्रिक दयनीय स्वर में बोला—'अब तुम्हारी समझ में आ गया होगा कि मैं यूं एकाएक लन्दन में तुम्हारे पास क्यों दौड़ा चला आया हूं। यह फिल्म लन्दन से भेजी हुई है। तुम ब्रिटिश इन्टेलीजेन्स के चीफ हो और लन्दन तुम्हारा हैडक्वार्टर हैं। मुझे तुमसे बहुत आशा है कि तुम इस समस्या का कोई हल निकाल सकते हो लेकिन अगर तुम समझते हो कि तुम कुछ नहीं कर सको तो मजबूरन मुझे चुनाव से अपना नाम वापिस लेना पड़ेगा। कुछ लोग नहीं चाहते कि मैं राष्ट्रपति बनूं, इसलिये मेरी बेटी की इस गन्दी फिल्म के माध्यम से वे मुझे ब्लैकमेल कर रहे हैं। अगर तुम कुछ नहीं कर सकते तो मेरे दुश्मनों की इच्छा पूरी हो जायेगी।

'चुनाव से नाम वापिस लेने में कितने दिन बाकी है ?'

'सात दिन।'

Reader brother

'बहुत वक्त है'—'एम' विश्वासपूर्ण स्वर में बोला—'मेरी आर्गेनाइजेशन में केवल एक ही आदमी है जो यह काम कर सकता है और वह आपके ब्लैक मेलर को पाताल से भी खोज निकालेगा।'

'वह भरोसे का आदमी है ?'—जान पैट्रिक ने सशंक स्वर में पूछा।

'अगर मैं भरोसे का आदमी हूं तो वह भी भरोसे का आदमी है।'

'कौन है वह ?'

'कमान्डर जेम्स बांड सीक्रेट एजेन्ट जीरो जीरो सेवन।'

Reader brother

'डार्लिंग।'

'......'

'डार्लिंग !'

'हूं।'

'डार्लिंग—'इस बार लड़की एकदम उसके कान के पास मुंह ले जाकर बोली।

'हूं—जेम्स बांड ने एक ऊंची हुंकार भरी। वह औंधे मुंह पलंग पर पड़ा था। न उसने करवट बदली और न नेत्र खोले।

'डार्लिंग तुम सुन नहीं रहे हो।'

'तुम सुनो तो कहूं न।'

'तुम कुछ कहो तो सुनूं न।'

'तुम्हारा फोन था ।

'क्या ? कब ?'

'थोड़ी देर पहले । शावर चल रहा था, इसलिये तुम्हें घंटी की आवाज सुनाई नहीं दी थी ।'

'फिर !'

'फोन मैंने सुन लिया था ।'

'कौन था ?'

'मालूम नहीं । कोई तुम्हें पूछ रहा था । मैंने कह दिया तुम फ्लैट में नहीं हो ।'

'क्यों ?'

'ओह डार्लिंग डोंट बी ए किल जाय । यह कोई वक्त है फोन सुनने का ! इतना मजा आ रहा है ।'

'फोन करने वाले ने तुम्हारी बात मान ली ?'

'क्यों नहीं मानता ?'

'और कुछ नहीं कहा उसने ?'

'और उसने मेरे साथ मजाक करने की कोशिश की थी ।'

'अच्छा !'

'हां । मैंने कहा तुम फ्लैट पर नहीं हो तो वह बोला कि मेरे साथ बिस्तर में जो भी आदमी लेटा हुआ है उसे फौरन उसके पास भेज दो ।'

'क्या ?'

'यस ।'

जेम्स बांड ने फौरन नेत्र खोल दिये । उसने करवट बदली और लड़की की ओर देखा—'फोन करने वाले ने और कुछ नहीं

Reader brother

कहा था।'

'नहीं।'

'तुम्हें पूरा विश्वास है कि उसने अपना नाम नहीं बताया था।'

लड़की एक क्षण हिचकिचाई और फिर बोली—'यस, आई एम श्योर उसने नाम नहीं बताया था। 'एम' भी भला कोई नाम होता है।'

जेम्सबांड उठकर बैठ गया—'अभी क्या कहा था तुमने ?'

'मैंने कहा था कि 'एम' भी भला कोई नाम होता है। 'एम' तो अंग्रेजी अल्फावेट का तेरहवां अक्षर होता है और तेरह का अंक तुम जानते ही हो बड़ा अनलक्की होता है।'

जेम्स बांड उछल कर पलंग से नीचे उतर आया। उसने अपनी कमर के गिर्द एक तौलिया लपेट लिया।

लड़की के कपड़े पलंग के समीप पड़ी एक कुर्सी पर पड़े थे। उसने सारे कपड़े उठाकर उनका गोला सा बनाया और उसे लड़की पर उछाल दिया।

'डियरेस्ट—'वह मीठे स्वर से बोला—'अगर तीन मिनट में तुम मुझे अपनी पोशाक के भीतर दिखाई नहीं दी तो भारी गड़बड़ हो जायेगी।'

'क्या गड़बड़ हो जायेगी ?'

'तो तुम्हें सड़क पर आकर कपड़े पहनने पड़ेगें।'

'व्हाट नानसेंस।'

'आज तुमने शीघ्र कपड़े पहनने का रिकार्ड तोड़ देना है। और आधा मिनट पहले ही गुजर चुका है।'

'लेकिन कोई बात भी है—'लड़की कपड़ों को अपने सीने के

Reader-brother

साथ लगाये तीव्र विरोधपूर्ण स्वर से बोली ।

'बात है, स्वीट हार्ट लेकिन तुम्हारे पास बात सुनने का वक्त नहीं है । बात भी मैं तुम्हें लगभग तीन मिनट में ही सुनाऊंगा । अगर बात सुनोगी तो तुम्हें यहां से अपने बर्थ सूट में ही विदा होना पड़ेगा ।'

'ओ डार्लिंग, डोंट बी फनी ।'

'तुम वक्त बरबाद कर रही हो ।'

'किसका ? तुम्हारा या अपना ।'

'अपना । जेम्स बांड का वक्त सिर्फ जेम्स बांड ही बरबाद कर सकता है ।'

'लेकिन अभी तो दिन भी नहीं निकला । मैं इस वक्त यहां से नहीं जा सकती ।'

'सारी हनी'—जेम्स बांड पूर्ववत् मधुर स्वर से बोला ।

'यह सब उस टेलीफोन काल की वजह से हुआ ?'

जेम्स बांड ने उत्तर नहीं दिया ।

'अगर मैं तुम्हें उस टेलीफोन काल के बारे में न बताती ?'

'तो तुम बहुत बुरा करती'—जेम्स बांड बर्फ जैसे ठण्डे स्वर से बोला !

'ओ गाड, यू आर ए ब्रूट'—लड़की बोली और पलंग से नीचे उतर आई ।

जेम्स बांड ने एक आखिरी हसरत भरी निगाह लड़की के पुष्ट और जवान शरीर पर डाली और फिर तेजी से दूसरे कमरे की ओर बढ़ गया ।

जब तक वह कपड़े पहन कर बाहर निकला तब तक लड़की भी कपड़े पहन चुकी थी और अपने बालों को सुलझाने की कोशिश

Reader brother

कर रही थी।

'दैट्स ए गुड गर्ल'—जेम्स बांड प्रशंसात्मक स्वर से बोला—'राइट आफ्टर माई हार्ट। और डार्लिंग तुम ऐसे ही बहुत खूबसूरत लग रही हो।'

'यानि कि तुम मुझे मेकअप भी नहीं करने दोगे ?'

'मैंने यह कब कहा है ? आओ तुम्हें बाहर तक छोड़ आऊं।

'और जेम्स बांड ने लड़की की बांहें पकड़ी और फ्लैट से बाहर ले जाने वाले द्वार की ओर बढ़ा।

जेम्स बांड की मजबूत पकड़ में लगभग घिसटती हुई लड़की उसके साथ चलती रही।

द्वार के समीप पहुंच कर बांड ने उसकी बांह छोड़ दी और उसके नितम्बों पर एक जोर का हाथ जमाता हुआ बोला—'सी यू अगेन हनी।'

'ओवर माई डैड बाडी'—लड़की फुफकार कर बोली।

जेम्स बांड मुस्कराया, उसने फ्लैट का द्वार भीतर से बन्द कर लिया और तेजी से उस मेज की ओर बढ़ा जहां टैलीफोन रखा था, उसने रिसीवर उठाया और एक नम्बर डायल कर दिया।

Reader brother

दूसरी ओर से लगभग फौरन उत्तर मिला।

'कमांडर जेम्स बांड रिपोर्टिंग, सर।'

'आफिस'—दूसरी ओर से उत्तर मिला—'राइट अवे (फौरन आफिस में पहुंचो)।'

'यस सर'—जेम्स बांड बोला—'राइट अवे।'

उसने रिसीवर को क्रेडिल पर पटका और लम्बे डग भरता हुआ बाहर की ओर चल पड़ा।

●●

'एम' के दफ्तर की इमारत के बाहर खड़ा गार्ड जेम्स बांड को पहचानता था। उसने जेम्स बांड को सैल्यूट मारा। सैल्यूट का जवाब गरदन के हल्के से झटके से देता हुआ जेम्स बांड इमारत में प्रविष्ट हो गया।

'एम' के दफ्तर का बाहरी कमरा खाली था। बाहरी कमरे में 'एम' की सेक्रेट्री मिस मनीपेनी बैठती थी। जिसके इतने सवेरे वहां होने का सवाल ही नहीं पैदा होता था। भीतरी कमरा एम का निजी आफिस था।

जेम्स बांड के बाहरी कमरे में कदम रखते ही भीतर से 'एम' की आवाज आई।

Reader brother

'इज दैट यू जेम्स ?'

'यस सर।'

'दरवाजा बन्द करते आओ।'

जेम्स बांड ने द्वार को भीतर से बन्द कर दिया और भीतरी कमरे में प्रविष्ट हो गया।

भीतरी कमरे में अपनी विशाल महोगनी की मेज के पीछे ब्रिटिश इन्टैलीजेन्स के ००७ विभाग का चीफ 'एम' बैठा था और बड़ी बेचैनी से अपनी कुर्सी में पहलू बदल रहा था।

जेम्स बांड मेज के सामने आ खड़ा हुआ। उसने अपने चीफ का अभिवादन किया।

'एम' ने अभिवादन का उत्तर नहीं दिया। वह कुछ क्षण

कठोर नेत्रों से जेम्स बांड को घूरता रहा और अपने स्वर को भावहीन बनाने का भरसक प्रयत्न करता हुआ बोला–'बैठो।'

'थैंक्यू सर'–जेम्स बांड बोला और एक कुर्सी पर बैठ गया।

'जेम्स'—'एम' बिना भूमिका बांधे सीधा मुख्य विषय पर आता हुआ बोला—"मेरे पास तुम्हारे लिये एक असाइनमेन्ट है।"

"मैं तैयार हूं। मैं हमेशा तैयार हूं।"

'गुड, लेकिन इस काम में बहुत तेज रफ्तार की जरूरत है। हमारे पास केवल सात दिन हैं और इन सात दिनों में हमने जरूर कोई नतीजा हासिल करना है।

'सात दिन काफी होते हैं···क्या काम है?'

'काम बताने से पहले मैं तुम्हें एक फिल्म दिखाना चाहता हूं।' 'एम' अपने स्थान से उठता हुआ बोला। अपनी कुर्सी का मुंह दीवार की तरफ फेर लो।

जेम्स बांड ने आज्ञा का पालन किया।

'एम' ने सूटकेस में से आठ एम० एम० का प्रोजेक्टर निकाल कर अपनी महोगनी की मेज पर रखा। प्रोजेक्टर का पलग उसने समीप के पावर प्वायन्ट में लगाया और फिर प्रोजेक्टर में एक फिल्म का स्पूल फिट कर दिया। उसने कमरे की बत्ती बन्द की। प्रोजेक्टर की लाइट को सामने दीवार पर फोकस किया और फिर फिल्म चालू कर दी।

उस बीच जेम्स बांड एक सिगरेट सुलगा चुका था और उसके छोटे-छोटे कश ले रहा था।

जेम्स बांड फिल्म देखने लगा। शीघ्र ही उसे अनुभव हो गया कि वह कोई साधारण फिल्म नहीं देख रहा था उसके होंठों की ओर बढ़ता हुआ सिगरेट वाला हाथ रास्ते में ही स्थिर हो गया।

Reader brother

यह नेत्र फैलाये सामने दीवार की ओर देखता रहा।

उसकी बगल में खड़ा 'एम' बड़े गौर से जेम्स बांड के चेहरे पर प्रकट होने वाले एकाएक भाव को नोट कर रहा था।

जेम्स बांड ने बिना दृष्टि हटाये हाथ बढ़ा कर समीप पड़ी ऐशट्रे में अपना सिगरेट झोंक दिया।

अन्त में फिल्म समाप्त हो गई।

'एम' ने प्रोजेक्टर आफ किया और कमरे की बत्ती जला दी। वापस अपनी कुर्सी पर जाकर बैठने के स्थान पर वह जेम्स बांड के समीप मेज के सिरे से पीठ लगाकर खड़ा हो गया।

'ऐसी तीन फिल्में और हैं'—'एम' धीरे से बोला—'आने वाले सात दिनों में हमें ये तीनों फिल्में जरूर मिलनी चाहिये और साथ ही वह लड़की भी हमारे अधिकार में होनी चाहिये जो इस फिल्म में चित्रित शैतानी हरकतों में शामिल है।'

Reader brother

'लड़की क्यों?'

'ताकि मौजूद तीन फिल्में हमारे अधिकार में आ जाने के बाद वह लड़की नई फिल्म तैयार करवाने में फिर किन्हीं लोगों की सहायता न करने लगे।'

'आई सी।'

'फिल्में लन्दन में तैयार की गई थी इसलिये इस लड़की के और यह गन्दी फिल्म बनाने वाले बदमाशों के लन्दन में ही होने की पूरी सम्भावना है।'

'और?'

'और कुछ नहीं। इस आपरेशन में तुम्हें इससे ज्यादा कुछ नहीं बताया जायेगा।'

'लेकिन अगर मुझे यह मालूम हो कि यह फिल्म किसका क्या नुकसान कर सकती है और बाकी तीन फिल्मों का और फिल्म की लड़की का सात दिनों के अन्दर मिल जाना क्यों जरुरी है तो क्या मैं ज्यादा सहूलियत से काम नहीं कर सकूंगा।'

'सारी। काम करने में चाहे तुम्हें दिक्कत हो लेकिन इससे ज्यादा तुम्हें कुछ नहीं बताया जायेगा। तुम केवल इतना जान लो कि अगर फिल्म में दिखाई देने वाली लड़की अपनी हरकतों से बाज न आई तो वह लड़की एक बहुत बड़े आदमी के भविष्य में आग लगा देगी।'

जेम्स बांड ने अपनी जेब से सिगरेट का पैकेट फिर निकाला। उसने पैकेट में से सिगरेट निकाल कर सुलगाया। और उसका एक लम्बा कश लगाने के बाद सरल स्वर में बोला—'अमेरिका के होने वाले राष्ट्रपति का क्या हाल है साहब ?'

'एम' के मुंह से सिसकारी निकल गई।

'कौन ?' उसके मुंह से निकला।

'मैं जान पैट्रिक की बात कर रहा था।' जेम्स बांड धीरे से बोला लेकिन उसके होंठों के कोरों पर आई मुस्कराहट 'एम' से छिपी न रही।

'तुम क्या अनाप शनाप बक रहे हो।' 'एम' झुंझला कर बोला।

'आप कहते हैं तो मैं चुप हो जाता हूं लेकिन आप भी जानते हैं कि अब यह बात छुपाने से कोई फायदा नहीं है कि इस फिल्म और फिल्म में दिखाई गई लड़की जिस बड़े आदमी के भविष्य में आग लगा सकती है वह अमेरिका का सम्भावित भावी राष्ट्रपति जान पैट्रिक है। सर, मैं फिल्म की लड़की को जानता हूं। मैं

Reader brother

उससे मिल चुका हूं। लड़की का नाम साराह पैट्रिक है और मैं पहले से ही जानता हूं कि वह जान पैट्रिक की बेटी है।'

'एम कई क्षण चुप रहा।'

'तुम साराह से कब मिले थे ?'—अन्त में उसने पूछा।

'आखिरी बार लगभग छ: महीने पहले मिला था'—जेम्स बांड बोला।

'कहां ? कैसे ?'

'लन्दन में ही एक पार्टी में। साराह वहां मौजूद थी। किसी ने मेरा उससे विधिवत् परिचय भी कराया था और मैंने उसके साथ डांस भी किया था।'

'तुम साराह को दुबारा तलाश कर सकते हो !'

'उम्मीद तो है। लेकिन अब तो आप स्वीकार कीजिए कि वह जान पैट्रिक की बेटी है।'

'तुम ठीक कह रहे हो इस ब्लू फिल्म में तुम ने जो लड़की शैतानी हरकतें करती देखी है वह अमेरिका के सम्भावित भावी राष्ट्रपति जान पैट्रिक की लड़की साराह पैट्रिक ही है। जान पैट्रिक को इस फिल्म के दम पर ब्लैक मेल किया जा रहा है। उसको धमकी दी जा रही है कि वह राष्ट्रपति चुनाव से अपना नाम वापस ले ले वर्ना बाकी की तीन ब्लू फिल्में उसके विरोधी पक्ष को सौंप दी जायेगी। चुनाव से नाम वापस ले सकने में केवल सात दिन बाकी हैं। अगर इस समय वह तीन ब्लू फिल्में और उसकी बेटी भी उसके अधिकार में नहीं आई तो जान पैट्रिक तबाह हो जायेगा, जेम्स। जान पैट्रिक मेरा दोस्त है। वह अमेरिका से चलकर मुझ से मदद मांगने आया है मैंने उसकी हर सम्भव सहायता करने का वायदा किया है और वह वादा मैंने

Readerbrother

तुम्हारे दम पर किया है। मुझे पूरा विश्वास है कि तुम किसी न किसी प्रकार जरूर कोई नतीजा हासील कर लोगे। जेम्स तुम्हें किसी भी प्रकार सात दिन से पहले ही यह काम करके दिखाना है। कर सकोगे?'

'मैं कोई कोशिश उठा नहीं रखूंगा।'

'यह भी अच्छा हुआ कि तुम साराह को पहले ही से जानते हो और यह कि मुझे तुम से कुछ छुपाना नहीं पड़ा।'

जेम्स बांड अपने स्थान से उठ खड़ा हुआ। उसने प्रोजेक्टर से फिल्म का स्पूल अलग किया और फिर दोनों चीजें सूट केस में रख कर सूट केस बन्द कर दिया।

'इसे मैं ले जा रहा हूँ'—जेम्स बांड बोला।

'जरूर'—'एम' बोला।

'मैं इस फिल्म की एक बात के बारे में आप का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।'

'कौन सी बात?'

'इस फिल्म को देखकर ऐसा नहीं मालूम होता कि यह फिल्म साराह और उसके विलास में साथी की जानकारी के बिना खींची गई है। दोनों की मुद्राओं से और रति क्रियाओं के लिये इस्तेमाल किये गये पलंग और कमरे से साफ जाहिर होता है कि यह फिल्म किसी स्टूडियो में बकायदा मुनासिब रोशनियों के इन्तजाम के साथ बनाई गई है और जोड़े की तस्वीरें कल्पना-त्मक कोणों से खींची गई हैं।'

'तुम कहना क्या चाहते हो।'

'मैं यह कहना चाहता हूं कि साराह भी ब्लैक मेलरों के साथ मिली हुई है अपने बाप को तबाह करने के लिये वह अपने

Reader brother

बाप के दुश्मनों को पूरा सहयोग दे रही है।'

'तुम ठीक कह रहे हो। मैं भी यह बात समझता हूं और पैट्रिक भी यह बात समझता है। इसलिये तो मैंने कहा है कि बाकी की तीन फिल्मों के साथ खुद साराह को भी जान पैट्रिक के अधिकार में होना जरूरी है। अगर फिल्में हमारे अधिकार में आ गई लेकिन साराह स्वतन्त्र रही तो कोई फायदा नहीं होगा। दुश्मन साराह की सहायता से फिर नई फिल्म तैयार कर लेंगे।'

जेम्स बांड चुप रहा। उसने सिगरेट का आखिरी कश लगा कर उसे ऐशट्रे में डाल दिया। उसने सूटकेस उठा लिया और बोला, 'मैं आपके पास जल्दी ही रिपोर्ट करूंगा।'

'ठीक है—' 'एम' बोला और उसने जेम्स बांड की ओर अपना हाथ बढ़ा दिया।

जेम्स बांड ने बड़ी मजबूती से उसका हाथ थाम लिया।

Reader brother

सबसे पहले जेम्स बांड ने उस आदमी को तलाश किया जिसने छः महीने पहले पार्टी में उसका साराह पैट्रिक से परिचय करवाया था।

उस आदमी को साराह के बारे में कोई खबर नहीं थी। उसके कथनानुसार उस पार्टी के एक सप्ताह बाद ही साराह स्विटजरलैंड चली गई थी और उसके बाद वह वापिस लन्दन लौटकर आई थी या नहीं और या वह अब स्विटजरलैंड में थी या नहीं, इस विषय में उसे कोई जानकारी नहीं थी।

उसी आदमी के माध्यम से जेम्स बांड ने उस पार्टी में मौजूद कुछ अन्य व्यक्तियों को भी खोज निकाला जो साराह से परिचित थे।

वे लोग साराह से परिचित जरूर थे लेकिन उस समय किसी को भी साराह की खबर नहीं थी।

तनिक भी निरुत्साहित हुये बिना जेम्स बांड ने दूसरी लाइन पर काम करना आरम्भ किया।

उसने एक टैक्सी ली और फ्लीट स्ट्रीट पहुंच गया।

फ्लीट स्ट्रीट की एक तीन मंजिली इमारत के सामने वह टैक्सी से उतरा।

हाथ में सूटकेस लिये वह इमारत के कम्पाउण्ड में प्रविष्ट हो गया।

ग्राउन्ड फ्लोर के द्वार पर एक पीतल की नेम प्लेट लगी हुई थी जिस पर काले अक्षरों में खुदा हुआ था—

हैरी क्रूगर।

फोटो ग्राफर।

स्टूडियो।

जेम्स बांड ने नेम प्लेट की बगल में लगी काल बैल पर उंगली रख दी।

कुछ क्षण बाद द्वार खुला। एक लड़के ने द्वार खोला।

'हैरी है'—जेम्स बांड ने अधिकार पूर्ण स्वर से पूछा।

'प्लीज कम इन'—लड़का बोला।

जेम्स बांड भीतर प्रविष्ट हो गया।

'आप यहां तशरीफ रखिए। मैं उन्हें आप के बारे में सूचना देता हूं।'

प्लीज।'

Reader brother

'आपका शुभ नाम ?'

'बांड। जेम्स बांड। हैरी मुझे जानता है।'

लड़का वहां से विदा हो गया।

जेम्स बांड ड्राइंग रूम की तरह सजे हुये उस कमरे में एक सोफे पर बैठ गया। सूटकेस उसने अपने पैरों के समीप फर्श पर रख दिया और एक सिगरेट सुलगा लिया।

वह प्रतीक्षा करने लगा।

कुछ देर बाद हैरी क्रूगर कमरे में प्रविष्ट हुआ।

हैरी क्रूगर एक कम से कम साढ़े तीन मन वजन का पहाड़ जैसे शरीर वाला आदमी था। वह ढीले कपड़े पहने हुये था और चलते समय कपड़ों के भीतर उसका ढीला ढाला विशाल शरीर जेली की तरह हिलता था।

जेम्स बांड अपने स्थान से उठ खड़ा हुआ।

Reader-brother

'जेम्स'—हैरी क्रूगर प्रसन्नता की प्रति मूर्ति बनकर बाहें फैलाये उसकी ओर बढ़ता हुआ बोला—माई डार्लिंग, माई लवी, माई डार्लिंगेस्ट।

और उसने जेम्स बांड को अपनी बाहों में भर लिया।

'अरे छोड़ो'—जेम्स बांड उसकी गिरफ्त में छटपटाता हुआ बोला—'मुझे गुदगुदी हो रही है।'

हैरी क्रूगर हो हो करके हंसने लगा। हंसी के साथ-साथ उसकी छाती और पेट समुद्र की तरह उठने गिरने लगे और उनके साथ ही जेम्स बांड भी हिलोरे लेने लगा।

'जिम्मी डियरेस्ट'—हैरी क्रूगर प्यार भरे स्वर में बोला, 'कल मैंने तुम्हें ख्वाब में देखा था।'

'हैरी'—जेम्स बांड बोला——'मुझे फौरन छोड़ दो वरना

मैं समझूंगा कि हमारी पिछली मुलाकात के बाद से तुमने होमोसैक्सुअल आदतें अपना ली हैं।'

हैरी क्रूगर ने फौरन उसे छोड़ दिया।

'तुम बहुत बदमाश हो'—हैरी आहत स्वर से बोला।

'मैं यहां तुमसे अपने बारे में राय पूछने नहीं आया'—जेम्स बांड बोला—'मुझे तुमसे बहुत जरूरी काम है।'

'बोलो।'

'मैं तुम्हें एक फिल्म दिखाना चाहता हूं।'

जेम्स बांड ने सिगरेट ऐशट्रे में फैंका, सूटकेस उठाया और हैरी क्रूगर के साथ हो लिया।

हैरी क्रूगर उसे एक सजे सजाये स्टूडियों में ले आया।

जेम्स बांड ने सूटकेस में से प्रोजेक्टर और फिल्म निकाल कर मेज पर रख दी।

'हैरी'—जेम्स बांड गम्भीर स्वर में बोला—यह फिल्म टाप सिक्रेट है। यह फिल्म तुम्हें दिखाने की हिम्मत मैं इसलिए कर रहा हूं, क्योंकि मुझे विश्वास है कि तुम किसी से इसका जिक्र नही करोगे।

अब तक हैरी क्रूगर भी गंभीर हो उठा था।

'मैं वहीं करूंगा जो तुम मुझे करने के लिये कहोगे'—वह बोला।

'गुड। इस फिल्म को स्क्रीन करो।'

हैरी क्रूगर ने पहले सावधानी से सारे दरवाजे बन्द कर दिये। कमरे में एक स्थान पर एक फोल्डिग स्क्रीन लगाई और फिर प्रोजेक्टर और फिल्म सैट करने में जुट गया।

'हैरी—जेम्स बांड एक कुर्सी पर बैठता हुआ बोला—'मैंने

Reader brother

सुना है कि हर फोटोग्राफर का अपना एक स्टाइल होता है जो उसकी कला में जरुर प्रतिबिम्बित होता है। मैं यह फिलम तुम्हें इस आशा से दिखाने लाया हूं कि शायद तुम इस फिलम को देखकर इसे शूट करने वाले फोटोग्राफर का अनुमान लगा सको। तुम मुद्दत से इस धन्धे में हो और निश्चय ही अपने हम पेशा लोगों का स्टाइल पहचानते होंगे।'

हैरी क्रूगर ने सहमति सूचक ढंग से सिर हिला दिया।

एक मिनट बाद फोल्डिंग स्क्रीन पर ब्लू फिलम चलने लगी।

उस गन्दी फिलम को देखकर हैरी क्रूगर के चेहरे पर कोई भाव नहीं आया। वह उसे ऐसी निर्लिप्तता से देख रहा था जैसे वह ब्लू फिलम नहीं साबुन के विज्ञापन की फिलम देख रहा हो। जेम्सबांड को इससे कोई हैरानी नहीं हुई। हैरी क्रूगर का अपना धन्धा भी इससे मिलता जुलता था। वह खुद भी खूबसूरत नंगी लड़कियों की तस्वीरें और सलाइड तैयार करके अमेरिकन टूरिस्टों को बेचा करता था।

फिलम समाप्त होने पर हैरी क्रूगर ने प्रोजेक्टर आफ किया और स्टूडियो की बत्तिया जला दी।

'लड़की कौन है'—हैरी क्रूगर ने पूछा—'मैं ब्लू फिलमों में काम करने वाली सारी लड़कियों को जानता हूं लेकिन यह लड़की मैंने पहले कभी नहीं देखी।'

'लड़की को छोड़ो'—जेम्सबांड बोला, 'लड़की में मेरी दिलचस्पी नहीं है। तुम्हें कोई आइडिया है कि यह फिलम किसने बनाई है ? क्या तुम इस फिलम में चित्रित आदमी को पहचानते हो ?'

'जेम्स'—हैरी क्रूगर गम्भीर स्वर से बोला—'मेरी जानकारी में लन्दन में केवल छः ऐसे कैमरा मैन हैं जो ब्लू फिलम का धन्धा

Reader brother

करते हैं। मैं उन सबका कैमरा टैक्नीक पहचानता हूं लेकिन···
लेकिन यह फिल्म उन छः फोटोग्राफरों में से किसी की बनाई हुई नहीं है।'

'श्योर !' जेम्सबांड निराशापूर्ण स्वर से बोला।

'श्योर'—हैरी क्रूगर बोला, 'लेकिन······'

'लेकिन क्या ?'

'मेरा ख्याल है, मैं फिल्म में चित्रित आदमी को पहचानता हूं।'

'कौन है ? कौन है वो ?' जेम्सबांड के मन में एक नयी आशा जाग उठी।

'मैंने उसे काफी अरसे पहले देखा था। तब वह सोहो के एक बार में बार मैन था।'

'फ्रैंकीज बार और इस आदमी का नाम जहां तक मुझे याद है मारकस हान है। मैंने इसे ब्लू फिल्मों में भी देखा है।'

Reader brother

'लेकिन तुम यह अंदाजा नहीं लगा सकते कि इस फिल्म का फोटोग्राफर कौन है ?'

'सारी। लेकिन अगर मैंने मारकस हान को ठीक पहचाना है तो वह तुम्हें बता सकता है कि फोटोग्राफर कौन है।'

'करैक्ट !'

हैरी क्रूगर चुप रहा।

'क्या तुम एक काम कर सकते हो ?' जेम्सबांड ने पूछा।

'क्या ?'

'इस फिल्म में से तुम मुझे लड़की और उसके साथ के आदमी का एक क्लोज अप तैयार करके दे सकते हो ?'

'मामूली काम है। मैं अभी करवाता हूं।'

'करवाता हूं नहीं। तुम खुद करो। मैं नहीं चाहता कि तुम-

हारे स्टूडियों में इस फिल्म को तुम्हारे अलावा भी कोई देखे।'

ओ० के०! तुम यहीं ठहरो मैं अभी आता हूं।'

हैरी क्रूगर ने प्रोजेक्टर वहीं छोड़ दिया और फिल्म का स्पूल लेकर स्टूडियों से बाहर निकल गया।

जेम्सबांड ने एक नया सिग्रेट सुलगा लिया।

लगभग आधे घन्टे बाद हैरी क्रूगर वापिस लौटा। उसके हाथ में ग्लासी पेपर पर बना हुआ एक कैबिनेट साइज का प्रिंट था। प्रिंट उसने जेम्सबांड की तरफ बढ़ा दिया।

जेम्सबांड ने देखा, प्रिंट में साराह पैट्रिक और कथित मारकस हान के एनलार्ज हुए चेहरे दिखाई दे रहे थे।

'ठीक है ?—हैरी क्रूगर ने पूछा।

'प्रिंट को इस लिफाफे में रख लो और यह लो अपनी फिल्म।'

जेम्सबांड ने हैरी क्रूगर द्वारा दिये लिफाफे में प्रिंट रख कर लिफाफा अपने कोट की भीतरी जेब में रख लिया। उसने स्पूल और प्रोजेक्टर को दुबारा सूटकेस में बन्द किया और सूटकेस को फिर अपने बांये हाथ में लटका लिया।

'थैंक्यू फार ऐव्री थिंग'—जेम्सबांड उसकी ओर अपना दाया हाथ बढ़ाता हुआ बोला।

हैरी क्रूगर ने उसका हाथ थाम लिया और बोला'''माई प्लेज़र स्वीट हार्ट।'

'और इस फिल्म को तुम अभी इसी क्षण भूल जाओ।'

'कौन सी फिल्म। कैसी फिल्म—हैरी क्रूगर पलकें झपकाता हुआ बोला।

'ब्यूटी फुल'—जेम्सबांड प्रशंसात्मक स्वर से बोला।

'फिर आना। मेरे स्टूडियां में एक नई माडल आई है।

Reader brother

बहुत शानदार और जानदार चीज हैं। सामने यहां तक आती है' —हैरी क्रूगर अपनी छाती के सामने काफी आगे तक अपने दोनों हाथ फैला कर बोला'—और कमर मेरी मुट्ठी में आ जाती है और इतनी लम्बी और सुडोल टांगे तो तुमने जिन्दगी में नहीं देखी होंगी। हर जगह एक एक नट बोल्ट ऐसी मजबुत होता है जैसे उसे उसकी मा ने नहीं किसी मोटर कार बनाने वाली कम्पनी ने उसी साइज में बनाया हो। मिलोगे तो खुश हो जाओगे।'

'मैं जरुर आऊंगा।'

'प्रामिस।'

'मैं उसे तुम्हारे बारे में बताऊंगा।'

'जरुर बताना। अब मुझे इजाजत दो।'

हैरी क्रूगर ने उसका हाथ छोड़ दिया।

Reader brother

जेम्सबांड लन्दन की नगर वधुओं के इलाके सोहो में फ्रैंकी के बार में पहुंचा।

बार अभी खुला नहीं था।

पूछताछ करने पर उसे मालूम हुआ कि मारकस हान बार वाली ही इमारत की पांचवीं मंजिल के एक कमरे में रहता था।

जेम्सबांड सीढ़ियां चढ़कर पांचवीं मंजिल पर पहूंचा। उसने मारकस हान के कमरे का दरवाजा खटखटाया।

भीतर से कोई उत्तर नहीं मिला।

कुछ क्षण बाद जेम्सबांड ने पहले से ज्यादा जोर से और

पहले से ज्यादा देर तक दरवाजा खटखटाया।

जवाब नदारद।

जेम्सबांड ने सूटकेस को एक सिरे से थाम लिया और उसी की सहायता से जोर जोर से दरवाजा भड़भड़ाने लगा।

'कौन है?'—भीतर से किसी की नींद में डूबी आवाज सुनाई दी।

'दरवार खोलो'—जेम्स बांड बोला।

'शाम को आना।'

'टेलीग्राम हैं।'

'किसका?'

'तुम्हारा।'

'मैंने पूछा है टेलीग्राम पर नाम किसका लिखा है?'

'मारकस हान का।'

कुछ क्षण शान्ति रही। फिर भीतर से दुबारा वही स्वर सुनाई दिया'–टेलीग्राम को दरवाजे के नीचे से भीतर सरका दो।'

'लेकिन तुम्हें रसीद पर साइन भी तो करने पड़ेंगे, मेरे बाप'—जेम्सबांड अपने स्वर में गहरी झुंझलाहट का पुट देता हुआ बोला।

'ठहरो, खोलता हूं।'

जेम्सबांड प्रतीक्षा करने लगा।

थोड़ी देर बाद द्वार खुला। दरवाजे के पीछे से एक आदमी ने बाहर झांका। जेम्सबांड ने देखा, वह वही आदमी था जिसे वह ब्लू फिल्म में साराह पैट्रिक के साथ देख चुका था। जेम्सबांड ने शान्ति की सांस ली। वह ठीक जगह पर पहुंच गया था।

'तुम्हारा नाम मारकस हान है।'—जेम्सबांड ने अधिकारपूर्ण स्वर से पूछा।

Reader brother

जेम्सबांड के अधिकारपूर्ण स्वर का मारकस हान पर कोई प्रभाव दिखाई नहीं दिया। उसने दरवाजे में से सिर निकाल कर गलियारे में दांये बांये देखा और फिर उलझन पूर्ण स्वर से बोला —'वह टेलीग्राम वाला कहां गया ?'

'मैं ही टेलीग्राम वाला हूं'—जेम्सबांड बोला—'दरवाजा मेंने खटखटाया था। मारकस हान' मैं तुमसे कुछ जरूरी बाते करना चाहता हूं।'

'ऐसी की तैसी तुम्हारी'—मारकस हान झल्ला कर बोला—'मेरी नींद खराब कर दी।'

मारकस हान ने भड़ाक से दरवाजा बन्द किया लेकिन दरवाजा बन्द हो पाने से पहले ही दोनों पल्लों के बीच जेम्सबांड अपने हाथ में थमा सूटकेस सरका चुका था।

'तमाशा करने की कोशिश मत करो, मारकस हान मैं तुमसे बात किये बिना नहीं जाऊंगा।'

Reader brother

'शाम को आना।'—मारकस हान द्वार में अटका सूटकेस बाहर धकेलने की कोशिश करता हुआ बोला।

'नहीं। अभी।'

'तुम हो क्या चीज !'

'पहले मुझे भीतर आने दो फिर बताऊंगा।'

'तुम यहां से दफा होते हो या नहीं'—मारकस हान एकाएक गला फाड़कर बोला।

'मारकस हान'—जेम्सबांड वर्फ जैसे ठण्डे स्वर से बोला—'जेल जाना चाहते हो।'

केवल एक क्षण के लिये मारकस हान के चेहरे पर जेम्सबांड के स्वर का प्रभाव दिखाई दिया लेकिन शीघ्र ही वह पहले जैसा हठी

और क्रुद्ध मारकस हान वन गया।

'ऐसी की तैसी तुम्हारी'—वह गर्ज कर बोला। उसने द्वार को थोड़ा सा अपनी ओर खोला और जेम्स बांड ने सूटकेस पर अपना घुटना लगाकर सूटकेस पीछे की ओर धकेल दिया। सूटकेस द्वार से पल्लों के बीच में से निकल गया।

मारकस हान ने भड़ाक से दरवाजा बन्द किया लेनिक द्वार का लैच लगा पाने से पहले ही जेम्स बांड का कन्धा पूरी शक्ति से द्वार से टकराया।

द्वार सीधा जाकर मारकस हान के चेहरे से टकराया। वह लड़खड़ा कर पीछे हटा।

उतने समय में जेम्स बांड कमरे में प्रविष्ट हो चुका था।

'खून पी जाऊंगा'—मारकस हान पगलाये हुये बैल की तरह बिफर कर बोला और बन्दूक से छूटी गोली की तरह जेम्सबांड की ओर झपटा।

Reader brother

जेम्स बांड ने अपना सूटकेस वाला हाथ घुमाया।

भीतर पड़े प्रोजेक्टर की वजह से काफी भारी हो गया सूटकेस भड़ाक से मारकस हान के शरीर के कन्धे के समीप टकराया। मारकस हान के पांव उखड़ गये। वह बांई ओर झुका और एक कुर्सी पर आ गिरा, अगले ही क्षण वह कुर्सी से उछलता हुआ फर्श पर लम्बा लेटा पड़ा था।

जेम्स बांड शांत खड़ा उसके उठने की प्रतीक्षा करने लगा। पीड़ा क्रोध और अपमान के भावों से मारकस हान का चेहरा विकृत हो उठा। स्प्रिंग लगे खिलौने की तरह उखल कर अपने स्थान पर खड़ा हो गया। खड़े होने की क्रिया के दौरान उसने वह कुर्सी उठा ली थी जिससे उलझकर वह फर्श पर गिरा था। उसके

नेत्रों में खून उतर आया था।

जेम्स बांड ने फुर्ती से अपने शोल्डर होल्सटर से रिवाल्वर निकाल ली। लेकिन मारकस हान उसकी अपेक्षा से अधिक फुर्तीला और खतरनाक निकला। उसने जेम्स बांड को रिवाल्वर निकालते देख लिया था लेकिन फिर भी उसने रिवाल्वर की परवाह किये बिना कुर्सी बांड की ओर फेंक मारी थी।

जेम्स बांड कुर्सी के सीधे प्रहार से बच गया लेकिन बचते-बचते भी कुर्सी की एक टांग उसके रिवाल्वर वाले हाथ से टकराई और रिवाल्वर उसके हाथ से निकल कर हवा में उछल गई।

मारकस हान ने रिवाल्वर गिरने से पहले ही उसे रास्ते में लपक लिया।

उसने रिवाल्वर की नाल जेम्स बांड की ओर तान दी।

जेम्स बांड एकदम स्थिर खड़ा हो गया।

'जल्दी बोलो, कौन हो तुम, वरना शूट कर दूंगा'—मारकस हान क्रूर स्वर में बोला।

Reader brother

जेम्स बांड जानता था कि मारकस हान कोरी धमकी नहीं दे रहा था लेकिन फिर भी वह कठोर स्वर में बोला—'गोली चलाने की कोशिश मत करना मारकस हान। तुम बच नहीं पाओगे सीधे गैस चेम्बर में पहुंचोगे।'

मारकस हान के मुंह से एक गन्दी सी गाली निकली। फिर वह सांप की तरह फुंकार कर बोला—'एक तो रिवाल्वर लेकर जबरदस्ती मेरे कमरे में घुसते हो और ऊपर से मुझे धमकी देते हो।'

'हां।'

'यू ब्लडी सन आफ ए बिच—'मारकस हान चिल्लाया।

उस ने रिवाल्वर वाला हाथ सीधा किया ।

उसी क्षण जेम्स बांड ने अपने दांये पाव का पंजा ऊपर की ओर उठाया और एड़ी को जोर से फर्श पर दबाया ।

उसके जूते के अग्रभाग से एक छोटा सा चाकू गोली की तरह निकला और सीधा जाकर मारकस हान के रिवाल्वर वाले हाथ की कलाई में घुस गया ।

मारकस हान के मुंह से एक चीख निकली और रिवाल्वर उसके हाथ से छूटकर दूर जा गिरा ।

जेम्स बांड ने झपटकर रिवाल्वर उठा ली । उसने रिवाल्वर की नाल मारकस हान की छाती पर रख दी और धीरे से बोला —'अपने दोनों हाथ एक दूसरे से अलग रखो ।'

'मेरा हाथ—मारकस हान दांत भींचकर बोला—तुम कमीने कुत्ते···।'

जेम्स बांड का रिवाल्वर वाला हाथ घूमा । रिवाल्वर की नाल सड़ाक से मारकस हान की बांई कनपटी से टकराई । उसकी चीख निकल गई । कनपटी से उसकी खाल कट गई और उसमें से खून बहने लगा । उसने कुछ कहने के लिये मुंह खोला लेकिन उससे पहले कि उसके मुंह से कोई शब्द निकल पाता जेम्स बांड ने अपनी रिवाल्वर की नाल उसके मुंह में हलक तक घुसेड़ दी ।

'मारकस हान—'जेम्स बांड विष भरे स्वर से बोला—'अगर फौरन तुमने चींखना चिल्लाना बन्द नहीं किया तो मैं तुम्हारा भेजा उड़ा दूंगा ।'

मारकस हान एकाएक शांत हो गया । उसके नेत्रों में भय की छाया उभर आई ।

'अपना दांया हाथ ऊपर उठाओ ।'

Reader brother

मारकस हान ने आज्ञा का पालन किया ।

जेम्स बांड ने उसकी कलाई में घुसा चाकू खींच लिया ।

वह एक लगभग तीन इंच लम्बा आधा इंच चौड़ा और बहुत ही कम मोटे फल का दोनों ओर धार वाला चाकू था । जेम्सबांड ने रिवाल्वर मारकस हान के हलक से निकाल ली ।

'पीछे हटकर कुर्सी पर बैठ जाओ ।'

मारकस हान कुर्सी पर बैठ गया । उसने अपने बांये हाथ से अपनी घायल कलाई थाम ली थी ।

जेम्स बांड ने पलंग की पीठ पर फैला हुआ तौलिया उठा कर चाकू पर लगा खून पोंछा और फिर तौलिया मारकस हान की ओर उछाल दिया ।

मारकस हान ने बड़े कृतज्ञता पूर्ण ढंग से तौलिया लपका और उसे बड़ी मजबूती से अपनी घायल कलाई पर लपेट लिया ।

'कौन हो तुम''—उसने दबे स्वर से पूछा ।

जेम्स बांड ने उत्तर नहीं दिया । उसने आगे बढ़कर कमरे का दरवाजा भीतर से बन्द किया । उसने एक स्टूल उठाकर मर-कस हान के सामने रखा और उस पर बैठ गया ।

'तुम कोई शरारत करोगे'—जेम्स बांड ने उसे चेतावनी दी ।

मारकस हान ने सहमति सूचक ढंग से सिर हिला दिया जेम्स बांड ने रिवाल्वर अपने कोट की दांई जेब में रख ली ।

'तुम नीचे फ्रैंकी के बार में बार मैन हो—'जेम्स बांड ने पूछा ।

'हां—'मारकस हान कठिन स्वर से बोला ।

'और तुम्हारी साइड लाइन है ब्लू फिल्मों में काम करना ।'

Reader brother

'कौन कहता है—'वह विरोध पूर्ण स्वर से बोला।

'मुझसे सवाल मत करो। सवाल मैं करूंगा, तुम सिर्फ जवाब दोगे।'

मारकस हान चुप रहा।

'ब्लू फिल्मों में काम करना तुम्हारी साइड लाईन है।'

मारकस हान ने उत्तर नहीं दिया।

जेम्स बान्ड ने जेब से मारकस हान और सारा्ह पैट्रिक की वह तस्वीर निकाली जो उसे हैरी क्रूगर ने बना कर दी थी।

'इस तस्वीर को देखो—'जेम्स बांड तस्वीर उसकी गोद में डालता हुआ बोला।

मारकस हान ने केवल एक उड़ती सी निगाह उस तस्वीर पर डाली फिर निगाहें चुराने लगा।

'देखो मारकस हान'—जेम्स तनिक आगे झुककर नम्र स्वर में बोला—'यह प्रिंट मूवी फिल्म मे से ही निकाला गया है और वह मूवी फिल्म भी मेरे पास है जिसमें तुम एक लडकी के साथ रति क्रियाओं में मग्न दिखाये गये हो। तुम इस बात से इन्कार नहीं कर सकते कि यह तस्वीर तुम्हारी है लेकिन मेरी तुममें दिलचस्पी नहीं है। मैं केवल यही जानना चाहता हूं कि तुम्हारी इस लड़की के साथ ब्लु फिल्म किसने तैयार की है? और यह लड़की अब कहां है?'

मारकस हान कुछ सोचने लगा।

'मुझे बताने में तुम्हारा कोई नुकसान नहीं होगा। लेकिन अगर तुम मेरे सवालों का जवाब नहीं दोगे तो मैं अभी वाइस स्क्वाड में फोन कर दूंगा और तुम घेर लिये जाओगे। वाइस स्क्वाड को सबूत मैं दूंगा। मारकस हान तुम्हें कम से कम पांच साल

Reader brother

की सजा होगी ।'

'अगर मैं तुम्हारे सवालों का जवाब दे दूं तो तुम मुझे पुलिस के हवाले नहीं करोगे ?'

'नहीं करूंगा । वादा करता हूं ।'

'तुम क्या पूछना चाहते हो ?'

'यह फिल्म किसने बनाई थी ?'

'पीटर कुशिंग ने ।'

'वह कहां रहता है ?'

'वह प्रिन्स एलबर्ड रोड की चौबीस नम्बर इमारत में पांचवी मन्जिल के एक फ्लैट में रहता है । और वहीं उसका स्टूडियो है ।'

'तस्वीर में तुम्हारे साथ लड़की कौन है ?'

'मैं उसको नहीं जानता ।'

Reader brother

जेम्स बांड ने संदिग्ध निगाहों से उसकी ओर देखा ।

'मैं सच कह रहा हूं'—मारकस हान जल्दी से बोला—'मैं इस लड़की को जानता तक नहीं । जिस दिन पीटर कुशिंग ने मेरी और उसकी फिल्में बनाई थी उससे पहले मैंने इस लड़की को कभी नहीं देखा था और न ही मैंने इसे उस रोज के बाद देखा है ।

'तुम्हें इसका नाम तो मालूम होगा ?'

'नहीं मालूम ।'

'तुमने इसे पीटर कुशिंग को कोई नाम लेकर बुलाते नहीं सुना ?'

'पीटर कुशिंग इसे स्वीटी कहकर बुलाता था । मैं भी जरुरत पड़ने पर इसे स्वीटी ही कहता था लेकिन स्वीटी इसका नाम तो नहीं था ।'

'यह फिल्म कब तैयार की गई थी।

'लगभग दस दिन पहले।'

'कुल कितनी फिल्में तैयार की गई थी ?'

'चार।'

'तुम्हें क्या मिला था ?'

'दो सौ पाउण्ड। प्रति फिल्म पचास पाउन्ड।'

'तुम वाकई लड़की के बारे में कुछ नही जानते ?'

'मैं कसम खाकर कहता हूं, मैं लड़की के बारे में कुछ नहीं जानता।'

जेम्स बांड ने शान्ति की सांस ली। वर्तमान स्थिति में साराह पैट्रिक को जितने कम लोग जानते हो, उतना ही अच्छा था।

'पीटर कुशिग और इस लड़की के एक दूसरे से कैसे सम्बन्ध थे ?'

Reader brother

'बहुत अच्छे। दोनों एक दूसरे से खूब घुले-मिले मालूम पड़ते थे।'

'पीटर कुशिग ने तुम्हें बताया था कि वह मूवी फिल्म क्यों बना रहा है ?'

'मैंने पूछने की जरूरत ही नहीं समझी थी। मैं खूब जानता था कि वे फिल्में क्यों बनाई जाती हैं ? ब्लू फिल्में दूसरे देशों में बड़े ऊंचे दामों पर बिकती हैं। ब्लू फिल्म बनाकर बेचना तो पीटर का पुराना सा धन्धा ही है, मेरे ख्याल से उस फिल्म के लिये जैसे मैं किराये पर लिया गया था वैसे ही वह लड़की भी किराये पर ली गई थी। फर्क केवल इतना था कि लड़की पीटर कुशिग से ज्यादा घुली मिली थी। सम्भव वह पीटर कुशिग की रखैल

हो।'

'लड़की को मूवी कैमरे के सामने तुम्हारे साथ रति क्रियायें करने में कोई ऐतराज नहीं था।'

'एतराज का क्या सवाल है? यह तो धन्धा है जो आप दौलत की खातिर करते हैं। मुझे ही कौन सा ऐतराज था? ऐसे ही लड़की को भी ऐतराज नहीं था…।'

मारकस हान अटका।

'यस, यस।'

'लेकिन पहले बार के बाद मुझे एक सन्देह हुआ था।'

'क्या।'

'कि लड़की अपने होश-हवाश में नहीं थी।'

'तुम यह कैसे कह सकते हो?'

मिस्टर, मैं उस लड़की के साथ हम बिस्तर हुआ था। इतनी निकटता में उसकी कोई बात मेरे से छुपी रह पाना सम्भव नहीं थी। वह बेहद गरमाई हुई थी और उसके दिमाग में सैक्स का इकलौता ख्याल डेरा डाले हुए था। मुझे तो सन्देह है कि उसे यह भी मालूम था या नहीं कि उसकी फिलम बनाई जा रही है और…मैंने उसकी बांह पर कई छोटे-२ तिल जितने बड़े गोल निशान देखे थे जो इन्जेक्शन की सिरोंज से पैदा होते हैं। मेरे ख्याल से वह लड़की उस समय एल० एस० डी० के नशे में थी।'

'तुम्हारी वहां मौजूदगी के दौरान में उन लोगों में कोई बात–चीत न हुई थी?

'शूटिंग के बीच के इन्टरवलों में, शूटिंग से पहले और बाद ये बातें करते ही रहते थे लेकिन मैंने उसकी बातों की ओर ध्यान

Reader brother

नहीं दिया था। मेरी दिलचस्पी नहीं थी। मैं तो वहां दो सौ पौण्ड कमाने गया था न कि एक ब्लू फिल्में बनाने वाले फोटोग्राफर और उसकी रखैल सी लगने वाली और एल० एस० डी० के नशे में डूबी लड़की की बातें सुनने।'

'फिर भी ऐसी कोई भूली भटकी बात जो अनजाने में तुमने सुनी हो और अनजाने में ही तुम्हें याद रह गई हो।'

मारकस हान कुछ क्षण तक सोचता रहा और फिर बोला—'मैंने पीटर कुशिंग को लड़की से कहते सुना था कि शीघ्र ही वह उसे फिलीपाइन्स, हांग कांग, सिंगापुर, मलेशिया, इन्डोनेशिया, थाईलैंड, बर्मा, हिन्दुस्तान पाकिस्तान वगैरह की सैर कराने ले जायेगा।'

'उसने यह नहीं कहा था कि वह कब जायेगा और पहले कहां जायेगा ?'

'नहीं।

'कोई और ऐसी बात जो तुम्हें जिक्र के काबिल लग रही हो ?'

'नथिंग।'

जेम्स बांड कुछ क्षण चुप रहा और फिर अपने स्थान से उठ खड़ा हुआ। उसने मारकस हान के हाथ से तस्वीर ले ली और उसे वापस कोट की जेब में रख लिया। कोट की जेब में से रिवाल्वर निकाल कर उसने उसे सोल्डर होलस्टर में पहुंचा दिया। चाकू उसने जेब में ही रहने दिया। उसने जमीन से सूटकेस उठा लिया और फिर मारकस हान के नेत्रों में झांकता हुआ कठोर स्वर में बोला—'मारकस हान, मेरे इस कमरे से निकल जाने के बाद तुम मुझे एकदम भूल जाओगे। इसी में तुम्हारी भलाई है लेकिन

Reader brother

अगर तुमने मेरे बारे में किसी को, विशेष रूप से पीटर कुशिंग को कोई सूचना देने की कोशिश की तो मैं तुम्हारी वो गत बनाऊंगा कि तुम्हारी सगी मां भी तुम्हें नहीं पहचान पायेगी। समझ गये।'

'समझ गया'—मारकस हान स्वीकृति–सूचक ढंग से सिर हिलाता हुआ बोला।

जेम्स बांड बिना उसकी ओर दुबारा दृष्टिपात किये लम्बे डग भरता हुआ कमरे से बाहर निकल गया।

प्रिन्स एलबर्ट रोड पर चौबीस नम्बर इमारत के सामने जेम्स–बांड टैक्सी से उतरा।

Reader brother

हाथ में सूटकेस लटकाये वह इमारत में प्रविष्ट हुआ।

लिफ्ट के रास्ते वह पांचवी मन्जिल पर पहुंचा।

पीटर कुशिंग का फ्लैट तलाश करने में उसे कोई दिक्कत नहीं हुई। उसके फ्लैट के मुख्य द्वार के आगे एक धुंधले शीशे का झूलने वाला दरवाजा था। दरवाजे के ऊपरले हिस्से पर लिखा था—

पीटर कुशिंग का।

पोर्ट्रेट स्टूडियो।

जेम्स बांड यह द्वार धकेल कर भीतर प्रविष्ट हो गया।

वह एक रिसेप्शन की तरह सजा हुआ छोटा सा कमरा था। रिसेप्शन डेस्क के पीछे एक लगभग तीस साल की सुन्दर महिला

बैठी थी।

जेम्स बांड सीधा उसके समाने जा खड़ा हुआ।

'मिस्टर कुशिंग प्लीज'···अपने होठों पर वह गोल्डन सी मुस्कराहट लाता हुआ बोला—'जो पत्थर दिल लड़की का भी दिल जीत लेती थी।

लेकिन जेम्स बांड को यह देखकर बड़ा अफसोस हुआ कि उस मुस्कराहट का रिसैप्शनिस्ट पर तनिक भी असर नहीं हुआ था।

'मिस्टर कुशिंग नहीं है ?'—वह भावहीन स्वर में बोली।

'कहां गये हैं ?'

'मालूम नहीं !'

'कब आयेंगे ?'

'मालूम नहीं।'

'मैं इन्तजार करूं ?'

'कोई फायदा नहीं होगा। सम्भव है मिस्टर कुशिंग कई दिन तक वापस न लौटें।'

'क्या वे लन्दन से बाहर गये हुए हैं ?'

'मालूम नहीं।'

'मुझे उनसे बहुत जरुरी काम है। मैं उनसे कहीं फौरन सम्पर्क स्थापित कर सकता हूं ?'

'मालूम नहीं !'

'आपके पिताजी का नाम क्या है ?'

रिसैप्शनिस्ट ने अग्नेय नेत्रों से जेम्स बांड की तरफ देखा।

'जाहिर है कि आपको इस सवाल का जवाब भी नहीं मालूम—जेम्स बांड अपने स्वर को भरसक भावहीन बनाता हुआ

Reader brother

बोला —'जब कि इस बार मैंने सावधानी से ऐसा सवाल पूछा था जिसका जवाब आपको जरूर मालूम हो !'

'मिस्टर डोंट ट्राई टु बी फनी !'

'ओ० के०, ओ० के० ।' जेम्स बांड बोला—'सहयोग के लिये बहुत बहुत धन्यवाद ।'

जेम्सबांड उल्टे पांव से बाहर निकल आया । उस लड़की से कोई जानकारी हासिल होने की कोई उम्मीद नहीं थी । या तो उसे मालूम नहीं था कि पीटर कुशिंग कहां था और या फिर उसे विशेष रूप से यह निर्देश दिया गया था कि वह उसके पते के बारे में किसी को न बताये ।

जेम्सबांड ने गलियारे में आकर लिफ्ट का काल बटन दबाया और प्रतीक्षा करने लगा ।

खाली लिफ्ट पांचवी मंजिल पर पहुंच कर उसके सामने रुक गई ।

Reader brother

'ग्राउन्ड ।' जेम्सबांड बोला ।

लिफ्ट चालक ने द्वार बन्द किया और ग्राउन्ड फ्लोर का बटन दबाया ।

एकाएक जेम्सबांड को एक ख्याल आया । उसका ध्यान लिफ्ट चालक की ओर आकर्षित हुआ, वह एक लगभग पन्द्रह साल का सुनहरे बालों वाला सूरत शक्ल से बड़ा चालाक और कमीना लगने वाला लड़का था ।

'सुनो ?' जेम्सबांड बोला—'क्या नाम है तुम्हारा ?'

'साम !' लड़का बोला ।

'अगर आज सुबह सवेरे तुम्हें क्वीन के दर्शन हो जायें तो तुम्हारा बाकी दिन कैसा गुजरेगा ?'

'बहुत अच्छा, लेकिन मुझे क्वीन के दर्शन होंगे कैसे ?'

'मैं करा सकता हूं।'

उसी क्षण लिफ्ट ग्राउन्ड फ्लोर पर आकर रुक गई लेकिन जेम्स बांड ने बाहर निकलने का उपक्रम नहीं किया।

लड़के ने लिफ्ट का जंगला एक ओर सरका दिया बाहर लिफ्ट का फौरन इस्तेमाल चाहने वाला कोई नहीं था।

'कैसे ?' लड़के ने उत्सुक स्वर से पूछा।

जेम्स बांड ने अपनी जेब से एक-एक पाउन्ड का नोट निकाला और उसका वह भाग लड़के के सामने कर दिया। जिस पर क्वीन एलिजा बेथ की तस्वीर छपी हुई थी।

'ओह !' लड़के के मुंह से निकाला---'लेकिन सिर्फ क्वीन दर्शन भर कर लेने से मेरहा कोई भला थोड़े ही होगा ?'

'करैक्ट।' जेम्स बांड बोला और उसने एक पाउन्डर का वह नोट लड़के की जैकेट की ऊपरी जेब में खोंस दिया।

'बदले में मुझे क्या करना होगा ?' लड़का बोला।

'मेरी मामूली सी सहायता।'

'क्या ?'

'तुम पीटर कुशिंग को जानते हो ?'

'पांचवी मन्जिल के फोटोग्राफर को ?'

'हां ?'

'जानता हूं।'

'वह कहां हैं ?'

'वह पच्चीस तीस दिन से बाहर गया हुआ है।'

'कहां !'

Reader-brother

लड़के के लोमड़ी जैसी चालाकी से भरे नेत्रों में एक विचित्र प्रकार की चमक आ गयी।

'आप क्यों जानना चाहते हैं ?'

जेम्सबांड एक क्षण कसमसाया और फिर बोला—'पीटर कुशिंग से मैंने पांच हजार पौण्ड लेने हैं और एकाएक वह पता नहीं कहां गायब हो गया है।'

'अगर आपको पता लग जाये कि पीटर कुशिंग कहां है तो आप उससे अपनी रकम वसूल कर लेंगे ?'

'बिल्कुल ! मेरी रकम नहीं लौटायेगा तो मैं उस हरामी की गरदन नहीं मरोड दूंगा !'

'यानि कि पीटर कुशिंग का पता मालूम होने से आपको पांच हजार पौंड का लाभ होगा !'

'तुम कहना क्या चाहते हो ?'—जेम्स बांड झुंझलाकर बोला।

'मैं यह कहना चाहता हूं, बास।' लड़का लालच भरे स्वर में बोला—'कि अगर मैं आपको पीटर कुशिंग का एकदम सही-सही पता बता दूं तो क्या आप मुझे क्वीन के एक बार फिर दर्शन हासिल करने का हकदार नहीं मानेंगे ?'

'जेम्स बांड ने एक गहरी सांस ली। लड़का उसे साफ-साफ ब्लैक मेल कर रहा था उसने अपनी जेब से एक पाउन्ड का एक और नोट निकाला। उसने नोट लड़के की ओर बढ़ा दिया। लड़के की उंगलियां नोट से लिपट गई लेकिन जेम्सबांड ने नोट छोड़ा नहीं।

'लेकिन बेटे अगर पीटर कुशिंग का पता एकदम सही न हुआ तो उसकी जगह मैं तुम्हारी गरदन मरोड़ दूंगा।'

Reader brother

'अड्रेस बिल बी वन हन्ड्रड परसेंट करेक्ट, बास।' लड़का विश्वासपूर्ण स्वर से बोला।

जेम्सबांड ने नोट से अपनी पकड़ ढीली कर दी। नोट लगभग तत्काल ही लड़के की जैकेट में कहीं गायब हो गया।

'पोस्ट मैन इमारत की सारी डाक मुझे दे जाता है।' लड़का धीमे किन्तु स्पष्ट स्वर में बोला— बाद से इमारत के विभिन्न कमरों में मैं डाक बांटता हूं। कल शाम की डाक में पीटर कुशिंग की सैक्रेटी के नाम एक पत्र आया था। लिफाफा बैंकाक के प्रैसीडेन्ट होटल का था और उस पर भेजने वाले के नाम स्थान पर पर पीटर कुशिंग के हस्ताक्षर थे।

'यानि कि पीटर कुशिंग बैंकाक के प्रैसीडेन्ट होटल में है।'

'श्योर। लेकिन अगर तुम्हारे बैंकाक पहुंचने तक पीटर कुशिंग वहां से कहीं चला गया हो तो वापिस मेरी गरदन मरोड़ने मत पहुंच जाना।

'अच्छा।' जेम्स बांड बोला और लिफ्ट से बाहर निकल आया।

Reader brother

'एम' के आफिस के बाहरी कमरे में उसकी सैक्रेट्री मिस पैटी टाईप राइटर के पीछे बैठी थी।

'हल्लो स्वीट हार्ट।' जेम्सबांड उसके डैस्ट के सामने रुककर बोला— लांग टाइम ! सो सी।'

मनीपेनी चुप रही।

'क्या रोज तुम इतनी ही खूबसूरत लगती हो ?'

'चीफ भीतर है ।'

'मैंने यह नहीं पूछा था ।'

मनीपेनी चुप रही ।

'मैडम मेरा बाप कहा करता था कि सुबह सवेरे किसी खूबसूरत लडकी का चुम्बन मिल जाये तो दिन बहुत बढ़िया गुजरता है ।'

'यह सुबह सवेरा नहीं है ।'

'मेरे बाप ने यह भी कहा है कि बारह बजे से पहले तक सुबह सवेरा ही होता है ।'

'और मैं ऐसी खूबसूरत भी नहीं हूं ।'

'तुम्हारी दोनों ही बातें गलत हैं ?' जेम्सबांड बोला—'और मेज की साइड से घूमकर मनीपेनी की ओर बढ़ा ।

मनीपेनी ने झपट कर लोहे का फुटा उठा लिया और चेतावनी भरे स्वर से बोली—'खबरदार ?'

'मेरे बाप ने यह भी जहा है कि खूबसूरत लड़की से कभी नहीं डरना चाहिये ।'

'मैं कहती हूं रुक जाओ ।'

जेम्स बांड ने चेतावनी की परवाह नहीं की उसने सूटकेस फर्श पर रख दिया ।

मनीपेनी ने जल्दी से इन्टरकाम का बटन दबाया और जोर से बोली—'मिस्टर बांड इज हेयर सर ?'

जेम्सबांड अपने स्थान पर ठिठक गया ।

'उसे भीतर भेजो ।' इन्टर काम पर 'एम' की आवाज सुनाई दी ।

Reader brother

'आन यूअर वे, रोमियो ?'—मनीपेनी शरारत भरे स्वर से बोली।

''मैडम ?' जेम्स बांड आहत स्वर से बोला—'यू शुड नाट हिट बिलो दि बैल्ट।'

मनीपेनी उसके स्वर की नकल करती हुई बोली—'यू आल्सो शुड नाट बिहेब लाइक ए कैसा नोवा।'

'जेम्स···?' इन्टर काम पर 'एम' की गर्जदार आवाज सुनाई दी—'मेरी सैक्रेट्री को छोड़ो और फौरन भीतर आओ।'

'अभी आया सर !' जेम्सबांड उच्च स्वर से बोला। फिर वह मनीपेनी से सम्बोधित हुआ—बैंकाक के प्रैसीडेन्ट होटल से जल्दी से जल्दी मेरी बात करवाओ।'

'यस सर !' मनीपेनी तत्पर स्वर से बोली।

Reader brother

जेम्सबांड ने सूटकेस उठाया और एक आखिरी शिकायत भरी निगाह मनीपेनी की ओर डाल कर 'एम' के कमरे में प्रविष्ट हो गया।

'एम' ने उसे बैठने का संकेत किया।

जेम्सबांड 'एम' के समीप की एक कुर्सी पर बैठ गया।

'क्या प्रोग्रेस है ?' एम ने पूछा।

जेम्स बांड ने उसे शुरू से आखिर तक सब कुछ कह सुनाया।

'जेम्स···!' सारी बात सुन चुकने के बाद 'एम' बोला—'कहने की जरूरत नहीं कि तुम्हें फौरन बैंकाक रवाना होना पड़ेगा।'

'जाहिर है ?' जेम्सबांड बोला।

'मैं अभी तुम्हारी बुकिंग का इन्तजाम करता हूं।'—एम

बोला फिर उसने इन्टर काम का स्विच दबाया और बुकिंग के बारे में मनी पेनी को निर्देश देने लगा।

'अगर बैंकाक में साराह मुझे मिल गई तो मुझे उसको क्या ट्रीटमेंट देना पड़ेगा ?'

'क्या मतलब ?'

'मतलब यह सर कि बाकी की तीन फिल्में तो मैं पीटर कुशिंग से हासिल कर लूंगा लेकिन साराह मेरे साथ वापिस आने के लिये तैयार न हुई तो ?'

'तुमने उसकी इच्छा अनिच्छा नहीं पूछनी है !'—'एम' कठोर स्वर से बोला—'तुमने उसे जबरदस्ती यहां लाना है चाहे तुम्हें उसको भगाकर क्यों न लाना पड़े। मिस्टर, मैं उस लड़की को अपने अधिकार में चाहता हूं ताकि मैं उसे उसके बाप के पास भिजवा सकूं। यह काम तुमने करना है मुझे इस बात से वास्ता नहीं है कि तुम यह काम कैसे करोगे। समझे।'

'समझ गया।' जेम्स बांड बोला—

उसी समय इन्टरकाम का बजर बजा। 'एम' ने स्विच ओन किया और बोला—'यस।'

'सर !' इन्टरकाम पर मनी पेनी की आवाज सुनाई दी—'आज शाम को सवा चार बजे की बी. ओ. ए० सी. की फ्लाइट नम्बर ७१८ में मिस्टर बांड के लिये सीट बुक करा दी गई है। प्लेन ज्यूरिच रोम और कराची में रुकता हुआ अगले दिन बैंकाक पहुंचेगा।'

'गुड।' 'एम' सन्तोषपूर्ण स्वर से बोला।

'और सर, मिस्टर बांड से कहिये कि बैंकाक का होटल

Reader brother

प्रेसीडेंट लाइन पर है।'

'ओ. के.।'

'एम' ने इन्टरकाम बन्द कर दिया और जेम्सबांड को मेज पर रखे फोन की ओर संकेत किया।

जेम्सबांड ने टेलीफोन का रिसीवर उठा लिया।

'हल्लो !' वह जोर से बोला—

'होटल प्रेसीडेन्ट प्लीज।'—दूसरी ओर से आवाज आई।

'रिसैप्शन ?'

'यस।'

क्या आपके यहां मिस्टर पीटर कुशिग ठहरे हुये हैं ? ... नहीं, नहीं मैंने उनसे बात नहीं करनी है। में केवल यह जानना चाहता था कि वे अभी वहीं है या चले गये ?..... वैरी गुड, आप मेरे लिये कल के लिये एक सिंगल रूम बुक कर दीजिये। मेरा नाम जेम्सबांड है।

मैं कल बी० ओ० ए० सी० की फ्लाइट नम्बर सात सौ अट्ठारह से बैंकाक पहुंच रहा हूं।......नहीं एयरपोर्ट पर गाड़ी भेजने की जरूरत नहीं है।......ओ. के. थैंक्यू।'

और जेम्सबांड ने रिसीवर क्रेडिल पर रख दिया।

'अब, सर'—जेम्सबांड 'एम' से बोला—'आप ऐसा इन्तजाम कीजिये कि कल बैंकाक पहुंचते ही मुझे एयरपोर्ट पर एक कार और एक रिवाल्वर मिल जाये।'

'मैं अभी बैंकाक में अपने दूतावास से सम्पर्क स्थापित करता हूं।'

'थैंक्यू। और यह फिल्म ओर प्रोजेक्टर आप संभाल लीजिये इसकी अब मुझे जरूरत नहीं।'

Reader brother

'ओ० के०।'

'अब मुझे इजाजत दीजिये।'

'ठीक है ! तुम ठीक समय पर एयरपोर्ट पहुंच जाना। तुम्हारा टिकट वगैरह वहीं पहुंच जायेगा।'

जेम्सबांड अपने स्थान से उठ खड़ा हुआ। उसने 'एम' से हाथ मिलाया और द्वार की ओर बढ़ गया।

'एम' भी अपने स्थान से उठा और लापरवाही से चलता हुआ द्वार तक उसके पीछे पहुंचा।

जेम्सबांड कमरे से बाहर निकल गया। उसने मनी पेनी की ओर देखा।

मनी पेनी एकदम गम्भीर थी।

जेम्सबांड को मालूम था कि 'एम' मनी पेनी के और अपने कमरे को मिलाने वाले द्वार की चौखट पर खड़ा था। उसने मनी पेनी को देखकर अपनी दाईं आंख दबा दी।

Reader brother

मनी पेनी बौखलाकर नीचे देखने लगी।

जेम्सबांड लम्बे डग भरता हुआ मनी पेनी के डेस्क की बगल से गुजर गया और 'एम' के आफिस से बाहर निकल गया।

धड़कते दिल से जान पैट्रिक ने अपना जाली पासपोर्ट लंदन एयरपोर्ट पर वर्दीधारी चैकिंग अधिकारी के काउन्टर पर रख दिया।

जान पैट्रिक उस समय नकली मूंछे नकली बाल और चश्मा

लगाये हुये था।

चैकिंग अधिकारी ने पासपोर्ट पर लगी फोटो की ओर फिर जान पैट्रिक को देखा। उसने सन्तुष्टिपूर्ण ढंग से सिर हिलाया, पासपोर्ट पर एक मोहर लगाई और उसे बन्द करके जान पैट्रिक को लौटाता हुआ बोला—'थैंक्यू मिस्टर फ्रैंक मैक्शेन।'

पासपोर्ट पर जान पैट्रिक का यही नाम लिखा हुआ था।

उसने शांति की गहरी सांस ली। उसके होठों पर एक फीकी मुस्कराट उभरी और उसने पासपोर्ट थाम लिया।

जान पैट्रिक बैरियर पार कर गया।

उसने अपनी घड़ी पर दृष्टिपात किया।

कान्टास ऐयर वेज की जिस फ्लाइट में उसकी न्यूयार्क के लिये सीट बुक थी, उसके टेक आफ करने में अभी पन्द्रह मिनट बाकी थे। वह आराम से चलता हुआ गेट नम्बर तीन की ओर बढ़ा। वह पहले ही मालूम कर चुका था कि उसकी फ्लाइट गेट नम्बर तीन से जाने वाली थी।

Reader brother

उसी क्षण माइक्रोफोन पर उसे एनाउन्सर का स्वर सुनाई दिया—'योर अटेन्शन प्लीज। हमें खेद के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि कान्टास एयर वेज की फ्लाईट नम्बर पांच सौ इक्यासी कल पुर्जों की आकस्मिक खराबी के कारण लगभग एक घन्टा लेट टेक आफ करेगी। इस फ्लाइट के यात्रियों से प्रार्थना है कि वे रिसेप्शन सैन्टर पर प्रतीक्षा करे। धन्यवाद।'

जान पैट्रिक चिन्तित हो उठा। उसका एयरपोर्ट पर अधिक देर मौजूद रहना खतरनाक सिद्ध हो सकता था। अब उसके पहचान लिये जाने की सम्भावनायें बढ़ गई थीं।

'फ्लाइट लेट हो जाने से तुम्हारे लिये तो बड़ी दिक्कत हो

गई, पैट्रिक ने चिहुंकर अपने पीछे देखा और फिर उसका मुंह सूखने लगा।

वह एक लगभग पचास वर्ष का छोटा सा आदमी था। उस के न केवल कपड़ों से बल्कि हाव भाव से भी रईसी झलकती थी। हरमन जे० बोल्टन संसार के गिने चुने करोड़पतियों में से एक था। अपनी बेशुमार दौलत की वजह से सारे संसार में उसका इतना दबदबा था कि वह विश्व के उद्योग पतियों को, राजनीतिज्ञों को और यहां तक कि अमेरिकन एड पर आश्रित छोटे-मोटे बादशाहों को कठपुतली की तरह अपनी इच्छानुसार नचा सकता था।

हरमन जे० बोल्टन संसार का आखिरी आदमी था जिसकी जान पैट्रिक वहां अपेक्षा कर सकता था। और इस बात में कोई सन्देह ही नहीं था कि बोल्टन ने उसकी नकली मूछों नकली बालों और चश्मे के बावजूद भी उसे पहचान लिया था इसलिये स्थिति से अनजान बनना बेकार था।

'बोल्टन, प्लीज'—जान पैट्रिक याचनापूर्ण स्वर से बोला—'मुझ से अलग हो जाओ। मुझे भय है तुम्हारी वजह से मैं पह-चान लिया जाऊंगा।'

'मुझे तुमसे बात करनी है।' बोल्टन बोला।

'इस वक्त नहीं।'

'इसी वक्त।'

'लेकिन...।'

'रिसैप्शन सैन्टर पहुंचो और सिरे के दरवाजे से अन्दर प्रविष्ट हो जाओ।'

'लेकिन बोल्टन...।'

'तुम इन्कार करने की स्थिति में नहीं हो।'

हरमन जे. बोल्टन के स्वर में धमकी का स्पष्ट पुट था।

जान पैट्रिक फौरन आगे बढ़ गया।

रिसैप्शन सैन्टर में पहुंचकर बोल्टन द्वारा बताये द्वार से वह भीतर प्रविष्ट हो गया। यह एक बड़े ऐश्वर्यपूर्ण ढंग से सजाया हुआ वेटिंग रूम था जो केवल वेहद महत्वपूर्ण यात्रियों के लिये ही सुरक्षित था।

एक मिनट बाद बोल्टन भी उस कमरे में प्रविष्ट हुआ।

उसने द्वार भीतर से बन्द कर लिया। वह जान पैट्रिक के सामने आ खड़ा हुआ।

जान पैट्रिक उससे निगाहें नहीं मिला सका।

'बैठो'—बोल्टन आदेशपूर्ण स्वर से बोला।

जान पैट्रिक एक सोफे पर बैठ गया।

बोल्टन भी उसके सामने एक सोफे पर बैठ गया और फिर धीमे किन्तु स्पष्ट स्वर से बोला—'क्या तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है?'

बोल्टन के स्वर में कोड़े जैसी फटकार थी। जान पैट्रिक कसमसाया लेकिन मुंह से कुछ नहीं बोला।

'ये नकली बाल, ये नकली मूंछे चश्मा, जाली पासपोर्ट। इन तमाम बातों का मतलब क्या है?'

'एक ऐसी समस्या आ खड़ी हुई थी जिसकी वजह से यह सब करना जरुरी हो गया था।' जान पैट्रिक दबे स्वर से बोला।

'कैसी समस्या?'

'वह मेरी निजी समस्या है। उसमें तुम्हारी दिलचस्पी की कोई बात नहीं है।'

Reader brother

'जानते हो अगर तुम इस हालत में जाली पासपोर्ट, नकली नाम और नकली सूरत के साथ सफर करते हुये इंगलेंड में गिरफ्तार हो जाओ तो तुम्हारा क्या अन्जाम होगा ? तुम सपने में भी राष्ट्रपति पद का चुनाव नहीं जीत सकोगे ।'

'मुझे मालूम है लेकिन जो कुछ मैंने किया है, वह भी बहुत जरूरी था ।'

'तुम मुझे अपने यूं एकाएक लन्दन आने की वास्तविक वजह नहीं बताओगे ।'

'नहीं ।' जान पैट्रिक कठिन स्वर से बोला ।

'तुम्हारी मेरे प्रति भी कोई जिम्मेदारी है ।'

जान पैट्रिक चुप रहा ।

'माई डियर पैट्रिक'—बोल्टन एक गहरी सांस लेकर बोला—शायद तुम्हें हमारे बीच में तय हुये सौदे को दुबारा याद दिलाने की जरूरत है । शायद तुम यह भूल रहे हो कि तुम्हें अमेरिका का भावी राष्ट्रपति बनाने की खातिर जो चार करोड़ डालर की भारी रकम खर्च की जा रही है वह आधी मेरी जेब से निकली है । शायद तुम यह भूल रहे हो कि मेरी दो करोड़ डालर की रकम का उद्धार तुम्हारी सफलता पर निर्भर करता है । क्या तुम समझते हो जिस आदमी पर मेरे दो करोड़ डालर का दांव लगा हुआ हो मैं उसकी ऐसी मूर्खतापूर्ण हरकत बर्दाश्त करूंगा । यहां अगर एक दो कौड़ी का रिपोर्टर भी तुम्हें पहचान ले तो तुम्हारे अमेरिका का भावी राष्ट्रपति बनने के चांस शत प्रतिशत खतम हो जायेंगे और साथ ही मेरे दो करोड़ डालर की रकम डूब जायेगी । पैट्रिक, तुम्हारे प्रेसीडेन्ट बनने में मेरी सारी दिलचस्पी केवल इसलिये हैं क्योंकि तुमने प्रेसीडेन्ट बनने के बाद

Reader brother

आरकेडिया डैम का ठेका मुझे देने का वायदा किया हुआ।

जान पैट्रिक ने बड़ी बेचैनी से पहलू बदला। बोल्टन सच कह रहा था। जान पैट्रिक ने वाकई उससे वादा किया था कि अगर वह प्रेसीडेन्ट बन गया तो वह उसको आरके-डिया की डैन का ठेका दिलवा देगा। बोल्टन द्वारा दिया जाने वाला सबसे बड़ा खर्चा था। वह पचास करोड़ डालर का प्रोजेक्ट था और बोल्टन उसमें से कम से कम बीस प्रतिशत मुनाफा कमाने वाला था। और जान पैट्रिक जानता था कि अगर वह राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत गया तो उसकी सफलता की सबसे बड़ी वजह बोल्टन की बेशुमार दौलत और उसका राज-नैतिक प्रभाव होगा।

'लेकिन बोल्टन'—जान पैट्रिक स्वयं को भरसक व्यवस्थित करता हुआ बोला—'ऐसी भारी चिन्ता की कोई बात नहीं है। तुम जानते ही कि मैं पकड़ा नहीं गया हूं और आगे पकड़े जाने की सम्भावना नहीं है और सच पूछो तो अगर तुमने मुझे केवल सयोगवश यहां एयरपोर्ट पर देख न लिया होता तो तुम्हें कभी खबर भी नहीं होती कि मैं यूं छदम वेश धारण करके जाली पासपोर्ट पर सफर करके लन्दन आया था।'

'संयोग!' बोल्टन बोला—'डोंट टाक नानसेंस। मैं विशेष रूप से तुमसे बात करने के लिये अपना हांगकांग का प्लेन मिस करके यहां एयरपोर्ट पर बैठा हुआ था। पैट्रिक, तुम उन सिक्यो-रिटी वालों की आंखों में धूल झोंक सकते हो जो सरकार ने न्यूयार्क में तुम्हारी हिफाजत के लिये तैनात किये हुये हैं। तुम न्यूयार्क और लन्दन के कस्टम अधिकारियों की आंखों में धूल

Reader brother

झोंक सकते हो लेकिन वोल्टन और उसके आदमियों की आंखों में धूल नहीं झोंक सकते। तुम्हारे न्यूयार्क से रवाना होते ही मुझे काहिरा में सूचना मिल गई थी और मैं फौरन लन्दन चला आया था और तुम्हारी जानकारी के लिये मुझे यह भी मालूम है कि एक्सैलसियर होटल में तुम जिस आदमी से मिले थे वह ब्रिटिश एन्टैलीजेन्स का चीफ है।'

जान पैट्रिक के मुंह से सिसकारी निकल गई। वह आश्चर्य और अविश्वासपूर्ण नेत्रों से वोल्टन की ओर देखने लगा।

'अब तुम मुझे यह बताओगे कि ऐसी कौन सी समस्या है? जिसकी वजह से तुम्हें इतना खतरा उठाकर लन्दन में ब्रिटिश इन्टैलीजेन्स के चीफ के पास आना पड़ा।'

वोल्टन से कुछ छुपाना बेकार था। जान पैट्रिक ने धीरे-२ सारी बात बता दी।

'इस काम के लिये तुम यहां क्यों आये?'—सारी बात सुन चुकने के बाद वोल्टन ने प्रश्न किया—'मेरे पास क्यों नहीं आये?'

'क्योंकि ब्रिटिश इन्टैलीजेन्स का चीफ मेरा बचपन का दोस्त है।'

'और मैं तुम्हारा दोस्त नहीं हूं।'

'नहीं।' जान पैट्रिक दबे स्वर से बोला—'तुम मेरे दोस्त नहीं हो। तुम केवल मेरे एक शक्तिशाली और समर्थ सहयोगी हो।'

'अमेरिका के होने वाले राष्ट्रपति को ऐसी उपाधि देते हुये मेरा कलेजा फटा जा रहा है लेकिन मुझे कहना पड़ रहा है, पैट्रिक, कि तुम गधे हो।'

Reader brother

जान पैट्रिक कसमसाया लेकिन मुंह से कुछ नहीं बोला।

'मुझे तुम्हारे बारे में चिन्ता होने लगी है।' बोल्टन सत्य ही चिन्तित स्वर से बोला—'मैं सोच रहा हूं क्या वाकई तुम्हारे में वे गुण हैं जो कि एक महान राष्ट्र के महान राष्ट्रपति में होने चाहिये। पैट्रिक जरा अक्ल से काम लो। ब्रिटिश इन्टैलीजेन्स का चीफ तुम्हारा दोस्त है लेकिन क्या जेम्स बांड भी तुम्हारा दोस्त है?'

'वह चीफ का सबसे विश्वासनीय आदमी है।'

'और जेम्सबांड का आगे कोई सबसे विश्वासनीय आदमी होगा। उस विश्वासनीय आदमी का और आगे कोई सबसे विश्वासनीय आदमी होगा। यह सिलसिला कहां तक चलेगा इस सारी चेन में कहीं भी लीक हो जाये तो तुम्हारे भविष्य का सर्वनाश हो जायेगा। पैट्रिक, यू फूल, यू ब्लन्ड्रिंग फूल, तुम्हें यहां भागे आने की जगह फौरन मुझसे सम्पर्क स्थापित करना चाहिये था।'

Reader brother

'मेरे से गलती हो गई।' जान पैट्रिक ने बड़े अनिच्छापूर्ण ढंग से स्वीकार किया।

'खैर, अब भी ज्यादा कुछ नहीं बिगड़ा है। अब मैं इस समस्या को अपने ढंग से हैंडिल करूंगा।'

'तुम क्या करोगे?'

'बताऊंगा। पहले तुम मेरे कुछ सवालों का जवाब दो।'

'पूछो।'

'मान लो जेम्सबांड अपने अभियान में सफल हो गया। उसने बाकी की तीन फिल्में और तुम्हारी बेटी तुम्हारे पास पहुंचा दी

तो तुम क्या करोगे ?'

'मैं फिल्मों को नष्ट कर दूंगा और अपनी बेटी को कन्ट्रोल करने की कोशिश करूंगा।'

'कैसे ?'

'मैं उसे समझाऊंगा।'

'और अगर वह न समझी, अगर उसने फिर कोई वैसी ही हरकत की तो ?

'तो···तो···।'

जान पैट्रिक को उत्तर नहीं सूझा।

'दैट्स दी प्वायन्ट'—वोल्टन हाथ फैलाकर बोला—'दैट्स दि होल प्वायन्ट। तुम मेरी बात समझ गये हो। पैट्रिक अगर तुम्हारी बेटी तुम्हारे खिलाफ है तो वह जिन्दगी भर तुम्हारे कैरियर के लिये खतरा बनी रहेगी। मौका लगने पर वह फिर तुम्हारे लिये ऐसी ही कोई मुसीबत खड़ी कर देगी जैसी उसने अब की है।'

'तो फिर···तो फिर मैं क्या करूं।'

'एक बात बताओ।'

'पूछो।'

'अगर तुम्हारी बेटी किसी दुर्घटना में अपने प्राण खो बैठे तो क्या तुम्हें बहुत अफसोस होगा ?'

'मैं समझा नहीं।'

'नादान मत बनो। तुम मेरी बात समझ रहे हो। पैट्रिक तुम्हारे दोस्त ब्रिटिश इन्टैलीजेन्स के चीफ और मेरी लाइन आफ ऐक्शन में यही फर्क है। वह ब्लू फिल्में और तुम्हारी बेटी को तुम्हारे हवाले करके तुम्हें केवल वक्ती तौर तर मुसीबत से छुटकारा दिलवा सकता है लेकिन मैं तुम्हारी मुसीबत की स्थाई

Reader brother

रूप से हल कर सकता हूं। तुम्हारा दोस्त तुम्हारी लड़की को तलाश कर सकता है लेकिन मैं तुम्हें उससे हमेशा के लिये छुट-कारा दिलवा सकता हूं। मैं उसकी और उसके सहयोगियों की जबान हमेशा के लिये बन्द करवा सकता हूं।'

'तुम।' जान पैट्रिक अपने होठों पर जुबान फेरता हुआ बोला—'तुम ऐसा नहीं कर सकते।'

'क्यों नहीं कर सकता ? और फिर हर्ज क्या है ? मुझे विश्वास नहीं कि तुम्हारा अपनी बेटी से इतना मोह है कि उसके इस संसार से विदा हो जाने के बाद तुम उसके वियोग में रो रोकर जान दे दोगे।'

'लेकिन वह मेरी बेटी है।'

'पैट्रिक, मूर्खों जैसी बातें मत करो। वह तुम्हारी बेटी है क्योंकि तुमने उसे पैदा किया है लेकिन तुम जानते हो उसकी पूरी जिन्दगी में एक ईमानदार बाप की तरह तुमने उसमें कभी दिल-चस्पी नहीं ली। कई सालों से तुमने उसकी सूरत तक नहीं देखी है। अगर यह फिल्म की बात सामने न आती तो तुम्हारे पास तो यह जानने का भी कोई साधन नहीं था—और न फुरसत थी कि वह जिन्दा है कि मर गई। पैट्रिक, वह एक आवारा, चरित्र-हीन और गैर जिम्मेदार लड़की है जिसे तुम्हारे शानदार भविष्य में रुकावट बनने का कोई अधिकार नहीं है। उसका···।'

उसी क्षण कमरे में लगे लाउड स्पीकर पर एनाउन्सर की आवाज गूंज उठी।

बोल्टन चुप हो गया।

Reader brother

'योर अटेंशन प्लीज'—एनाउन्सर कह रही थी—'कान्टास एयर वेज की फ्लाइट नम्बर—५८१ के यात्रियों से प्रार्थना है कि वे अपने प्लेन पर सवार होने के लिये तत्काल तीन नम्बर गेट पर पहुंचे।'

जान पैट्रिक तत्काल अपने स्थान से उठा।

'मैं जाता हूं।' वह बोला—'मेरा प्लेन छूट जायेगा।'

'जरूर जाओ।'—बोल्टन बोला—लेकिन तुम्हें मेरी स्कीम से एतराज तो नहीं है।'

'तुम जो मुनासिब समझते हो करो।'

'थैंक्यू। यह पहली समझदारी की बात है जो मैंने तुम्हारी जबान से सुनी है।'

जान पैट्रिक तेजी से कमरे से बाहर निकल गया।

हरमन जे. बोल्टन अपने स्थान से हिला भी नहीं।

Reader brother

जान पैट्रिक के कमरे से निकलते ही उसने मेज पर रखे टेलीफोन का रिसीवर उठा लिया। उसने एक नम्बर डायल किया। कुछ क्षण वह सम्पर्क स्थापित होने की प्रतीक्षा करता रहा और फिर रिसीवर में बोला—'बोल्टन बोल रहा हूं। मेरी हांगकांग की टिकट कैंसिल करवा दो।'

उसने रिसीवर को क्रेडिल पर रख दिया और अपने हाथ छाती पर बांध लिये।

वह बेहद गम्भीर था।

बी० ओ० ए० सी० का सिडनी जाने वाले विशाल बोईंग ७०७ प्लेन, थाईलैंड की राजधानी बैंकाक के डान मुआंग एयर-पोर्ट पर उतरा।

बैंकाक उतरने वाले यात्रियों में जेम्सबांड भी था।

कस्टम की सारी औपचारिकतायें निभाकर जेम्सबांड एयर-पोर्ट की इमारत से बाहर निकल आया। उसका हल्का सा सूट-केस उसके हाथ में था।

वह मारकी में आकर खड़ा हुआ।

उसी क्षण एक विशाल शेवर लेट गाड़ी मारकी में आकर खड़ी हुई। मारकी में से एक आदमी बाहर निकला और सीधा जेम्सबांड की ओर बढ़ा।

Reader brother

'मिस्टर बांड।' उसने समीप आकर पूछा।

'यस'—जेम्सबांड बोला।

'मेरा नाम हडसन है। मैं ऐम्बैसी से आया हूं।'

'वैरी गुड।'

'कार हाजिर है।'

'थैंक्यू।'

'और दूसरी चीज भी। वह…कार के ग्लोव कम्पार्टमैंट में है।'

'थैंक्स अगेन।'

'क्या मैं आपका पासपोर्ट देख सकता हूं?'

'तुम्हें मेरे सही आदमी होने में सन्देह है।'

'नहीं लेकिन फिर भी अगर आपको एतराज न हो तो'''।'

जेम्सबांड ने जेब से पासपोर्ट निकालकर उसकी ओर बढ़ा दिया।

हडसन ने पासपोर्ट का निरीक्षण किया और फिर उसने संतुष्टिपूर्ण ढंग से सिर हिलाते हुये पासपोर्ट जेम्सबांड को लौटा दिया।

'थैंक्यू सर'—वह बोला—'यह लीजिये कार की चाबियां।'

जेम्सबांड ने चाबियां ले ली।

'मेरे योग्य कोई और सेवा हो तो बताइये।'

'नहीं। धन्यवाद।'

हडसन आदरपूर्ण ढंग से एक ओर हट गया।

जेम्सबांड कार में जा बैठा। सूटकेस उसने अपनी बगल में रख लिया और कार स्टार्ट कर दी।

Reader brother

वह नगर की ओर चल दी।

एयरपोर्ट बैंकाक से बीस मील दूर था।

रास्ते में एक स्थान पर उसने कार रोकी उसने ग्लोव कम्पार्टमैंट खोला। भीतर रिवाल्वर—और कारतूसों का एक डिब्बा पड़ा था। जेम्सबांड ने रिवाल्वर निकालकर हाथ में ले ली। उसने उसका चैम्बर चैक किया। रिवाल्वर पूरी भरी हुई थी। उसने रिवाल्वर को अपनी पतलून की पिछली जेब में डाल लिया और कारतूसों का डिब्बा वहीं अपने स्थान पर पड़ा रहने दिया।

उसने कार फिर आगे बढ़ा दी।

लगभग बीस मिनट बाद उसने कार को होटल प्रेसीडेंट के

सामने ला खड़ा किया ।

उसने अपना सूटकेस सम्भाला और होटल की लाबी की ओर बढ़ा ।

उसी क्षण होटल में से एक बेहद खूबसूरत लड़की निकली । उसके साथ एक सफेद सूटधारी आदमी था ।

जेम्सबांड ने लड़की को फौरन पहचान लिया ।

वह साराह पैट्रिक थी ।

जेम्सबांड एक ओर हट गया ।

साराह और सफेद सूट वाला आदमी उसकी बगल से गुजर गये ।

साराह की दृष्टि जेम्सबांड पर नहीं पड़ी ।

जेम्सबांड रिसैप्शन पर पहुंचा ।

'अभी जो सफेद सूट वाले साहब यहां से गुजर रहे हैं'— जेम्सबांड ने रिसैप्शन क्लर्क से पूछा—'वे मिस्टर कुशिंग हैं न ?'

Reader brother

'यस सर'—क्लर्क बोला ।

'मैंने उन्हें बहुत अरसे बाद देखा है । मुझे अपनी पहचान पर सन्देह हो रहा था ।

'वे मिस्टर कुशिंग ही है सर ।'

'मेरा नाम जेम्सबांड है । मेरे लिये रूम बुक है ।'

क्लर्क ने रजिस्टर देखा और फिर बोला—'यस सर ।'

जेम्सबांड ने खाना पूरी की और फिर एक बैल ब्वाय के साथ हो लिया ।

बैल ब्वाय उसका सूटकेस और उसे तीसरी मंजिल के एक कमरे में छोड़ गया ।

जेम्सबांड नित्य कर्म से निवृत हुआ । उसने नया सूट पहना और कमरे से बाहर निकल आया ।

अब रिवाल्वर उसके कोट के नीचे शोल्डर होल्स्टर में रखी थी ।

जेम्सबांड ने होटल के डाईनिंग हाल में आकर खाना खाया और फिर होटल से बाहर निकल आया ।

वह अपनी कार में बैठा ।

उसने कार बिना मतलब नगर की विभिन्न सड़कों पर चलाना शुरू कर दिया ।

चार सौ मन्दिरों के नगर बैंकाक की सुन्दरता का आनन्द लेता हुआ जेम्सबांड कार चलाता रहा ।

लान लुआंग रोड और राजा डैमर्न एवेन्यू होता हुआ वह नदी के साथ चलता हुआ महाराज रोड पर पहुंच गया । वह नेशनल म्यूजियम और रायल पैलेस के समीप से गुजरता हुआ आगे बढ़ा । बुद्ध के मन्दिरों के समीप से गुजरते समय एकाएक उसकी नजर दांई ओर उठ गई ।

'ब्यूटी फुल ।'—उसके मुंह से निकला और उसने कार रोक दी ।

नदी के पार नदी के किनारे पर बैंकाक का विश्व प्रसिद्ध सूर्योदय का मन्दिर खड़ा था ।

कितनी ही देर आसमान की बुलन्दियों को छूते हुये उस विशाल मन्दिर से जेम्सबांड अपनी निगाहें नहीं हटा सका । वह सांस रोके उसकी सुन्दरता का रसस्वादन करता रहा ।

अन्त में उसने अपनी कार को गियर में डाला और धीमी गति से आगे बढ़ा दिया ।

Reader brother

ट्रिपेड रोड पर पुल पर से होता हुआ वह नदी पार कर गया।

एक पतली सी सड़क के किनारे उसे एक टू सीटर स्पोंट कार खड़ी दिखाई दी।

स्पोंट का इन्जन खुला हुआ था। और उस पर पीटर कुशिंग झुका हुआ था। साराह कार से हटकर फुटपाथ पर एक पेड़ के नीचे खड़ी थी।

जेम्सबांड ने अपनी विशाल कार को स्पोंट कार की बगल में ला खड़ा किया।

आज तो तकदीर साथ दे रही है वह मन ही मन बुदबुदाया और कार से बाहर निकल आया।

'हल्लो'—वह साराह की ओर दृष्टिपात किये बिना पीटर कुशिंग से बोला—'मदद चाहिये।'

पीटर कुशिंग ने इन्जन पर से सिर उठाया। अपने सामने एक योरोपियन को देखकर उसके चेहरे पर तनिक रौनक आ गई।

'पता नहीं क्या गड़बड़ हो गई है।'—पीटर कुशिंग बोला।

'कार स्टार्ट ही नहीं हो रही है।'

'तुम इन्जन के बारे में कुछ जानते हो।'

'नहीं, मैं तो यूं ही हाथ मार रहा था।'

'हटो, मैं देखता हूं।'

पीटर कुशिंग एक ओर हट गया।

'तुम कार को स्टार्ट करने की कोशिश करो'—जेम्सबांड बोला। वह जान बूझकर साराह की ओर नहीं देख रहा था।

Reader brother

पीटर कुशिंग कार की ड्राइविंग सीट की ओर बढा।

तब तक साराह भी उसी ओर देखने लगी थी। पीटर कुशिंग की ओर देखते ही उसकी निगाहें सीधी जेम्सबांड के चेहरे से टकराई।'

'मिस्टर बांड'—उसके मुंह से निकला।

जेम्सबांड ने यूं सिर उठाया जैसे उसे पहली बार सड़क पर किसी तीसरे आदमी के अस्तित्व का ज्ञान हुआ हो।

'साराह'—'वह उत्साहपूर्ण स्वर से बोला—सरपराइज सरपराइज।'

साराह फुटपाथ से उतरकर कार के समीप आ गई उसने जेम्सबांड की ओर अपना हाथ बढ़ा दिया। जेम्सबाड ने बड़ी गर्मजोशी से उसका हाथ थाम लिया।

पीटर कुशिंग संदिग्ध नेत्रों से कभी जेम्सबांड को ओर कभी साराह को देख रहा था।

Reader brother

'पीटर'—साराह बोली—मिस्टर बांड से मिलो। मिस्टर बांड ये मिस्टर कुशिंग हैं। पेशे से फोटोग्राफर है और मेरे दोस्त है। मैं इनके साथ पूर्वी देशो के टूर पर निकली हूं।'

जेम्सबांड ने बड़े उत्साह से पीटर कुशिंग से हाथ मिलाया।

'बड़ी खुशी हुई आपसे मिलकर साहब—।' जेम्स बांड बोला।

पीटर कुशिंग के चेहरे पर मुस्कराहट आ गई। लगता था वह बड़ा सरलचित्त और जल्दी खुश हो जाने वाला आदमी था।

'और पीटर'—साराह बोली—'ये मिस्टर जेम्स बांड है। छः महीने पहले मैं इनसे लन्दन की एक पार्टी में मिली थी। उसके बाद और भी मुलाकातें हुई लेकिन अफसोस है कि इनके

नाम के अतिरिक्त मैं इनके बारे में जानने लायक कुछ भी नहीं जानती।

'नाम के अतिरिक्त मेरे बारे में जानने लायक कुछ है भी नहीं। दरअसल, मिस्टर कुशिग, मैं बहुत निकम्मा आदमी हूं। मैं निकम्मा आदमी इसलिये हूं क्योंकि कुछ काम नहीं करता हूं और कुछ काम इसलिये नहीं करता हूं क्योंकि मेरा बाप मेरे लिये इतनी दौलत छोड़कर मरा है कि वह कम से कम मेरी जिन्दगी में खत्म होने वाली नहीं।'

साराह और पीटर कुशिग हंसे।

'आप बहुत दिलचस्प आदमी है।' पीटर कुशिग बोला।

जेम्सबांड मुस्कराया।

'तुम यहां कैसे ?' साराह ने पूछा।

'मैं भी पूर्वी देशों की सैर करने के लिये ही घर से निकला हूं।' जेम्सबांड बोला।

'वाह फिर तो मजा आ जायेगा। यहां से आगे इकट्ठे ही चलेंगे।

'बड़ा अच्छा ख्याल है। मुझे भी कुछ अकेले आनन्द नहीं आ रहा। यहां से आगे कहां जाने का इरादा है ?'

'अभी तो कुछ दिन यही ठहरेंगे। उसके बाद बर्मा फिर हिन्दुस्तान, फिर पाकिस्तान, फिर अफगानिस्तान फिर इरान वगैरह...।'

'ग्रेटा आप लोग ठहरे कहां हो ?'

'प्रेसीडेन्ट में।'

'अरे। मैं भी तो वहीं ठहरा हूं।'

Reader-brother

'लेकिन हमने तो तुम्हें वहां देखा नहीं।'—पीटर कुशिंग बोला।

'मैं आज ही तो आया हूं।' जेम्सबांड बोला।

'ओह !'

'छोड़िये, बातें बाद में करेंगे। आइये पहले कार को देखें।'

पीटर कुशिंग ड्राइविंग सीट पर जा बैठा।

जेम्सबांड इन्जन पर झुक गया।

'इन्जन स्टार्ट करो।'

पीटर कुशिंग ने इन्जन स्टार्ट किया।

'पैट्रोल टैंक की क्या पोजीशन है ?'

'तीन चौथाई फुल है।' पीटर कुशिंग बोला।

'इन्जन फिर स्टार्ट करो।' कुछ क्षण बाद जेम्सबांड फिर बोला।

तत्काल इन्जन की घर्राहट से वातावरण गूंज उठा।

'पैट्रोल की नली में मिट्टी फंस गई मालूम होती है। औजार है।'

पीटर कुशिंग ने टूल किट निकाल कर उसके हाथ में दे दी।

उसके बाद लगभग दस मिनट जेम्सबांड इन्जन से उलझा रहा।

'अब स्टार्ट करो।' अन्त में वह बोला।

पीटर कुशिंग ने कार स्टार्ट की। कार फौरन स्टार्ट हो गई। वह इन्जन बन्द करके कार से बाहर निकल आया।

'थैंक्यू।' वह कृतज्ञतापूर्ण स्वर से बोला।

Reader brother

'डोंट मैंशन ।' जेम्सबांड बोला ।

'मिस्टर बांड, यू आर वन्डरफुल ।' साराह ब.ली-'यू वर ए रियल हैल्प ।'

इट वाज नाथिंग ।'

'आज रात डिनर के लिये आप हमारा निमन्त्रण स्वीकार कीजिये ।' पीटर कुशिंग आग्रह पूर्ण स्वर से बोला—यहां वान थाई नाम का एक बहुत बढ़िया रेस्टोरेन्ट है जहां थाईलैंन्ड का पारम्परागत भोजन मिलता है और वहां सारे संसार में मशहूर थाई शास्त्रीय नृत्यों का प्रोग्राम भी होता है। आप खुश हो जायेंगे ।'

'लेकिन···।'

'ओह, कम आन ।'

'अच्छी बात है'—जेम्सबांड बोला—'जैसा आप कहें ।'

'थैंक्यू ।'

'होटल से आप मेरे साथ चलियेगा । मेरे पास बड़ी गाड़ी है ।'

'ठीक है ।'

अब मुझे इजाजत दीजिये ।

'श्योर ।'

जेम्सबांड ने दोनों से हाथ मिलाया और फिर अपनी कार की ओर बढ़ गया ।

Reader brother

लन्दन ।

पार्क लेन में स्थित पांच सौ दस कमरों वाले विशाल हिल्टन होटल के सामने एक टैक्सी आकर रुकी ।

टैक्सी में से एक लगभग छः फुट लम्बा युवक निकला । उसके बाल हिप्पियों की तरह बिखरे हुये थे । और वह हिप्पियों जैसी ही घिसी हुई जीन और उससे मिलती जुलती जैकेट पहने हुये था । उसकी सूरत से लगता था जैसे वह कई दिनों से नहाया न हो ।

उसने टैक्सी का बिल चुकाया और फिर होटल में प्रविष्ट हो गया ।

Reader brother

'मिस्टर हरमन जी० वील्टन, प्लीज ।' वह रिसैप्शन पर पहुंचकर बोला ।

'यू आर एक्सपैक्टिड, सर ?' रिसैप्शनिस्ट का 'सर' कहने का अन्दाज ऐसा था जैसे उस बेहूदे आदमी को 'सर' कहने से उसका कलेजा फटा जा रहा हो ।

'यस ।'

क्लर्क ने एक टेलीफोन उठा लिया । उसने टेलीफोन पर कुछ क्षण बात की और फिर रिसीवर को यथा स्थान रख दिया ।

'सूट नम्बर सात सौ बीस, प्लीज—।' वह उस युवक से बोला ।

'थैंक्यू ।' युवक बोला और लिफ्ट की ओर बढ़ गया ।

रिसैप्शनिस्ट की नफरत भरी निगाहें तब तक उसका पीछा करती रही जब तक कि वह लिफ्ट में प्रविष्ट होकर दृष्टि से ओझल नहीं हो गया।

वह युवक सातवीं मंजिल पर पहुंचा। उसने सात सौ बीस नम्बर सूट का द्वार धीरे से खटखटाया।

'कम इन।' भीतर से आवाज आई।

युवक भीतर प्रविष्ट हो गया।

एक चमड़े के सोफे पर चाइना सिल्क का गाउन पहने हुये हरमन जे० वोल्टन यूं बैठा था जैसे कोई शहनशाह अपने सिंहासन पर बैठा हो।

युवक ने उसका अभिवादन किया।

'जैस्पर'—वोल्टन फटकार भरे स्वर से बोला—'मैंने तुम्हें कितनी बार कहा है कि जब मेरे पास आया करो तो अपनी हुलिया सुधारकर आया करो।'

'सारी बास'—जैस्पर दांत निकालकर बोला—'आगे से ख्याल रखूंगा।'

लेकिन वोल्टन को मालूम था कि वह आगे से ख्याल नहीं रखेगा।

'और तुम दस मिनट लेट हो।'

'सारी अगेन।'

'और बैठने की तकलीफ मत करना। कालीन तो तुम खराब कर ही चुके हो। मैं नहीं चाहता कि तुम होटल का शानदार सोफा भी खराब करो।'

'ओ० के० बास।' जैस्पर बोला—वह आदतन ऐसी बातों का बुरा नहीं मानता था।

Reader brother

जैस्पर—हैमिल्टन जैस्पर—हरमन जे० बोल्टन का जल्लाद था। कई सालों से वह हरमन के सम्पर्क में था और ऐसे कितने ही लोगों को दूसरी दुनिया में पहुंचा चुका था जिसकी इस दुनिया में मौजूदगी बोल्टन को रास नहीं आती थी। जैस्पर किसी को हत्या करे या न करे उसे हर साल बोल्टन से चालीस हजार डालर मिल जाते थे।

जैस्पर अपने वर्तमान जीवन से बेहद सन्तुष्ट था।

आज उसे बोल्टन ने बुलाया था। और बोल्टन के बुलावे का केवल एक ही मतलब होता था। फिर किसी की इस दुनिया में मौजूदगी उसके सामने बैठे छोटे से आदमी के लिये असुविधा का विषय बन गयी थी।

'तुम्हें फौरन बैंकाक के लिये रवाना होना है।'—बोल्टन बोला।

Reader brother

'वैरी वैल'—जैस्पर भावहीन स्वर से बोला, 'मैं तैयार हूं।'

हरमन जे० बोल्टन ने उसकी ओर एक तस्वीर बढ़ा दी और बोला—'इस लड़की का नाम साराह पैट्रिक हैं। यह इस समय पीटर कुशिंग नाम के एक आदमी के साथ बैंकाक में प्रैसीडेन्ट होटल में है। आदमी की तस्वीर मेरे पास नहीं है लेकिन यह आदमी लड़की के साथ ही होगा। तुमने इन दोनों की हत्या करनी है लेकिन हत्या तुमने तब तक नहीं करनी है जब तक इनके पास मौजूद तीन फिल्में मेरे आदमियों को हासिल न हो जायें।'

'मुझे यह कैसे मालूम होगा कि फिल्में आपके आदमियों को हासिल हो गई हैं या नहीं।' जैस्पर ने पूछा।

जेम्सबांड नाम का ब्रिटिश इन्टेलीजेन्स का एक एन्जेट उन फिल्मों को हासिल करने की कोशिश कर रहा है। जेम्सबांड मेरे आदमियों की निगरानी में है। उसे फिल्में मिलते ही फिल्में उससे छीन ली जायेगी। उसके बाद तुम्हें अपने काम आरम्भ करने के लिये हरा सिगनल दे दिया जायेगा।'

'ओ० के०।'

'बैंकाक नगर से बीस मील बाहर सचावेता एस्टेट नाम की एक जगह है। लोगों की निगाह में उस एस्टेट का मालिल प्रिंस के० सचावेता है लेकिन वास्तव में उस एस्टेट का मालिक मैं हूं और प्रिंस सचावेता मेरा वेतन भोगी कर्मचारी है। फिल्में हासिल करने के लिये जो कुछ किया जानता है वह प्रिंस सचावेता करेगा वह तुम्हें बैंकाक हवाई अड्डे पर मिलेगा और वहां से तुम्हें अपने साथ सचावेता एस्टेट ले जायेगा। वही तुम्हें बतायेगा कि तुमने अपना काम कब शुरू करना है। समझ गये।'

'समझ गया।'

'और तुम्हें अपने साथ कोई हथियार वगैरह ले जाने की जरूरत नहीं है। प्रिंस सचावेता तुम्हारी हर जरूरत पूरी करेगा।'

'वैरी गुड।'

'यहां से तुम सीधे एयरपोर्ट पहुंचो। तुम्हारा प्लेन छूटने में केवल एक घन्टा बाकी है। अपना टिकट तुम बी० ओ० ए० सी० के इन्क्वायरी काउन्टर से ले लेना।'

'ओ० के०।'

'एन्ड विश यू गुड लक।'

'थैंक्यू।'

Reader-brother

हरमन जे० बोल्टन चुप हो गया।

'बास!'

'यस।'

'आपको कैसे मालूम है कि साराह नाम की यह लड़की और उसका साथी बैंकाक में ही है!

बोल्टन ने उसे घूर कर देखा।

'ओ० के०, ओ० के० आई जस्ट आस्कड'—जैस्पर जल्दी से बोला। उसने बोल्टन का अभिवादन किया और वहां से विदा हो गया।

हरमन जे० बोल्टन ने जैस्पर के अभिवादन का उत्तर नहीं दिया। उसका चेहरा यूं शांत था जैसे तूफान आने से पहले समुद्र शांत होता है।

Reader brother

बान थाई रेस्टोरेन्ट में साराह पैट्रिक और पीटर कुशिंग जेम्सबांड की शेवर लेट पर पहुँचे।

पीटर कुशिंग पहले ही टेबल रिजर्व करवा चुका था। एक स्टीवर्ट उन्हें उनकी टेबल तक छोड़ गया।

उस शाम के भोजन की शुरुआत उन्होंने शेम्पेन से की।

उनकी टेबल चौकोर खम्बे के पास थी। उस खम्बे पर तथा ऐसे ही अन्य खम्बों पर थाईलैंड के विभिन्न एतिहासिक स्थानों की तस्वीरें लगी हुई थीं। साराह के ठीक सामने खम्बे पर फ्रेम में जड़ा एक विशाल सात मंजिले महल का पोस्टर लगा हुआ

था। पोस्टर के नीचे अंग्रेजी में लिखा हुआ था—सचावेता पैलेस।

'ब्यूटी फुल'—साराह बोली।

'कौन ?'—पीटर कुशिंग बोला।

साराह ने खम्बे पर लगे सचावेता पैलेस के पोस्टर की ओर संकेत कर दिया।

पीटर कुशिंग कुछ क्षण पोस्टर देखता रहा और फिर वह भी प्रशंसात्मक स्वर से बोला—'हां वाकई।'

जेम्सबांड को ऐसी चीजों में कोई दिलचस्पी नहीं थी। उसने उड़ती सी निगाह पोस्टर पर डाली और फिर दुबारा शैम्पेन पीने में व्यस्त हो गया।

'तुम्हारी क्या राय है, मिस्टर बांड !' साराह ने जेम्सबांड से पूछा।

'पोस्टर वाकई बहुत बढ़िया छपा हुआ है।'—जेम्स बांड बोला।

Reader brother

'क्या जगह है ! साराह अपनी ही झोंक में बोलती गई—क्या खूबसूरती है ! इस पैलेस में रहने का अवसर हासिल करने की खातिर तो मैं इसके मालिक से शादी करने के लिये भी तैयार हो जाऊं चाहे वह नब्बे साल का ही क्यों न हो।'

'मैं नब्बे साल का नहीं हूं।'

साराह ने चौंककर आवाज की ओर देखा। जेम्सबांड और पीटर कुशिंग भी उस ओर देखने लगे।

शब्द खम्बे की दूसरी साइड की टेबल पर एक अकेले बैठे आदमी के मुंह से निकले थे। वह एक लगभग चालीस साल का

स्वस्थ व्यक्ति था। वह एक शानदार सूट पहने हुए था और उसके दोनों हाथों की तीन तीन उंगलियां बड़े बड़े हीरों वाली अंगूठियों से जगमगा रही थी। उसकी टाई में अंगूठियों से भी बड़ा हीरा जगमगा रहा था।

'मुझे प्रिन्स के० सचावेता कहते हैं—वह आदमी तनिक सिर नवा कर बोला—'और जिस पैलेस की आप तारीफ कर रही है वह मेरा है।'

'वाकई ?'—साराह के मुंह से निकला।

'जी हां। वैसे तो मुझे आपसे शादी करने में भी कोई एतराज नहीं लेकिन अगर आप केवल इस पैलेस में रहने की खातिर ही मुझसे शादी करना चाहती है तो उसकी जरूरत नहीं। मैं आपको अपने पैलेस में कुछ दिन रहने के लिये सादर आमन्त्रित करता हूं।'

Reader brother

'आप बहुत विनोदप्रिय व्यक्ति है'—साराह के मुंह से केवल इतना ही निकला।

'आपकी जर्रानवाजी है।'

'क्या आप डिनर के लिये हमारा निमन्त्रण स्वीकार कर सकते हैं। मैंने आज तक कभी किसी प्रिंस के साथ बैठ कर खाना नहीं खाया।'

'यह मेरा सौभाग्य होगा—प्रिंस सचावेता बोला।

उसने वेटर को संकेत किया। एक वेटर को संकेत करने पर एक स्वीवर्ट सहित तीन वेटर दौड़े चले आये। प्रिंस के कहने भर की देर थी कि उन चारों को एक बड़ी मेज पर शिफ्ट कर दिया गया।

शैम्पेन का नया दौर आरम्भ हुआ।

'मेरे मित्रों से मिलिये'—'साराह बोली—'पीटर कुशिंग। जेम्स बांड।'

'दोनों ने बारी बारी प्रिंस सचावेता से हाथ मिलाया।

'टुरिस्ट ?' प्रिंस सचावेता ने पूछा।

'हां।'

'आई सी। आई एम वैरी प्लीज्ड टू मीट यू पीपुल।'

'वुई टु'—तीनों लगभग एक साथ बोले।

उसी क्षण थाई नर्तकियों के शास्त्रीय नृत्य का प्रोग्राम आरम्भ हो गया।

नृत्य के बाद उन्हें डिनर सर्व किया गया। चारों ने हल्की-फुल्की बातें करते हुये खाना खाया।

डिनर के बाद उन्हें काफी सर्व कर दी गई।

'आज के डिनर के बदले में'—प्रिंस सचावेता काफी की चुस्कियां लेता हुआ बोला—'मैं आपको कुछ दिन सचावेता पैलेस का मेहमान बनने का आमन्त्रण देता हूं। मुझे आपका मेजबान बनने में भारी खुशी होगी।'

साराह का चेहरा खुशी से दमकने लगा।

'मुझे आपका मेहमान बनकर खुशी होगी।' वह बोली 'लेकिन मैं अकेली नहीं आ सकती। मेरे साथ मेरे दो मित्र भी हैं।'

'मैंने आपसे अकेली आने के लिये कहा भी नहीं। आपके मित्र मेरे हैं'—और वह जेम्स बांड और पीटर कुशिंग की ओर देख कर मुस्कराया।

दोनों भी जवाब में मुस्कराये।

'आपको विश्वास दिलाता हूं कि मेरी एस्टेट में आपका भर-

Reader brother

पूर मनोरंजन होगा। वहां मनोरंजन के तमाम आधुनिक साधन मौजूद है। यही एक विशाल स्वीमिंग पूल के अलावा बारह सौ एकड़ में फैला हुआ एक विशाल जंगल है जहां आप लोग घुड़सवारी भी कर सकते हैं और शिकार भी।'

'ओह हाउ स्वीट'—साराह प्रसन्नता से दमकती हुई बोली। उसने यूं पीटर कुशिंग और जेम्स बांड की ओर देखा जैसे वह हां कहने से पहले उनकी सहमति हासिल करना चाहती हो।

दोनों ने सहमति सूचक ढंग से सिर हिला दिया।

'लेकिन जनाब'—पीटर कुशिंग बोला—'हम आप पर बोझ नहीं बनना चाहते। अगर आप समझते हैं कि···।'

'अगर मैं आप लोगों को बोझ समझता होता तो मैं भला आपको आमन्त्रित ही क्यों करता ?' प्रिंस सचावेता मीठे स्वर से बोला—'मैं अपने विशाल महल में अकेला रहता हूं। आप लोगों के आगमन से मेरे भी कुछ दिन रौनक से गुजर जायेंगें।'

Reader brother

'फिर हमें क्या एतराज हो सकता है।'

'ठीक है। आप लोग कहां ठहरे हुये हैं।'

'प्रेसीडेन्ट में।'

'मैं कल सुबह आपके लिये अपनी गाड़ी भेज दूंगा।'

'लेकिन गाड़ियां हमारे पास हैं'—साराह बोली।

'गाड़ी मैं फिर भी भेज दूंगा। आप अपनी गाड़ियों पर तशरीफ लाइयेगा। मेरा शोफर आपको राह दिखाता हुआ ले आयेगा।'

'ठीक है।'

'अब मैं आपसे बिदा लेता हूं।'

प्रिंस सचावेता ने वारी-२ तीनों से हाथ मिलाया।

उसने बिल अदा करने का बहुत आग्रह किया लेकिन जेम्स बांड ने उसे ऐसा नहीं करने दिया ।

प्रिंस सचावेता वहां से विदा हो गया ।

'दोस्तों'—उसके जाने के बाद साराह बोली'—तुम दोनों को मेरा शुक्रगुजार होना चाहिये । मेरी ही वजह से तुम्हें थाईलैंड में एक प्रिंस के शाही महल में रहने का मौका मिल रहा है ।'

'मैं आपका शुक्रगुजार हूं, मैडम'—पीटर कुशिंग सिर नवा कर बोला ।

'साराह'—जेम्स बांड तनिक गम्भीर स्वर से बोला—'मैं तो तुम लोगों के साथ होने की वजह से खामखाह बुला लिया गया हूं । लेकिन मैं तुम दोनों के लिये असुविधा का कारण नहीं बनना चाहता ।

'ओह डोंट टाक नानसेंस'—साराह उसकी बात काट कर बोली—'यू आर कमिंग विद अस ।'

जेम्स बांड ने पीटर कुशिंग की ओर देखा ।

'तुम्हें चलना पड़ेगा हमारे साथ'–पीटर कुशिंग बोला ।

जेम्स बांड को उन दोनों से ऐसे ही उत्तर की आशा थी । इसीलिये उसने ऐसी बात कही थी । वास्तव में प्रिंस सचावेता के एकाएक वहां टपक पड़ने से उसे बड़ा लाभ हो गया था । साराह हर वक्त पीटर कुशिंग के साथ रहती थी । होटल में रहते उससे तनहाई में बात कर पाना बड़ा कठिन काम था । लेकिन प्रिंस सचावेता की एस्टेट में, उसे विश्वास था, साराह से तनहाई में बात करने के कई अवसर आयेंगे ।

वह मन ही मन अपनी तकदीर पर खुश होता हुआ संकोच पूर्ण स्वर से बोला—'आल राइट दैन ।'

Reader brother

'मैंने स्कीम थोड़ी बदल दी है'—प्रिंस सचावेता बोला।

वह सचावेता पैलेस के विशाल हाल में एक दीवान पर अधलेटा सा बैठा हुआ था उसके सामने एक कुर्सी पर जैस्पर बैठा था।

'क्या किया है तुमने—?' जेस्पर ने पूछा।

'पहले यह तय हुआ था कि जेम्स बांड साराह पैट्रिक और पीटर कुशिंग से फिल्में हासिल करेगा और फिर वे फिल्में उससे हम हथिया लेंगे। लेकिन अब इतनी लम्बी क्रिया का अनुसरण करने की जरूरत नहीं रह गई है।'

'अब क्या फर्क पड गया है ?'

सारा‍ह पेट्रिक, पीटर कुशिंग और जेम्स बांड कुछ दिन के लिये मेहमान बनकर सचावेता पैलेस में रहने आने वाले हैं। एक बार सचावेता एस्टेट की चार दीवारी में कदम रखने के बाद उन्हें यहां से बाहर नहीं निकलने दिया जायेगा। जब लड़की और पीटर कुशिंग मेरे अधिकार में होंगे तो मैं उनसे यह भी कबुलवा लूंगा कि फिल्में कहां हैं। फिल्म हासिल हो जाने के बाद तुम्हें दो की जगह तीन आदमियों को ठिकाने लगाना पड़ेगा।'

'वह तो ठीक है लेकिन स्कीम में जो हेर-फेर तुम कर रहे हो क्या वह बास को पसन्द आयेगा ?'

'क्यों नहीं पसन्द आयेगा ? क्या खराबी है इसमें ?'

'खराबी' मुझे नहीं मालूम लेकिन मैं इतना जानता हूं कि

Reader brother

जेम्स बांड बहुत खतरनाक आदमी है। उसका यहां मौजूद होना तुम्हारी तन्दुरुस्ती के लिये अच्छा साबित नहीं होगा।

'मैं देख लूंगा उसे।'

'ठीक है। जो जी में आये करो! मेरा काम तो तब शुरु होगा, जब फिल्में तुम्हारे अधिकार में आ जायेंगी। उससे पहले या बाद में चाहे कोई तुम्हारा गला काट जाए। मुझे परवाह नहीं।'

'ठीक है, ठीक है। तुम अपना काम करो। मैं अपना काम करता हूं।'

'ओ० के०।'—जैस्पर अपने स्थान से उठता हुआ बोला—'मैं सोने जा रहा हूं। और जब तक फिल्म तुम्हारे अधिकार में नहीं आ जाती, तुम भूल जाओ कि मैं भी यहां हूं। गुड नाइट।'

Reader brother

'गुड नाइट!' प्रिंस सचावेता बोला।

'जैस्पर लम्बे डग भरता हुआ कमरे से बाहर निकल गया।

सचावेता एस्टेट का प्रवेश द्वार ऐसा था जैसा मध्यवर्ती युग के किलों का होता है। केवल फाटक आधुनिक ढंग की लोहे की ग्रिल का बना हुआ था। फाटक कम से कम बीस फुट ऊंची पत्थर की बनी दीवार में फिट था। दीवार के ऊपर कंटीले तार लगे हुये थे।

प्रिंस सचावेता की मर्सिडीज गाड़ी के ड्राइवर ने जोर से

गाड़ी का हार्न बजाया ।

एक वर्दी धारी गार्ड फाटक पर प्रकट हुआ । जंगले में से उसने मर्सिडीज के ड्राइबर को देखा और फिर फाटक खोल दिया ।

मर्सिडीज भीतर प्रविष्ट हो गई ।

उसके पीछे पीटर कुशिंग और साराह पेट्रिक की टू सीटर स्पोर्ट कार प्रविष्ट हुई ।

सबसे पीछे जेम्स बांड ने अपनी शेवर लेट गाड़ी फाटक से आगे बढ़ा दी ।

उनके पीछे फाटक तत्काल बन्द हो गया ।

आगे एक चौड़ी सड़क थी जिसके दोनों ओर घने पेड़ उगे हुये थे ।

लगभग तीन मील लम्बी उस सड़क के बाद एकाएक जंगल खत्म हो गया और आगे उन्हें एक विशाल लान दिखाई दिया जिसके मध्य में एक बहुत बड़ा संगमरमर और लाल पत्थर का बना फव्वारा चल रहा था ।

Reader brother

उस विशाल लान की बैक ग्राउण्ड में स्वप्नों सा सुन्दर सात मंजिला सचावेता पैलेस खड़ा था । सुन्दर संगमरमर की मूर्तियों और शानदार चौबारों से सजा सचावेता पैलेस इतना विशाल था कि उनके सामने खड़े होकर सारे महल को देखने के लिये क्रेन की तरह चारों ओर गरदन घुमानी पड़ती थी ।

अर्धवृताकर ड्राइव वे से होती हुई तीनों गाड़ियां पैलेस के सामने आकर रुक गई । सब लोग गाड़ियों से बाहर निकले । मर्सिडीज का ड्राइवर आदरपूर्ण ढंग से सिर नवाकर एक ओर खड़ा हो गया ।

'माई, माई।' साराह सांस रोक कर बोली'---क्या शान है ?'

सामने संगमरमर की कम से कम तीन सीढ़ियां थी जो एक बहुत बड़ी टैरेस पर खत्म होती थी। टैरेस के बाद वास्तविक महल आरम्भ होता था।

उसी क्षण काली लकड़ी का बना महल का विशाल प्रवेश द्वार खुला और टैरेस पर प्रिंस सचावेता प्रकट हुआ। उसने दोनों हाथ हिला कर आगन्तुकों का स्वागत किया और उन्हें सीढ़ियों के ऊपर आने का संकेत किया।

जेम्स बांड, पीटर कुशिंग और साराह पेट्रिक सीढ़ियां तय करने लगे।

'वैलकम, वैलकम'---उनके सामने आने पर प्रिंस सचावेता बोला---'वैलकम टू माई हम्बल प्लेस।'

उसने तीनों से हाथ मिलाया।

उसने ताली बजाई।

दो वर्दीधारी नौकर प्रकट हुए।

'साहब लोगों की गाड़ियां गैरेज में ले जाओ और उनका सामान उनके कमरों में पहुंचा दो।'

नौकर फौरन सीढ़ियां उतर गये।

'आइये तब तक चाय हो जाये'---प्रिंस सचावेता बोला।

टैरेस पर ही बांई ओर एक कैनोपी के नीचे कुर्सियां लगी हुई थी। वे लोग वहां जा बैठे।

'क्या लाजवाब जगह है'---साराह एक बार फिर पैलेस के विस्तार पर दृष्टि डालती हुई बोली---'क्या लाजवाब जगह है। कम से कम सौ कमरे तो होंगे उसमें।'

Reader brother

'दो सौ पन्द्रह मैडम'—प्रिंस सचावेता सिर नवाकर बोला।

'और आप यहां अकेले रहते हैं ?'

'जी हां लेकिन आप लोगों की वजह से अगले कुछ दिन अकेला नहीं रहूंगा। दरअसल मैडम, मेरी सारी जिन्दगी इसी महल में गुजरी है और मैं यहां के रहन-सहन का, यहां की तनहाई का इतना आदि हो गया हूं कि मैं स्थाई रूप से कहीं और जाकर रहने की कल्पना ही नहीं कर सकता।'

'ओह'—साराह बोली।

बड़े राजसी ढंग से उन्हें वहां चाय सर्व की गई।

चाय के बाद प्रिंस उन्हें महल के भीतर ले आया।

महल के भीतर पहुंच कर उसने फिर बड़ी शान से ताली बजाई।

एक आदमी प्रकट हुआ। वह बाकी फौजियों से भिन्न वर्दी पहने हुए था और हाव भाव से जिम्मेदार अफसर मालूम होता था।

Reader brother

'विशियन आप लोगों को आपके कमरे दिखा देगा। मैंने आपके लिए पहली मंजिल पर साथ-साथ के तीन कमरों का इन्तजाम किया है। इससे आपको बहुत सुविधा होगी। दरअसल यह जगह इतनी बड़ी है और यहां इतने कम लोग रहते हैं कि एक अजनबी का यहां गुम हो जाना बड़ा आसान है।'

सब लोग अपने अपने कमरों में पहुंच गए। वे बहुत ऊंचा छतों वाले बहुत बिशाल कमरे थे और वहां पर सुख सुविधा के सब साधन मौजूद थे।

लगभग एक घन्टे बाद विशियन उन्हें लन्च के लिये बुलाने आ गया।

डाइनिंग रूम एक रेलवे स्टेशन जितना बड़ा आयताकार कमरा था और वहां पर कम से कम दो सौ आदमियों का एक साथ बैठ कर खाना खा सकने का प्रबन्ध था।

उन्हें शाही ठाट बाट के साथ खाना सर्व किया गया।

भोजन के दौरान में प्रिंस हल्की फुल्की बाते करता रहा।

भोजन के बाद मेज से क्राकरी हटा दी गई और उन्हें काफी सर्व कर दी गई।

'अब मैं आपसे एक बड़ी मामूली सी बात करना चाहता हूं।' प्रिंस शांत स्वर से बोला। उसका रुख पीटर कुशिंग और साराह पैट्रिक की ओर था। जेम्स बांड को वह बिलकुल नजर अन्दाज कर रहा था—'बाकी की तीन ब्लू फिल्में आप दोनों में से किसके पास हैं।'

पीटर कुशिंग और साराह पेट्रिक बुरी तरह चौंके। जेम्स बांड भी चौंका लेकिन प्रत्यक्षतः वह स्वयं को शान्त बनाए रहा।

Reader brother

'कौन सी ब्लू फिल्में ?'—पीटर कुशिंग बौखलाये स्वर से बोला।

'मिस्टर कुशिंग।' प्रिंस सचावेता पूर्ववत शांत स्वर से बोला, 'आपने साराह पेट्रिक की चार ब्लू फिल्में बनाई थी, जिसमें से एक आपने मैडम के बाप को यानि कि अमेरिका के राष्ट्रपति के चुनाव के सबसे शक्तिशाली प्रत्याशी जान पेट्रिक को भेज दी थी। जान पेट्रिक की बेटी की गन्दी फिल्मों के दम पर आप उसे ब्लैक मेल कर रहे हैं कि वह चुनाव से अपना नाम वापिस ले ले।'

'क्या—?' साराह के मुंह से निकला।

'जैसे आपको मालूम नहीं'—प्रिंस बोला।

'बाई गाड मुझे मालूम नहीं।'

'यानि कि कैमरे के सामने एक आदमी के साथ आप इतनी देर रति क्रियाओं में मग्न रही कि चार फिल्में बनाई जा सके और आपको खबर भी नहीं हुई ?'

'नहीं, नहीं'—साराह उत्तेजित स्वर से बोली—'मैंने यह नहीं कहा।'

'तो फिर ?'

'मुझे इस बात की खबर नहीं है कि उन फिल्मों में से एक मेरे डैडी को भेजी गई है और उन्हें उस फिल्म के दम पर ब्लैक मेल किया जा रहा है।'

'यह हकीकत है। आप चाहे तो अपने तीसरे साथी जेम्स बांड से पूछ सकती हैं ?'

'जेम्स बांड'—साराह ने हैरानी से लापरवाही से काफी की चुस्कियां लेते हुये जेम्स बांड की ओर देखा—'यानि की हमें भी मालूम है।'

'मैडम, जेम्स बांड ब्रिटिश इन्टेलीजेन्स का एजेन्ट है और यह भी उन फिल्मों को ही हासिल करने के लिये आपके साथ लगा हुआ है।'

'क्या, सच है'—साराह ने जेम्स बांड से पूछा।

जेम्स बांड मुस्कराया और उसने धीरे से सिर नवा दिया।

'मेरे डैडी ने यह फिल्म देखी है ?'

'बिना फिल्म देखे उन्हें कैसे खबर होती कि उन पर कितना भारी दबाव डाला जा रहा है—'जेम्स बांड सरल स्वर में बोला।

Reader brother

'पीटर'—साराह दांत पीसकर बोली—'कमीने ! कुत्ते। तुमने मुझे धोखा दिया।'

और वह बिल्ली की तरह पीटर पर झपटी।

पीटर कुशिंग अपने स्थान से उठ खड़ा हुआ। बांह के एक झटके से उसने साराह को वापिस अपनी कुर्सी पर धकेल दिया।

'खाना शानदार था—'पीटर कुशिंग जमहाई लेता हुआ बोला—'और ब्लू फिल्मों की कहानी भी शानदार थी। थैंक्यू फार ऐवरी थिंग।'

और वह लम्बे डग भरता हुआ द्वार की ओर बढ़ गया। डाइनिंग हाल में कम से कम आधी दर्जन वर्दी धारी नौकर खड़े थे। किसी ने उसे रोकने की कोशिश नहीं की। न ही प्रिंस सचावेता अपने स्थान से हिला। वह बड़े उदासीन भाव से अपना कान खुजलाता हुआ पीटर कुशिंग को द्वार की ओर बढ़ते देखता रहा।

Reader brother

पीटर कुशिंग ने डाइनिंग रूम का विशाल दरवाजा खोला और बाहर टैरेस पर आ गया।

वह संगमरमर की सीढ़ियां उतरने लगा।

उसी क्षण कुत्तों के भौंकने की आवाज सुनाई दी।

थोड़ी देर बाद पीटर कुशिंग टैरेस पर दिखाई दिया।

यह बदहवास सा भागता हुआ डायनिंग रूम में वापिस घुस आया। उसके पीछे दो शेर जैसे स्याह काले आल्सेशियन कुत्ते प्रकट हुए लेकिन उन्होंने डाइनिंग हाल में कदम रखने की कोशिश नहीं की।

'तशरीफ रखिये—'प्रिंस सचावेता मीठे स्वर में बोला।

पीटर कुशिंग घबराया हुआ वापिस अपनी कुर्सी पर आ

बैठा। उसकी व्याकुल दृष्टि अभी भी बार-२ बाहर टैरेस पर खड़े कुत्तों की ओर उठ जाती थी जो जलती हुई आंखों से डाइनिंग रूम में झाँक रहे थे।

'आपने बहुत अच्छा किया जो वापिस लौट आये—'प्रिंस सचावेता सहानुभूति से बोला—'वर्ना वे कुत्ते आपकी बोटी-२ नोंचकर रख देते।'

पीटर कुशिंग चुप रहा। वह कुर्सी पर बैठा हाफ रहा था।

'अब मैं अपना पहला सवाल फिर दोहराता हूं—प्रिंस बोला—'बाकी की तीन फिल्मे कहां हैं, मिस्टर कुशिंग ?'

'भाड़ में जाओ तुम'—पीटर कुशिंग क्रोधित स्वर मे चिल्ला कर बोला—'वे तीन फिल्में तुम्हें हरगिज नहीं मिलेंगी।'

'अच्छा देखते हैं।'

उसने घूमकर द्वार की ओर देखा। कुत्ते आशापूर्ण नेत्रों से भीतर झांक रहे थे। प्रिन्स ने उन्हें पुकारा और भीतर आने का संकेत किया।

कुत्ते दृढ़ कदमों से डाइनिंग हाल में घुस आये।

पीटर की आंखें आतंक से फैल गई।

प्रिन्स के संकेत पर कुत्ते उसकी ओर बढ़ने लगे।

'नहीं नहीं,...'' पीटर कुशिंग आतंकित स्वर से चिल्लाया सारह भी भयभीत नेत्रों से कुत्तों को देख रही थी।

केवल जेम्स बांड शांत था।

'मिस्टर कुशिंग...' प्रिंस सचावेता तनिक कठोर स्वर से बोला।

'अब भी आप की यही राय है कि वे फिल्में मुझे हरगिज नहीं मिलेंगी।'

Reader brother

पीटर कुशिंग कुर्सी के ऊपर चढ़ गया। एक कुत्ता हवा में उछला और उसने अपने दोनों अगले पांव उसकी छाती पर जमा दिये। वह कुर्सी समेत फर्श पर उलट गया।

'बताता हूं…' वह आतंकित स्वर से चिल्लाया।

प्रिन्स ने सीटी बजाई।

कुत्ते पीटर कुशिंग से अलग हट कर खड़े हो गये।

'मैं सुन रहा हूं…प्रिंस बोला।

पीटर कुशिंग कुछ क्षण हांफता रहा और फिर कठिन स्वर से बोला—'फिल्में मेरे बैंक में है।

'कौन सा बैंक?'

'बरकलेज बैंक, पिकडेली ब्रांच, लन्दन।'

'अब आप अपने बैंक के नाम एक अथारिटी लैटर लिखिये कि आपकी वे तीन फिल्में विशिष्ट नाम के पत्रवाहक को सौंप दी जायें।'

Reader brother

पीटर कुशिंग ने जेम्स बांड की ओर देखा और उदास स्वर से बोला…'अगर तुम वाकई ब्रिटिश इन्टैलीजेन्स के एजेन्ट हो तो कुछ करते क्यों नहीं हो?'

'मैं क्या कर सकता हूं?'…जेम्स बांड लापरवाही से कन्धे उचका कर बोला, 'कुछ करने की गुंजायश ही कहा है? चारों इक्के तो प्रिन्स के हाथ में हैं। मैं ऐसे खेल में दांव नहीं लगाता जिससे मेरी हार निश्चित हो। और फिर एक तीसरे दर्जे के ब्लैक मेलर की खातिर मैं अपनी जान जोखिम में क्यों डालूं।'

पीटर कुशिंग का चेहरा क्रोध और बेबसी से विकृत हो उठा

'वैल सैड, मिस्टर बांड'…'प्रिन्स सचावेता प्रशंसात्मक स्वर से बोला।

प्रिन्स के संकेत पर एक आदमी ने पीटर कुशिग के सामने कागज और पैन रख दिया।

अंगारों पर लोटता हुआ पीटर कुशिग अथारिटी लैटर लिखने लगा।

लिख चुकने के बाद उसने कागज प्रिंस की ओर बढ़ा दिया प्रिंस ने कागज लेकर पढ़ा।

'वैरी गुड'...वह संतुष्टिपूर्ण ढंग से सिर हिलाता हुआ बोला —'विशियन अभी लन्दन रवाना हो जायेगा। कल रात तक वह फिल्में लेकर वापिस पहुंच जायेगा। तब तक आप यहीं रहेंगे। उसके बाद आप कहीं भी जाने के लिये आजाद होंगे।'

कोई कुछ नहीं बोला।

'अब एक छोटी सी सावधानी और'...प्रिंस बोला विशियन, साहब लोगों की तलाशी लो। शुरुआत मिस्टर जेम्स बांड से करो। मिस्टर पीटर कुशिग के पास हथियार होने की सम्भावना बहुत कम है क्योंकि अगर इनके पास कोई हथियार होता तो इन्होंने उसे कुत्तों पर जरुर इस्तेमाल किया होता। और मैडम की तलाशी लेने की जरूरत नहीं है। इनकी पोशाक से ही जाहिर हो रहा है कि इनके पास कोई हथियार नहीं हो सकता।'

बात सच थी साराह पैट्रिक इतनी टाइट पोशाक पहने हुए थी कि उसमें एक सिक्का भी छुपा पाने की गुंजाईश न थी।

विशियन आगे बढ़ा। उसने बड़ी दक्षता से पहले जेम्स बांड की और फिर पीटर कुशिग की तलाशी ली।

'दोनों के पास कुछ नहीं है'...अन्त में वह प्रिन्स से बोला।

'वैरी गुड'...प्रिन्स सन्तुष्ट स्वर से बोला...साथियों, जो असुविधा आप लोगों को हुई, उसके लिये मैं क्षमा चाहता हूं और

Reader brother

साथ ही आपको विश्वास दिलाता हूं कि मेरी मेहमान नवाजी में आप किसी प्रकार का अन्तर नहीं पायेंगे। यहां आपके मनोरंजन का भरपूर प्रबन्ध है। महल में बिलियार्ड रूम है। पिछवाड़े में टेनिस कोर्ट है और स्वीमिंग पूल है। कहीं भी जाने की आपको पूरी स्वतंत्रता है लेकिन भगवान के लिये टैरेस की सीढ़िया उतरने की कोशिश मत कीजियेगा। मैं शाम की चाय पर आप लोगों के फिर दर्शन करूंगा।'

प्रिन्स अपने स्थान से उठा और राजसी ठाठ से चलता हुआ वहां से विदा हो गया। कुत्ते वह अपने साथ ले गया।

जेम्स बांड अपने स्थान से उठा और जमहाई लेता हुआ बोला, 'मुझे तो नींद आ रही है।'

पीटर कुशिंग और साराह भी उठ खड़े हुए। पीटर कुशिंग साराह से निगाहें नहीं मिला रहा था।

'पीटर'...साराह दुखी स्वर में बोली, 'जो कमीनी हरकत तुमने की है भगवान उसके लिये तुम्हें कभी माफ नहीं करेगा।'

पीटर कुशिंग ने कुछ कहने के लिये मुंह खोला।

'यहां से चलो'—जेम्स बांड जल्दी से बोला, 'नौकरों के सामने ऐसी बातें करने का कोई फायदा नहीं है।'

पीटर कुशिंग कुछ नहीं बोला।

साराह भी दुबारा नहीं बोली।

तीनों साइड के दरवाजे से डाइनिंग हाल से बाहर निकल गये। वे एक लम्बे गलियारे में आगे बढ़े। गलियारे की दीवारों पर ढालों पर क्रास में लगी तलवार भाले बर्छे और नेजे वगैरह टंगे हुए थे।

तीनों चुपचाप गलियारा पार कर गये और सीढ़ियों के रास्ते

Reader brother

पहली मंजिल पर आ गये ।

सारिह बिना दोनों पुरुषों से कुछ बोले अपने कमरे में घुस गई ।

पीटर कुशिंग ने एक उड़ती सी निगाह जेम्सबांड पर डाली और फिर अपने कमरे की ओर बढ़ गया ।

जेम्स बांड कुछ क्षण उसे आगे बढ़ता देखता रहा और फिर तेजी से उसकी ओर बढ़ा ।

पीटर कुशिंग अपने कमरे में प्रविष्ट हो गया ।

'एक मिनट'—जेम्स बांड बोला और पीटर कुशिंग के द्वार बन्द कर पाने से पहले वह भी कमरे में प्रविष्ट हो गया ।

पीटर कुशिंग ने प्रश्न सूचक नेत्रों से उसकी ओर देखा ।

जेम्स बांड द्वार से पीठ लगाकर खड़ा हो गया । उसने अपनी जेब से सिगरेट का पैकेट निकाला और उस ओर बढ़ता हुआ बोला—'सिगरेट ।'

Reader brother

पीटर कुशिंग ने हिचकिचाते हुये एक सिगरेट ले लिया ।

जेम्स बांड ने भी पेकट से एक सिगरेट निकाला । उससे पहले उसका और फिर अपना सिगरेट सुलगा लिया ।

'क्या इरादा है ?'—वह पैकेट और लाइटर जेब के हवाले करता हुआ बोला ।

'देखते हैं क्या होता है ?'—पीटर कुशिंग बोला ।

'बैंक के मामले में तुमने प्रिंस से झूठ तो नहीं बोला था ?' जेम्स बांड ने पूछा ।

'नहीं । मैं कुत्तों से बहुत डर गया था । अगर उस वक्त मुझ पर बेपनाह दहशत सवार न हो गई होती तो मैं जरूर झूठ बोलता ।'

'और जब प्रिंस का आदमी बरकलेज बैंक लन्दन से वैरंग वापिस लौट आता तो जानते हो तुम्हारी क्या दशा होती ?'

'वह दो दिन में वापिस लौटता। तब तक क्या मैं यही बैठा रहता।'

'तुम समझते हो तुम यहां से निकल सकते हो ?'

'क्यों नहीं ? दो दिन के समय में कोई रास्ता जरूर निकाल लूंगा।'

'लेकिन अब फिल्में तो तुम्हारे हाथ से गई।'

'उससे क्या होता है ? फिल्में तो फिर तैयार हो जायेगी।'

'कैसे ? तुम्हारे ख्याल से अब भी साराह तुम्हें सहयोग देती।'

'मिस्टर ! साराह मेरी मुठ्ठी में है। एक एल० एस० डी० का ईन्जेक्शन उसकी रगों में जाने की देर है और फिर वह वही कुछ करेगी जो मैं उसे करने के लिये कहूंगा—'

'पीटर'—जेम्स बांड गहरी सांस लेकर बोला—'तुम बड़े प्रबल आशावादी हो।'

'क्या मतलब ?'

'तुमने यह कैसे सोच लिया कि फिल्में हासिल हो जाने के बाद प्रिंस हमें यहां से चले जाने देगा।'

'पीटर कुशिंग का मुंह खुला रह गया। वह सिगरेट पीना भूल गया।'

'फिल्में मिलने की देर है और वह हम तीनों का गला काट देगा'—जेम्स बांड बोला।

'लेकिन—लेकिन यह कैसे हो सकता है ?'

'क्यों नहीं हो सकता ? हम लोग उसके सामने पिंजरे में बंद

Reader brother

चूहे की तरह बेबस है। वह जब चाहेगा, हमें मच्छर की तरह मसल देगा।'

लेकिन आखिर कानून भी कोई चीज है ?'

कानून उसका क्या कर लेगा ? किसी को खबर कैसे होगी कि हम तीनों इस दुनिया में नहीं रहे ? शायद तुम इस इलाके के विशाल जंगल को भूल रहे हो। प्रिंस ने बताया था कि बारह सौ एकड़ जमीन में जंगल ही उगा हुआ है। ऐसी जगह में तीन लाशें गुम कर देना क्या कठिन काम है।'

'तुम वाकई ब्रिटिश इन्टेलीजेंस के एजेन्ट हो ?'

'तुम्हें शक है।'

'तुम एकाएक गायब हो जाओगे तो तुम्हारे लोग तुम्हें तलाश नहीं करेंगे ?'

'पड़े करते रहे। पूछे जाने पर प्रिंस बड़ी शराफत से कह देगा जेम्स बांड नाम के एक साहब उनसे मिलने आये तो थे लेकिन जल्दी ही चले गये थे। कहां चले गये थे ? उसे मालूम नहीं।

'और मेरी कार—और तुम्हारी कार भी—बैंकाक की किसी सड़क पर पाई जायेगी, छुट्टी।'

'ओह गाड !—पीटर कुशिंग बोला। उसके चेहरे का रंग उड़ गया था। कुछ क्षण वह अपने सूखे होंठों पर जुबान फेरता रहा और फिर बोला—'नहीं, ऐसा नहीं हो सकता। यूं तीन आदमियों की हत्या कर देना कोई आसान काम नहीं है। तुम खामखाह मुझे डराने की कोशिश कर रहे हो।'

'पीटर जरा अक्ल से काम लो। एक मिनट अपने आप को प्रिंस के स्थान पर रख कर देखो। अगर तुम उसकी जगह होते

Reader brother

होते तो ऐसी स्थिति में तुम क्या करते ? क्या तुम्हें यह युक्ति संगत लगता है कि साराह की ब्लू फिल्म हासिल करने के लिये प्रिंस इतना बखेड़ा करे और फिर साराह को आजाद छोड़ दे ताकि वह नई ब्लू फिल्म तैयार कराले।

'ओह माई गाड ! ओह माई गुड गाड।'

'जेम्स बांड कुछ क्षण सिगरेट के कश लगाता हुआ उसके बदहवास चेहरे को देखता रहा और फिर बोला–'एक बात बताओगे, पीटर ?'

'क्या पूछना चाहते हो।'–पीटर कुशिग डूबते स्वर से बोला

'जो लोग जान पैट्रिक को राष्ट्रपति नहीं बनने देना चाहते उनसे तुम्हारा क्या वास्ता है।

पीटर कुशिग कुछ क्षण हिचकिचाया और फिर बोला—'मैं भी उन्ही लोगों में से एक हूं !'

'और वे लोग कौन है। राष्ट्रपति पद के किसी दूसरे प्रत्याशी के साथी !'

Reader brother

'नहीं। हम केवल देश के हित चिन्तक है। हम केवल अमरीकी जनता के हितचिन्तक हैं। जान पैट्रिक यूनाइटिड स्टेट्स आफ अमेरिका के उच्चतम पद के योग्य व्यक्ति नहीं है। जान पैट्रिक एक कमजोर निकम्मा और मूर्ख आदमी है। कुछ पैसे वाले लोगों का स्वार्थ इस बात में है कि जान पैट्रिक राष्ट्रपति बने। दरअसल इलैक्शन जान पैट्रिक नहीं लड़ रहा है इलैक्शन जान पैट्रिक की पीठ पर मौजूद अमेरिकन के करोड़पति हरमन जे० बोल्टन जैसे समर्थ लोग लड़ रहे हैं जिन्होंने जान पैट्रिक को राष्ट्रपति बना कर उससे अपने कई स्वार्थ सिद्ध करने हैं। अगर जान पैट्रिक राष्ट्रपति बन गया तो वह अमेरिका के धन्ना सेठों

के हाथों की कठपुतली बन कर रह जायेगा। जान पैट्रिक एक बिका हुआ इंसान है जो हरगिज भी व्हाइट हाउस में कदम रखने के योग्य नहीं।'

'तुम लोग अपनी इस बात को जनता तक क्यों नहीं पहुंचाते हो ?'

'वक्त बहुत कम है। अमेरिका की जनता के कानों में अपनी बात पहुंचाने के लिये हमारे पास वक्त बहुत कम है और वैसे भी अपनी बात जनता के कानों तक पहुंचाने के लिय हमने जान पैट्रिक से टक्कर नहीं लेनी है, हरमन जे० बोल्टन जैसे आदमियों से टक्कर लेनी है जो हमसे बहुत अधिक समर्थ है। हमें खेद है कि जान पैट्रिक की हकीकत हमारे सामने बड़ी देर से खुली, अब हमारे पास इतना समय या साधन नहीं है कि हम हरमन जे० बोल्टन जैसे आदमियों के खिलाफ मोर्चा खड़ा कर सकें। हरमन जे० बोल्टन के नक्कार खाने के सामने हमारी तूती की आवाज कौन सुनेगा। इसलिये हमने मुसीबत की जड़ पर वार करने की ही सूरत निकाली थी। साराह पैट्रिक के माध्यम से हमने जान पैट्रिक को चुनाव से अपना नाम वापिस लेने पर मजबूर करने के लिये बड़ी कार आमद तरकीब निकाली थी लेकिन...'

पीटर कुशिंग ने अपना वाक्य पूरा नहीं किया। उसने बड़ी बेबसी से कन्धे झटकाये।

जेम्स वाड ने सिगरेट का आखरी कश लगाया और सिगरेट का बाकी टुकड़ा फर्श पर फेंक कर उसे जूते से मसल दिया।

'प्रिंस कहता था कि तुम भी उन फिल्मों को हथियाने की ताक में थे—?' पैट्रिक कुशिंग बोला।

'प्रिंस ठीक कहता था।'

लेकिन तुम तो ब्रिटिश इन्टैलीजेन्स से सम्बन्धित हो। अमे-

Reader brother

रिका के सम्भावित राष्ट्रपति से तुम्हारा क्या सम्बन्ध ?'

'सम्बन्ध तुम्हारी समझ में नहीं आयेगा—'जेम्स बांड दरवाजा खोलता हुआ बोला—'गुड डे पीटर। आराम करो। दोपहर के खाने के बाद आराम करना तन्दरुस्ती के लिये बहुत अच्छा होता है वैसे भी शायद ख्वाब में तुम्हें यहां से भाग निकलने की कोई तरकीब सूझ जाये।'

पीटर कुगिंग आधे सैन्टीमीटर से भी कम का सिगरेट का टुकड़ा हाथ में थामे चुपचाप खड़ा रहा।

जेम्स बांड दरवाजा खोलकर बाहर निकल आया।

उसने साराह का द्वार धीरे से खटखटाया।

भीतर से कोई उत्तर नहीं मिला।

जेम्स बांड अपने कमरे की ओर बढ़ गया।

अपने कमरे में पहुंच कर उसने दरवाजा भीतर से बन्द कर लिया।

Reader brother

उसकी निगाह पलंग के समीप मेज पर पड़े अपने सूटकेस पर पडी।

सूटकेस में से एक टाई का थोड़ा सा भाग बाहर झलक रहा था।

जेम्स बांड फौरन समझ गया कि उसकी अनुपस्थिति में उसके सूटकेस की तलाशी ली गई थी।

उसने अपना सूटकेस खोला। सूटकेस का सामान उसने पलंग पर उलट दिया और फिर सूटकेस के तले का निरीक्षण किया।

उसके मुंह से शांति की एक गहरी सांस निकल गई। तलाशी लेने वाले को सूटकेस के दोहरे तले की खबर नहीं हुई थी।

जेम्स बांड ने सूटकेस में हाथ डालकर एक कैंच दबाया।

सूसकेट का ऊपरी तला थोड़ा सा एक ओर हट गया। भीतर जेम्स बांड की प्रिय रिवाल्वर और एक छोटी सी बिजली से चार्ज होने वाली जापानी टार्च रखी थी। जेम्स बांड ने दोनों चीजों को फिर यथा स्थान सरका दिया। उसने सूटकेस में अपना सामान फिर भरा और कोट और जूते उतार कर और टाई ढीली करके पलग पर लेट गया।

कुछ ही क्षण बाद वह पूरी निश्चिन्तता से नींद का आनन्द ले रहा था।

Reader brother

शाम की चाय का बुलावा आया तो वे लोग फिर डाइनिंग हाल में पहुंचे। प्रिन्स ने उनके साथ यूं मुहब्बत से चाय पी जैसे कुछ हुआ ही न हो। लेकिन पीटर कुशिंग और साराह पेट्रिक जो हो चुका था, उसको भूल जाने का बहाना करने के मूड में नहीं थे। उन दोनों के चेहरे पर फटकार बरस रही थी। केवल जेम्स बांड ही बड़े सहज और स्वाभाविक ढग से प्रिन्स से बातें करता रहा। जेम्स बान्ड ने नोट किया कि प्रिन्स उसके व्यवहार से कुछ चिन्तित दिखाई देने लगा था। शायद उसे यह पसन्द नहीं आ रहा था कि जेम्स बांड वर्तमान स्थिति में भयभीत न हो।

चाय के बाद पीटर कुशिग और साराह पेट्रिक अपने कमरों में चले गये लेकिन जेम्स बांड ने प्रिन्स को बिलियर्ड के लिये आमन्त्रित किया।

प्रिंस ने उसका आमन्त्रण फौरन स्वीकार कर लिया।

दोनों बिलियर्ड खेलते रहे। जीत जेम्स बांड की हुई। लेकिन उसे स्वीकार करना पड़ा कि प्रिंस बहुत शानदार खिलाड़ी था। उसके स्ट्रोक बहुत शानदार और नपे तुले थे।

एक घन्टे बाद जेम्स बांड प्रिंस से हाथ मिलाकर अलग हो गया।

रात को नौ बजे डिनर पर वे फिर इकट्ठे हुये। उस बार सबने चुपचाप खाना खाया और डायनिंग हाल से विदा हो गये।

जेम्स बांड सीधा अपने कमरे में आ गया।

अपने कमरे में आकर उसने अपने सारे कपड़े उतारे और बिस्तर में प्रविष्ट हो गया। नग्नावस्था में सोना उसकी पुरानी आदत थी।

दिन में काफी सो चुकने के बावजूद भी उसे जल्दी ही नींद आ गई।

Reader brother

फिर एकाएक कमरे का द्वार भड़भड़ाये जाने की आवाज सुनकर उसकी नींद खुल गई।

जेम्स बांड तत्काल बिस्तर से निकल आया। उसने कमरे की बत्ती जलाई। अपनी कमर के गिर्द एक तौलिया लपेटा और फिर आगे बढ़कर द्वार खोल दिया।

साराह आंतक की प्रतिमूर्ति बनी कमरे में घुस गई।

'मिस्टर बांड—'वह बदहवास स्वर से बोली–'मिस्टर बांड, वह भागने की कोशिश कर रहा है।'

'कौन!'

'पीटर।'

'कहां है वह ?'

'जब मैंने उसे देखा था तो वह अपने कमरे की बालकनी में से लटक कर नीचे टैरेस पर पहुंचने की कोशिश कर रहा था।'

'जेम्स बांड लपक कर अपने कमरे की बालकनी पर पहुंचा।

पीटर कुशिंग की बालकनी की बगल से एक बेल गुजर रही थी। जेम्स बांड ने देखा पीटर कुशिंग उस बेल से लिपटा हुआ था। उसके देखते देखते ही वह नीचे टैरेस पर कूद गया। जेम्स बांड ने देखा, उसके हाथ में एक बड़ी सी तलवार थी जो शायद उसने गलियारे की दीवार से उतार ली थी।

साराह भी उसकी बगल में आ खड़ी हुई।

पीटर पलक झपकते ही टैरेस पार कर गया और संगमरमर की सीढ़ियां उतरने लगा।

जेम्स बांड सांस रोके उसे भागता देखता रहा।

शीघ्र ही वह नीचे लान में पहुंच गया और फिर सीधा घने पेड़ों की ओर भागा।

Readerbrother

उसी क्षण महल की किसी ऊपरी मन्जिल की खिड़की में एक सर्च लाइट जल उठी और उसका तीव्र प्रकाश लान में पड़ा, एक क्षण बाद लान में भागता हुआ पीटर कुशिंग सर्च लाइट के प्रकाश के दायरे में आ गया।

उसी क्षण बिजली की रफ्तार से भागते हुये दोनों अल्सेशियन कुत्ते वहां पहुंच गये।

अपने पीछे कुत्तों की आवाज सुनकर पीटर कुशिंग ने भागना बन्द कर दिया और तेजी से वापिस घूमा।

एक कुत्ते ने उस पर छलांग लगा दी।

पीटर कुशिंग का तलवार वाला हाथ हवा में घूमा। तलवार

पूरी शक्ति से जाकर कुत्ते की खोपड़ी से टकराई और कुत्ता पीछे की ओर उलट गया उसकी खोपड़ी आधी कट गई थी। एक बार बस गुर्राया और फिर शांत हो गया।

पीटर कुशिंग फिर पेड़ों की ओर भागा।

उसी क्षण दूसरा कुत्ता उस पर झपटा।

पीटर कुशिंग एकदम दाईं ओर हट गया। वह कुत्ते के वार से बाल बाल बचा। जमीन से टकरा कर कुत्ता फिर उस पर झपटा लेकिन तब तक पीटर कुशिंग सम्भल चुका था। उसने फिर अपना तलवार वाला हाथ घुमाया।

तलवार के भरपूर वार से कुत्ते की आधी कमर कट गई। वह घास पर उलट गया और पीड़ा से तड़पने लगा।

पीटर कुशिंग थोड़ा सा बायें हटा और फव्वारे के समीप से होता हुआ फिर जंगल की ओर भागा। एक क्षण के लिये वह सर्च लाइट के प्रकाश के दायरे से बाहर निकल गया लेकिन शीघ्र ही प्रकाश उस पर फिर पड़ने लगा।

वह अभी पेड़ों से पांच छः गज दूर ही था कि वातावरण गोली चलने की आवाज से गूंज उठा।

पीटर कुशिंग एक बार हवा में उछला और फिर घास पर लोट गया। उसका भेजा उड़ गया था।

तीसरी मन्जिल की एक बालकनी में खड़े जैस्पर ने रायफल नीचे झुका ली और सन्तुष्टि पूर्ण ढंग से सिर हिलाया। इतना शानदार निशाना उसने अपने जीवन में पहले कभी नहीं लगाया था।

'मर गया—'जेम्स बांड के पीछे खड़ी साराह के मुंह से निकला।

Reader brother

जेम्स बांड ने उसकी बाह पकड़ी और उसे वापिस कमरे के भीतर ले आया। उसने देखा वह एक टाइट पतलून और बुशंट पहने हुये थी।

'दीवार की ओर मुंह फेर कर खड़ी हो जाओ'—जेम्स बांड बोला।

'क्यों ?' साराह ने पूछा।

जेम्स बांड ने अपनी कमर से लिपटे तौलिये की ओर हाथ बाढ़ाय।

साराह ने फौरन मुंह फेर लिया।

जेम्स बांड ने बड़ी फुर्ती से कपड़े बदले। उसने सूटकेस के नकली तले में से रिवाल्वर और टार्च निकाल कर अपनी कोट की जेब में डाली और फिर साराह की बांह पकड़ कर सावधानी से कमरे के बाहर निकल आया।

गलियारा खाली पड़ा था।

जेम्स बांड उसके साथ दबे दांव सीढ़ियों की ओर बढ़ा।

'हम कहां जा रहे हैं ?' साराह ने पूछा।

'चुप'—जेम्स बांड बोला।

साराह फौरन चुप हो गई।

जेम्स बांड साराह को साथ लिये सीढ़ियां चढ़ कर दूसरी मंजिल पर पहुंच गया।

दूसरी मंजिल पर पहुचकर वह तनिक ठिठका।

ऊपर की मन्जिल के गलियारे में किसी के सीढ़ियों के पास चलने की आवाज आ रही थी।

जेम्स बांड ने अपने चारों ओर दृष्टि दौड़ाई।

Reader brother

सीढ़ियों के सामने के कमरे में घुस गये।

वे दोनों जल्दी से उस कमरे में घुस गये।

कुछ क्षण बाद किसी के सीढ़ियां उतरने की आवाज आई।

जेम्स बांड ने दरवाजे की झिरी में से बाहर झांका।

एक हिप्पी सा लगने वाला दुबला पतला आदमी हाथ में राईफल लिये सीढ़ियां उतर रहा था।

उसके दृष्टि से ओझल होने के थोड़ी देर बाद वे कमरे से बाहर निकल आये और सीढ़ियों के समीप पहुंचे।

तभी नीचे से किसी के उच्च स्वर में बोलने की आवाज आई—'वे दोनों अपने कमरे में नहीं हैं।'

वे तेजी से सीढ़ियां चढ़ने लगे।

पांचवी मन्जिल पर आकर रुक गये।

उस मन्जिल पर प्रकाश नहीं था। गलियारे में एकदम अंधेरा था।

जेम्स बांड ने अपनी टार्च निकाल ली।

टार्च के प्रकाश में उसने देखा उस मन्जिल पर हर स्थान पर धूल की तें जमी हुई थीं। लगता था उस विशाल महल की वह मंजिल इस्तेमाल में नहीं आती थी।

जेम्स बांड ने सीढ़ियों से हटकर एक कमरा तलाश किया। जिस पर ताला नहीं लगा हुआ था।

वे दोनों कमरे में प्रविष्ट हो गये जेम्स बांड ने दरवाजा भीतर से बन्द कर लिया।

जेम्स बांड ने टार्च की रोशनी कमरे में चारों ओर दौड़ाई और फिर बोला---'ठीक है।'

Reader brother

'क्या ठीक है—?' साराह बोली।

जेम्स बांड ने उत्तर नहीं दिया।

'तुम भागो क्यों ?'

'क्योंकि पीटर ने निकल भागने की कोशिश करके काम खराब कर दिया था। अब वे हमें भी गिरफ्तार करके रखते।'

'तो क्या हो जाता ? कल रात की ही तो बात थी। उसके बाद तो प्रिंस ने हमें स्वतन्त्र कर ही देना था।'

'यह तुम्हें किसने कहा है ?'

'क्या मतलब ? प्रिंस ने यही तो कहा था।'

'और तुमने मान लिया था।'

'मैं यह कहना चाहता हूं मैडम कि प्रिंस का आप को आजाद करने का कतई इरादा नहीं है। फिल्में हासिल हो जाने के बाद वह हम दोनों की गरदनें यूं'—जेम्स बांड ने चुटकी बजाई'—'काट देगा और हमारी लाशों को बारह सौ एकड़ के जंगल में सड़ने के लिये फेंक देगा।'

Reader brother

'लेकिन क्यों ? हमने उसका क्या बिगाड़ा है ?'

'मैंने तो कुछ नहीं बिगाड़ा। मैं तो सिर्फ गेहूं के साथ घुन की तरह पिस रहा हूं लेकिन तुमने एक ऐसी ब्लू फिल्म के निर्माण में मदद दी है जो तुम्हारे बाप को अमेरिका का अगला राष्ट्रपति बनने से रोक सकती है।'

'लेकिन''लेकिन मेरी इसमें कोई गलती नहीं है'—साराह रुआंसे स्वर से बोली—'वे ब्लू फिल्में इसलिये तैयार नहीं की गई थी कि वे मेरे डैडी को ब्लेक मेल करने के लिये इस्तेमाल की जायें पीटर ने मुझे धोखा दिया था, मैं भगवान की कसम खा कर

कहती हूं आज से पहले मुझे खबर नहीं थी कि वे फिल्में क्या गुल खिला रही है।'

'तो फिर तुमने फिल्म में काम क्यों किया।'

'धन की खातिर। पीटर ब्लू फिल्में बनाने का धन्धा करता था। वह कहता था कि ब्लू फिल्में पूर्वी और मध्यवर्ती देशों में बहुत मंहगे दामों में बिकती है। वह कहता था कि ब्लू फिल्म का प्रिन्ट कम से कम सौ पौन्ड में बिकता है। पता नहीं कैसे मेरी अकल इतनी खराब हो गई कि उसने ब्लू फिल्म में काम करने के लिये कहा और मैं तैयार हो गई।'

'तुम्हारी अक्ल खराब नहीं हुई थी, खराब की गई थी। पीटर ने तुम्हें एल० एस० डी० का इन्जेक्शन दिया था।

'हे भगवान।'

'तुमने वे फिल्में देखी थीं।'

'नहीं।'

'मैंने एक देखी थी अगर तुम उन्हें देखती तो तुम्हारी आत्मा त्राहि-त्राहि कर उठती। तुम्हें विश्वास नहीं होता कि फिल्म में चित्रित तमाम घिनौनी हरकतें तुमने की हैं। और अब तुम यह सोचो कि वह फिल्म तुम्हारे डैडी ने देखी है।'

'हे भगवान! अब मैं अपने डैडी को कैसे मुंह दिखाऊंगी।

शायद ऐसी कोई समस्या खड़ी ही न हो। शायद उससे पहले ही तुम दूसरी दुनिया में पहुंच जाओ। सारा ह एक ढंग से देखा जाये तो तुम्हारी मौत का सामान तुम्हारे डैडी ही कर रहें हैं।'

'कैसे?'

'जो आदमी तुम्हारे डैडी को व्हाइट हाउस में देखना चाहते

Reader brother

हैं प्रिंस सचावेता उन्हीं का सहयोगी मालूम होता है। प्रिंस फिल्में हासिल करने के बाद भी तुम्हारी हत्या इसलिये करना चाहता है ताकि आजाद हो जाने के बाद तुम दुबारा ऐसी फिल्म न बना सको।'

'लेकिन मैं ऐसा क्यों करूंगी भला ? मैंने कहा कि फिल्मों के मामले में पीटर ने मुझे धोखा दिया है। मैं प्रिंस के पास जाती हूं और उसे सारी स्थिति बता देती हूं। अगर वह डैडी का सहयोगी है तो वह मेरी बात जरूर मान जायेगा।'

और अगर वह न माना। अगर उसे तुम्हारी बात पर विश्वास न हुआ। अगर उसने यह समझा कि तुम अपनी जान बचाने के लिये एक कहानी घड़ कर सुना रही हो और पीटर क्योंकि मर चुकने के बाद तुम्हारी बात का विरोध नहीं कर सकता इसलिए तुम सारा इलजाम उसके सिर थोप कर खुद दूध की धुली बनना चाहती हो।

'हे भगवान'—साराह असहाय भाव से बोला—'अब मैं क्या करूं।'

'मरने से डरती हो'—जेम्स बांड ने पूछा।

'कौन नहीं डरता। तुम नहीं डरते।'

जेम्स बांड ने उत्तर नहीं दिया।

उसने एक सिग्रेट सुलगा लिया।

उसी क्षण उसके कानों में लाउडस्पीकर पर गूंजती हुई प्रिंस सचावेता की आवाज पड़ी—'जेम्स बांड। साराह पैट्रिक। भगवान के लिये यहां से भागने की कोशिश मत करना। एस्टेट की दीवारों में बिजली का करेन्ट दौड़ रहा है। तुम दोनों खामखाह

Reader brother

मारे जाओगे। तुम्हारी भलाई इसी में है कि तुम वापिस लौट जाओ। पीटर मरा नहीं है, वह बुरी तरह घायल है। उसे तुम लोगों की जरूरत है।'

दोनों बाल्कनी में आ गये।

जेम्स बांड ने सावधानी से नीचे झांककर देखा।

नीचे टैरेस पर हाथ में माइक लिये प्रिंस सचावेता खड़ा था। उसकी बगल में वह हिप्पी खड़ा था जिसे जेम्स बांड ने हाथ में राइफल लिये सीढ़ियां उतरते देखा था।

प्रिंस सचावेता ने अपनी चेतावनी फिर दोहराई।

जेम्स बांड साराह की बांह थामे वापिस कमरे में आ गया।

'वे लोग समझ रहे हैं'—जेम्स बांड बोला—कि हम भी पीटर के साथ भागे थे। उनके ख्याल से पीटर क्योंकि सामने की ओर भागा था, इसलिए मारा गया था और हम शायद साइड से होकर पिछवाड़े के जंगल में भाग गये हैं।'

Reader brother

'प्रिंस कह रहा था कि पीटर मरा नहीं है'—साराह बोली।

'वह झूठ बोलता है। मैंने खुद उसका भेजा उड़ता देखा था।'

'क्या वे वाकई हमें कत्ल कर देंगे'—साराह रुआंसे स्वर से बोली।

'तुम्हें पीटर की मौत के बाद भी शक है। लेकिन मैडम हमारा कत्ल करने के लिये उनको पहले हमें तलाश करना जरूरी है और दो सौ पन्द्रह कमरों के इस महल में और बारह सौ एकड़ के जंगल में किसी आदमी को तलाश कर लेना तुम आसान काम समझती हो। अभी हमारी मौत बहुत दूर है। तब तक तो मैं कोई

तिगड़म भिड़ा लूंगा।'

'तुम क्या करोगे।'

'फिलहाल जो सबसे पहली तरकीब मेरे दिमाग में आ रही है वह यह है कि मैं महल में मौजूद किसी टेलीफोन तक पहुंचने की कोशिश करूं। टेलीफोन से मैं अपने दूतावास से सम्पर्क स्थापित करूंगा। एक बार हमारे दूतावास को मेरी स्थिति की जानकारी होने की देर है कि प्रिंस सचावेता की ऐसी तैसी हो जायेगी। थाई सरकार के दखल के बाद उसको हमें हाथ लगाने की हिम्मत नहीं होगी।'

'लेकिन अगर तुम्हारी पहुंच टेलीफोन तक नहीं हुई।'

'तो फिर कोई दूसरी तरकीब सोचेंगे। फिलहाल तो जब तक नीचे का हंगामा खतम नहीं होता हमें यहीं छुपे रहना है।'

'अगर वे लोग हमें तलाश करते हुये यहीं आ गये।'

'मुझे उम्मीद नहीं। पहले तो उन्हें यह ही नहीं मालूम कि हम महल में हैं। उनके ख्याल से हम जंगल में हैं और फिर इस मंजिल पर बिजली नहीं है। तीन मंजिलों में सौ से कम कमरे तो क्या होंगे। निपट अन्धकार में सिनेमा हाल जैसे बड़े-बड़े कमरों से में किसी को तलाश कर लेना तुम आसान काम समझती हो। मेरा दावा है अगर वह महल की तलाशी लेगें तो दिन में ही लेगें।'

उसी क्षण बाहर से एक हल्की सी आवाज आई।

जेम्स बांड के कान खड़े हो गये। उसने साराह को चुपचाप वहीं खड़े रहने का संकेत किया। उसने रिवाल्वर निकाल कर हाथ में ले ली और दबे पांव द्वार की ओर बढ़ा। 'बड़ी

Reader brother

सावधानी से द्वार में एक पतली सी झिरी बनाकर उसने बाहर झांका ।

दूर सीढ़ियों के सिरे पर उसे दो आदमियों का साया दिखाई दिया । अन्धकार में उनकी सूरतें दिखाई नहीं दे रही थी । उन में से एक के हाथ में रायफल दिखाई दे रही थी ।

'मौज करो प्यारे'—उनमें से एक बोला ।

'मौज तो तुम करोगे'—दूसरा जले भुने स्वर से बोला—'मुझे तो सारी रात यहां सीढ़ियों पर बैठेबैठे गुजारनी है ।'

'होशियार रहना ।'

फिर एक आदमी सीढ़ियां उतर गया ।

राइफल वाला वहीं खड़ा रहा । फिर वह सीढ़ियों में ही रेलिंग के साथ पीठ लगा कर बैठ गया । राइफल उसने अपनी गोद में रख ली ।

जेम्स बांड चिन्तित हो उठा वह सशस्त्र पहरेदार उस मंजिल पर क्या कर रहा था ? क्या प्रिंस को मालूम हो गया था कि वे लोग जंगल में नहीं भागे थे बल्कि महल में ही मौजूद थे ।

जेम्स बांड ने द्वार के पास एक स्टूल सरका लिया और उस पर बैठ गया । बड़े धैर्य के साथ वह हाथ में रिवाल्वर थामें और झिरी में आंख लगाये पहरेदार को पहरेदारी करते लगा ।

Readerbrother

'मैं संतुष्ट नहीं हूं'—जैस्पर बोला।

प्रिंस सचावेता ने अच्छापूर्ण ढंग से जैस्पर की ओर देखा वह बेहूदा हिप्पी हरमन जे० बोल्टन द्वारा वहां भेजा गया था इसलिये प्रिंस उसे बर्दाश्त कर रहा था। वर्ना वह उसका उस कमरे में बैठना पसन्द न करता।

'क्यों'—प्रिंस ने धैर्यपूर्ण स्वर से पूछा।

'तुम इस बात को गारन्टी के तोर पर ले रहे हो कि क्योंकि पीटर कुशिंग ने भागने का उपक्रम किया था इसलिए जेम्स बांड और साराह भी भागे होंगे।'

'जाहिर है। वे तीनों साथ थे। इनका इकट्ठा भागना ही युक्ति संगत लगता है। फर्क केवल इतना है कि पीटर कुशिंग ने लान पार करके सामने की ओर भागने की मूर्खता की क्योंकि उस ओर एस्टेट का प्रवेश द्वार देखा था और हम लोगों की निगाहों में जल्दी आ गया इसलिये मारा गया। लेकिन जेम्स बांड और साराह बगल से होकर पिछवाड़े के जंगल में भाग गये हैं।'

'और अगर वे अभी महल में ही हुये?'

'तो भी क्या फर्क पड़ता है? आखिर वह कब तक भूखे प्यासे महल की ऊपरी मंजिल में छुपे रह सकते हैं। भोजन की तलाश में उन्हें नीचे आना पड़ेगा और फिर वे घेर लिये

Reader brother

जायेंगे ।'

'तुम्हें पूरा विश्वास है कि कोई भी यहां से भाग नहीं सकता ?'

'कोई नहीं भाग सकता'—प्रिंस दृढ़ स्वर से बोला ।' एस्टेट की चार दीवारी के ऊपर लगी तारों में ४४० वोल्ट का करेन्ट दौड़ रहा हैं । जो कोई दीवार पर चढ़ने की कोशिश करेगा उसका काम हो जायेगा । और फिर मुझे विश्वास नहीं कि वह लड़की बीस फुट ऊंची दीवार चढ़ सकती है ।

'तुमने उन तीनों के सामान की अच्छी तरह तलाशी करवाई थी ।

'बहुत अच्छी तरह से । किसी के पास किसी प्रकार का कोई हथियार नहीं था ।'

Reader brother

जैस्पर चुप हो गया । लेकिन उसके मन से चिन्ता नहीं गई । वह कितनी ही देर बेचैनी से पहलू बदलता रहा ।

'तुम महल की तलाशी क्यों नहीं करवाते'—थोड़ी देर बाद वह फिर बोला ।

'कई वजह है । जैसे मुझे पूरा विश्वास है कि वे दोनों महल में नहीं है और इसकी तलाशी बेकार है जैसे महल बहुत बड़ा है और उसकी ऊपरली तीन मन्जिलें क्योंकि कई सालों से इस्तेमाल नहीं हो रही है इसलिये उनमें बिजली की फिटिंग नहीं है । जैसे मेरे पास सिर्फ पच्चीस आदमी है और उनको मैं सारी रात महलकी तलाशी लेते रहने में थकाना नहीं चाहता । महल की तलाशी से कुछ हासिल तो होना नहीं उल्टे नुकसान यह होगा कि कल वे लोग भगोड़ों की तलाश में बारह सौ

एकड़ का जंगल छानने के काबिल नहीं रहेंगे। वैसे अब तलाशी लेने में और सुबह तलाशी लेने में कोई फर्क पडने वाला नहीं है। अगर वे महल में है भी तो उनके रात भर किसी अन्धेरे कमरे में बैठे रहने से कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। वैसे मुझे उम्मीद नहीं कि जेम्स बांड इतना मूर्ख हो कि छुपने के लिये बारह सौ एकड़ के घने जंगल को छोड़ कर वह इस महल में छुपा बैठा रहे।'

'जगल की ऐसी की तैसी'—जैस्पर तनिक झल्ला कर बोला—'मैं चाहता हूं कि पहले महल की चप्पे चप्पे की तलाशी करवाई जाये।'

'तुम मुझे आदेश दे रहे हो' प्रिंस गर्ज कर बोला।

'मैं तुम्हें आदेश नहीं दे रहा हूं' एक नेक राय दे रहा हूं। और मेरे पर रोब गांठने की कोशिश न करो। मैं तुम्हारी हकीकत जानता हूं। यह एस्टेट तुम्हारे बाप की नहीं है। तुम भी मेरी तरह हरमन जे० कोल्टन के नौकर हो। इसलिये अपना शाही रोब उस पर गांठने की कोशिश करना जो तुम्हारी हकीकत जानता न हो।'

प्रिंस सबावेता एकदम ठण्डा पड़ गया।

'मैं फिर कहता हूं कि तलाशी के लिये जंगल में आदमी भेजने से पहले महल में उनकी तलाश करवाओ। अगर यह तलाश अन्धेरे की वजह से रात को सम्भव नहीं तो सुबह होते ही करवाओ। महल की तलाशी करवाने से अगर तुम्हें कोई फायदा नहीं होगा तो नुकसान भी नहीं होगा।

'आल राइट'—प्रिंस दबे स्वर में बोला—'मैं सुबह पहले महल की तलाशी करवाऊंगा।'

'गुड'—जैस्पर सन्तुष्ट स्वर में बोला—'और रात भर के

Reader brother

लिये हर मंजिल की सीढ़ियों पर एक सशस्त्र पहरेदार तैनात कर दो पहरेदारों को कह दो कि अगर उसे उन मंजिलों में कहीं वे दोनों दिखाई दें तो वे उन्हें फौरन शूट कर दें और अगर किसी मन्जिल पर उन्हें कोई खटपट सुनाई दे या किसी के यहां होने का सन्देह हो तो वह फौरन बाकी आदमियों को सूचित करे। रात के अन्धेरे में अगर पूरे महल की तलाशी नहीं हो सकती तो कम से कम एक मंजिल की तलाशी तो हो सकती है।

'ठीक है'—प्रिंस उठता हुआ बोला—'मैं इन्तजाम करता हूं।' एक बात और सुनते जाओ।

प्रिंस ठिठक गया।

'जो कुछ तुम कर चुके हो या करने वाले हो उसे मुझ पर अहसान जताते हुये मत करो। मेरा काम उन दोनों की हत्या करना है, उन्हें तलाश करना नहीं है। अगर तुम उन्हें तलाश नहीं कर पाये यह तुम्हारी असफलता होगी, मेरी नहीं। इसलिये मुझे परवाह नहीं है कि तुम मेरी राय को मानते हो या नहीं। मैंने जो कहा है तुम्हारी भलाई के लिये कहा है। अगर तुम्हें मेरी राय पसन्द नहीं है तो भाड़ में जाओ तुम और भाड़ में जाओ तुम्हारा इन्तजाम जब तुम्हें खबर हो जाये कि वे दोनों कहां हैं तो मुझे बता देना। मैं उनका काम तमाम कर दूंगा। तब तक के लिये गुड बाई।'

जैस्पर उठा और लम्बे डग भरता हुआ कमरे से बाहर निकल गया।

प्रिंस दचायेता ठगा सा उस गन्दे हिप्पी को जाता देखता रहा।

Reader brother

जेम्सबांड दरवाजे की झिरी में आंख लगाये सावधानी से बाहर झांकता रहा। विकट स्थिति में धीरज न खोना उसकी आदत बन चुकी थी। कितनी ही देर वह सतर्कता की प्रतिमूर्ति बना उसी स्थिति में बैठा रहा।

फिर उसने पहरेदार को सीढ़ियों पर पसरते देखा। लगभग पन्द्रह मिनट बाद पहरेदार के खर्राटें लेने की आवाज जेम्सबांड को वहां तक सुनाई देने लगी।

जेम्सबांड समझ गया कि वह पहरेदार केवल सीढ़ियों की निगरानी के लिये वहां तैनात किया गया था अभी कमरों की तलाशी नहीं ली जा सकी थी।

Reader brother

उसने धीरे से द्वार बन्द कर दिया और वापस कमरे में आ गया।

साराह भीगी बिल्ली बनी पलंग पर बैठी थी।

'रिलैक्स'—जेम्सबांड धीमे स्वर में बोला—'फिलहाल कोई खतरा नहीं है।

'वह पहरेदार?'

'सोया पड़ा है।'

'अब?'

'हम भी सोयेंगे लेकिन पहले एक काम कर लें।'

'क्या?'

'देखती जाओ।

जेम्सबांड कमरे की विशाल खिड़की के पास पहुंचा। खिड़की पर पड़ी भारी पर्दों को बन्द करने और खोलने वाली रेशम की डोरी को उसने मजबूती से थाम लिया। फिर उसने डोरी को एक जोर का झटका दिया डोरी अपने स्थान से उखड़ कर उसके हाथ में आ गई। उसने अपने दोनों हाथों पर डोरी को लपेट कर उसकी मजबूती को परखा। डोरी बहुत मजबूत थी।

उसी प्रकार उसने बाकी के दरवाजों और खिड़कियों के पर्दों की डोरियां भी उतार ली। फिर उसने डोरियों को एक दूसरे के साथ मजबूती से बांध दिया। उस एक लम्बी डोरी को लेकर वह बाल्कनी में पहुंचा। उसने सावधानी से बाल्कनी से नीचे झांका।

Reader brother

नीचे एकदम सन्नाटा था।

जेम्सबांड ने डोरी का एक सिरा बाल्कनी की रेलिंग के साथ मजबूती से बांध दिया और बाकी की डोरी बाल्कनी से नीचे लटका दी।

फिर वह कमरे में वापस लौट आया।

'इससे क्या होगा ?' साराह ने पूछा।

'उलझन पैदा होगी। मेरे बाप ने कहा था कि बेटा जब फंस जाओ तो ज्यादा से ज्यादा उलझनें पैदा करने की कोशिश करो। सुबह जब वे लोग बाल्कनी से नीचे यह डोरी लटकी देखेंगे तो वे यही समझेंगे कि हम रात के सन्नाटे का फायदा उठाकर डोरी के रास्ते उतरकर जंगल में भाग गये।'

साराह चुप रही।

'आओ सोयें'…जेम्सबांड बोला और पलंग पर आकर लेट गया।

'ऐसी स्थिति मे तुम्हें नींद आ जायेगी ?' साराह हैरानी से बोली।

'मुझे तो आ जायेगी।'

'मैं तो अपनी आंख भी बन्द करने की हिम्मत नहीं कर सकती।'

'आंख खुली रखकर तुम कौन सा करिश्मा कर लोगी।'

सारा चुप रही।

'मुझ पर भरोसा रखो मैडम। तुम्हें जीवित रखने के लिये जो कुछ किया जा सकता है, हो रहा है।

और जेम्सबांड ने आंखें बन्द कर लीं।

Reader brother

सुबह हुई।'

पेड़ों की ओट में से उगते हुए सूरज का प्रकाश सचावेता एस्टेट में फैल गया।

प्रिंस सचावेता ग्राउन्ड फ्लोर पर स्थित अपने बेडरूम में से निकलकर टैरेस पर आ गया।

उसी क्षण एक वर्दीधारी नौकर भागता हुआ उसके समीप पहुंचा।

'सर'—वह हांफता हुआ बोला—'पांचवी मंजिल की बाल्कनी में से एक रस्सी लटक रही है।'

'कहां ?'—प्रिंस तीव्र स्वर से बोला।

नौकर ने बांई ओर की दीवार की ओर संकेत कर दिया।

प्रिंस सचावेता ने देखा। बांई ओर काफी दूर की दीवार के साथ रेशम की एक पतली सी डोरी लटक रही थी।

उसी क्षण टैरेस पर जेस्पर भी पहुंच गया।

'जैस्पर'—प्रिंस ने कहना चाहा।

'मैं उस रेशम की डोरी को पहले ही देख चुका हूं।'

'तुम्हारा ख्याल ठीक था।'—प्रिंस तनिक उत्तेजित स्वर से बोला। एकाएक वह जैस्पर से प्रभावित दिखाई देने लगा था।—'वे रात को महल में ही थे लेकिन रात के अन्धेरे में इस रस्सी के सहारे नीचे उतरकर वे जंगल में भाग गये हैं।'

Reader brother

'अब तुम जंगल में तलाश का फौरन इन्तजाम करवाओ।'

'अब तो महल में उनकी तलाश करवा कर समय बरबाद करने की जरूरत नहीं है।'

'हूं।'

'मैं अभी जंगल में तलाश शुरू करवाता हूं।'

प्रिंस ने समीप खड़े वर्दीधारी नौकर को कुछ आदेश दिया।

नौकर आदरपूर्ण ढंग से सिर नवाकर वहां से चला गया।

लगभग पन्द्रह मिनट में टैरेस पर पच्चीस सशस्त्र आदमी जमा हो गये।

प्रिंस ने अपनी भाषा में उन्हें तलाश के बारे के निर्देश दिये।

फिर चौबीस आदमी जंगल की ओर रवाना हो गये। एक मशीनगन धारी आदमी पीछे रह गया।

Reader brother

'यहां एक सशस्त्र आदमी काफी होगा ?'— जैस्पर ने पूछा—

क्यों नहीं ?' प्रिंस बोला—'इस एक आदमी को तो मैंने यूं ही रोक लिया है वर्ना यहां तो एक आदमी की भी जरूरत नहीं है। यहां अब पहरेदारी की जरूरत किस लिये है ?'

'अगर वे दोनों वापिस आ गये तो ?'

'तो क्या मैं तुम और यह मशीनगन वाला एक निहत्थे आदमी और एक असहाय औरत को अपने अधिकार में नहीं कर सकेंगे ?'

जैस्पर चुप हो गया।

'और फिर पावर हाउस में भी दो सशस्त्र आदमी मौजूद हैं। जरूरत पड़ने पर उन्हें भी टेलीफोन करके फौरन यहां बुलाया

जा सकता है ।'

जेस्पर कुछ नहीं बोला । न जाने क्यों वह सारे इन्तजाम से खुश ही था । उसकी अन्तरात्मा कह रही थी कि कहीं जरूर कोई गड़बड़ थी । लेकिन प्रिंस पर अपनी शंका व्यक्त करना बेकार था । उसकी निगाह में सब कुछ बड़े संतोष जनक ढग से और बड़े सलीके से हो रहा था ।

जेम्सबांड की नींद खुली ।

उसने अपनी कलाई पर बंधी घड़ी पर दृष्टिपात किया ।

पांच बज चुके थे ।

कमरे में रात जैसा घुप्प अंधेरा नहीं था । भोर के उजाले से धीरे-धीरे कमरा भी प्रकाशित हो रहा था ।

उसने देखा विशाल पलग के दूसरे सिरे पर गठरी सी बनी दीन दुनिया से बेखबर साराह सोई पड़ी थी ।

जेम्सबांड निशब्द पलग से नीचे उतर आया । उसने कमरे के द्वार को जरा सा खोलकर बाहर गलियारे में झांका ।

सीढ़ियों पर पहरेदार मौजूद नहीं था ।

उसने वापिस कमरे में आकर साराह को झिझोड़ा ।

साराह हड़बड़ा कर उठ बैठी और आंखें मलने लगी ।

'तुम तो कहती थी कि तुम आंख भी बन्द करने की हिम्मत नहीं कर सकती ?'

Reader brother

साराह ने आहत भाव से जेम्सबांड की ओर देखा।

'चलो'—जेम्सबांड बोला।

'कहां ?'

'यहां से बाहर।'

'कहीं बाथरूम ...।'

'वह भी तलाश करते हैं।'

साराह पलंग से नीचे उतर आई।

दोनों कमरे से बाहर निकल आये। जेम्सबांड ने रिवाल्वर निकालकर हाथ में ले ली और सीढ़ियों की ओर बढ़ा।

कहीं कोई नहीं था।

सीढ़ियां उतरकर वे चौथी मंजिल पर पहुंच गये।

वहां भी सन्नाटा था।

वे सीढ़ियों से काफी दूर के एक बड़े कमरे में प्रविष्ट हो गये। सौभाग्य वश उसमें बाथरूम भी था। सारा‍ह सीधी बाथ-रूम में चली गई। जेम्सबांड बालकनी में पहुंचा। पर्दे के पीछे छुपकर वह नीचे टैरेस की ओर झांकने लगा।

टैरेस पर सशस्त्र आदमी इकट्ठे होने लगे।

प्रिंस सचावेता उन्हें निर्देश देने लगा।

थोड़ी देर बाद सशस्त्र आदमी जंगल की ओर बढ़ने लगे।

केवल एक मशीन गन वाला पीछे रह गया।

जेम्सबांड ने जंगल की ओर बढ़ते आदमियों को गिनना आरम्भ कर दिया।

कुल चौबीस आदमी थे।

फिर उसने प्रिंस को मशीन गन वाले को निर्देश देते देखा।

Reader brother

मशीन गन वाला टैरेस की सीढ़ियां उतर गया और लान को पार करके फव्वारे के पास पहुंच गया। मशीन गन गोद में रखकर वह फव्वारे पर बैठ गया। रह रह कर उसकी चौकन्नी निगाहें महल की बाल्कानियों पर घूम जाती थी।

फिर प्रिंस और हिप्पी भी टैरेस छोड़कर महल में प्रविष्ट हो गये।

जेम्सबांड सोचने लगा। उसके पास आठ फायर करने वाली रिवाल्वर थी और फालतू कारतूस नहीं थे। क्या वह रिवाल्वर के दम पे एक मशीन गन वाले पर, एक एक्सपर्ट निशाने बाज हिप्पी पर और प्रिंस सचावेता पर काबू पा सकता था।

अगला कोई कदम उठाने से पहले उसने कुछ क्षण प्रतीक्षा करने का फैसला कर लिया।

Reader brother

जंगल में जेम्सबांड की तलाश आरम्भ हुए एक घन्टा हो चुका था। सूरज पेड़ों से ऊंचा उठ चुका था। और उसकी चमकीली धूप सारे महल और आस-पास के इलाके पर पड़ रही थी।

जेस्पर टहलता हुआ फिर टैरेस पर आ गया।

प्रिंस सचावेता उसे कहीं दिखाई नहीं दिया।

फव्वारे पर मशीन गन वाला बैठा था और वह प्रत्यक्षता बड़ा चौकन्ना दिखाई दे रहा था।

अपने आप ही जौस्पर की दृष्टि पांचवी मंजिल की ओर उठ गई।

वह टैरेस की संगमरमर की सीढ़ियां उतर कर नीचे लान में आ गया और लापरवाही से टहलता हुआ उस ओर बढ़ा जिधर रेशम की डोरी थी।

समीप पहुंचकर उसने डोरी को अपने हाथ में पकड़ लिया पहले उसने डोरी को जोर से झटका दिया और फिर डोरी के साथ लटक गया।

उसके हाथ डोरी पर से फिसलने लगे।

जौस्पर के नेत्र सिकुड़ गये।

उसने दुबारा बड़ी मजबूती से डोरी को अपने हाथों में थामा और उसके सहारे ऊपर चढ़ने की कोशिश करने लगा।

उसने देखा कि रेशम की उस डोरी से हाथ फिसलने से रोकने के लिये बड़े अथक परिश्रम की आवश्यकता थी।

'इन्टरेस्टिंग'—जौस्पर होठों में बुदबुदाया—'वैरी इन्टरेस्टिंग।'

वह वापिस लौट पड़ा।

महल में वह प्रिंस के कमरे में पहुंचा।

'अगर मान लो जंगल में से तुम्हें अपने आदमियों को वापिस लाने की जरूरत पड़ जाये तो क्या करोगे?'—जौस्पर ने पूछा।

'उनके पीछे आदमी भेजना पड़ेगा'—प्रिंस उलझन पूर्ण स्वर में बोला।

'उन लोगों को गये हुये एक घन्टे से ज्यादा हो गया है और वे सारे जंगल में फैले हुए होंगे। इसका मतलब यह हुआ कि

Reader brother

अगर तुम अब एक आदमी उन्हें बुलाने भेजो तो कम से कम तीन घन्टे बाद सारे आदमी वापिस यहां इकट्ठे हो जायेंगे।'

'हां'—प्रिंस हिचकिचाता हुआ बोला—'लेकिन बात क्या है?'

जेम्सबांड और साराह पैट्रिक अभी भी महल में ही हैं'—जेस्पर भावहीन स्वर में बोला।

'क्या कह रहे हो?' प्रिंस चौंका—'वह सिल्क की डोरी।'

'मैं उसी को देख कर आ रहा हूं उस डोरी के सहारे नीचे उतरना भारी श्रम का काम है। कोई बहुत असाधारण सहन शक्ति और हिम्मत वाला आदमी ही उस डोरी के सहारे नीचे उतर सकता है। सम्भव है जेम्स बांड यह कठिन काम कर ले लेकिन साराह उस रस्सी के सहारे हरगिज भी नीचे नहीं उतर सकती।'

Reader brother

'सम्भव है जेम्स बांड भाग गया हो। और लड़की महल में हो?'

'तुम्हें जेम्स बांड ऐसा आदमी लगता है जो अपनी जान बचाने के लिये किसी लड़की को मुसीबत में छोड़ कर भाग जाए।'

प्रिन्स चुप रहा। एकाएक वह बेहद चिन्तित दिखाई देने लगा था।

'वह सिल्क की रस्सी जेम्स बांड ने हमें केवल धोखा देने के लिये लटकाई है और तुम उसके धोखे में आ गए हो। तुमने अपने सारे आदमी जंगल में भेज दिये हैं और तुमने खुद कहा है कि वे

तीन घण्टे से पहले वापिस नहीं लौटाये जा सकते । तीन घन्टे में वह बहुत कुछ कर सकता है ।'

'एक निहत्था आदमी क्या कर सकता है ?' प्रिंस बोला ।

'दुश्मन की कमजोरी मत समझो, मिस्टर ।'

'मैं जंगल में गए आदमियों को बुलवाता हूं ।'

'कैसे बुलवाओगे ? बाहर बैठे मशीन गन वाले को उनके पीछे भेजोगे ?'

'हां ।'

'यहां तुम किसी सशस्त्र आदमी की मौजूदगी जरूरी नहीं समझते ?'

'तो फिर क्या किया जाये ?'

'तुमने कहा था कि पावर हाउस में दो सशस्त्र आदमी मौजूद हैं ।'

'हां'—प्रिन्स के चेहरे पर रौनक आ गई—'यह ठीक है । मैं उन्हें टेलीफोन करके बुलाता हूं ।'

'पावर हाउस कहां है ?'

'यहां से लगभग तीन मील दूर चारदीवारी के पास । और अगर तुमने यह सवाल इसीलिये पूछा है कि वे यहां तक आयेंगे कैसे तो उनके पास मोटर साईकिल है ?'

'गुड । टेलीफोन करो ।'

प्रिन्स टेलीफोन की ओर बढ़ा । उसने रिसीवर उठाकर कान से लगाया । उसने बुरा सा मुंह बनाया और फिर जोर-जोर से पलंजर खटखटाने लगा । अन्त में उसने रिसीवर को क्रेडिल पर पटक दिया ।

Reader brother

'क्या हुआ ?'—जैस्पर ने पूछा।

'टेलीफोन खराब हो गया है। डायल टोन नहीं है।'

'वाह ! क्या ऐफीशेन्सी है ?'

'अगर टेलीफोन खराब हो गया है तो इसमें मेरी क्या गलती है ?' प्रिन्स झल्ला कर बोला।

'अब क्या करोगे ?'

प्रिन्स कुछ क्षण चुप रहा और फिर मरे स्वर में बोला—'मैं खुद गाड़ी लेकर पावर हाउस जाता हूं।'

'उस मशीन गन वाले को क्यों नहीं भेजते ?'

'उसे गाड़ी चलाना नहीं आती।'

'आते राइट दैन। कितनी देर में लौटोगे ?'

'आना जाना ही करना है। पन्द्रह मिनट में लौट आऊंगा।'

'ओ० के० ।'

दोनों महल से निकलकर टैरेस पर आ गये। प्रिन्स साइड से सीढ़ियां उतर कर गैरेज की ओर बढ़ गया।

Reader brother

जैस्पर फव्वारे की ओर बढ़ा।

जैस्पर को आता देखकर मशीन गन वाला फौरन उठकर खड़ा हो गया।

'सावधान हो जाओ'—जैस्पर उससे बोला—'हर बालकनी पर निगाह रखो। कहीं कोई साया भी दिखाई दे तो फौरन गोली चला दो। जिनकी हमें तलाश है वे महल में ही हैं।'

मशीन गन वाले ने सहमति सूचक ढंग से सिर हिला दिया।

जैस्पर ने एक सरसरी निगाह महल के विस्तार पर दौड़ाई और फिर लौट पड़ा।

आयेगा। साराह, तुम यहीं ठहरो मैं अभी आता हूं।'

साराह के कुछ कह पाने से पहले ही जेम्स बांड कमरे से निकल आया।

वह गलियारे में आगे बढ़ा। एक स्थान पर पहुंच कर वह ठिठक गया।

दीवार पर एक बड़ी सी तस्वीर लगी हुई थी जिसका फ्रेम एक ओर से चटख गया था।

जेम्स बांड ने दीवार से तस्वीर उतारी और फ्रेम की चटखी हुए फट्टी फ्रेम से उखाड़ ली। फट्टी के चटखे हुए भाग को उसने खींच कर चौड़ा किया और फिर उसने अपनी जेब से निकाल कर अपने मरकरी पालिश वाले चश्मा उसमें फंसा दिया।

Reader brother

वह आगे बढ़ा।

सीढ़ियों के समीप आकर वह गलियारे के फर्श पर लेट गया उसने धीरे धीरे फट्टी में लगे चश्में को पैंतालीस अंश के कोण पर सीढ़ियों की ओर सरकाना आरम्भ कर दिया।

कुछ ही क्षण बाद उसे चश्मे की मरकरी पालिश वाली सतह से प्रतिबिम्बित होती हुई सीढ़िया दिखाई देने लगी।

सीढ़ियां खाली थीं।

जेम्सबांड उठा और बिल्ली की तरह निशब्द सीढ़ियां उतरने लगा।

अगले मोड़ पर उसने फिर वही क्रिया दोहराई।

आगे की सीढ़ियां भी खाली थी।

वह सुरक्षित तीसरी मंजिल पर पहुंच गया।

इसी प्रकार सावधानी बरतता हुआ वह पहली मंजिल पर पहुंच गया।

अब आखिरी मंजिल रह गई थी उसके बाद उसने पहले से भी अधिक सावधानी ब ती।

ग्राउन्ड फ्लोर पर सीढ़ियों के सामने कुर्सी पर बैठा हिप्पी उसे दिखाई दे गया।

जेम्स बांड चुपचाप चौथी मंजिल पर वापिस लौट आया उसने फट्टी में से चश्मा निकाल कर जेब में रख लिया और फट्टी फैंक दी।

चौथी मंजिल से साराह को साथ लेकर वह वापिस पहली मंजिल पर आ गया। वह उसके साथ पहली मंजिल की सीढ़ियों के समीप आकर एक कमरे में प्रविष्ठ हो गया।

'अब तुम्हें मेरी थोड़ी सी मदद करनी है'—जेम्सबांड बोला।

'क्या'—साराह ने डरते हुए कहा।

'डरो नहीं। डरोगी तो तुम मेरे किसी काम नहीं आओगी।'

मुझे क्या करना है।'

'अभी बताता हूं'—जेम्स बोला। वह कमरे के बालकानी में खुलने वाले दरवाजे के पास पहुंचा। सौभाग्य वश दरवाजा पहले ही खुला हुआ था। उसने पर्दे के पीछे से बाहर

दूर के फव्वारे के पास उसे मशीनगन वाला फौजी दिखाई दिया।

जेम्स बांड ने साराह को समीप आने का संकेत किया।

साराह दबे पांव उसके पास आ खड़ी हुई।

'नीचे सीढ़ियों के एकदम सामने रिवाल्वर लिये वह हिप्पी बैठा है'—जेम्स बांड फुसफुसाता हुआ बोला—'मैं उसको अपने स्थान से हटाना चाहता हूं तुम यह टार्च ले लो और बालकानी के दरवाजे के पास फर्श पर लेट जाओ। इस टार्च की सहायता से तुमने बालकानी के जंगल के निचले भाग को खटखटाना है। यह आवाज दूर फव्वारे के पास खड़े मशीनगन वाले के कानों में नहीं पड़ेगी। लेकिन अन्दर हाल में बैठे हिप्पी के कानों में जरुर पड़ेगी। मुझे पूरा विश्वास है कि हिप्पी यह देखने के लिये कि आवाज कहां से आ रही है टैरेस पर जरुर आयेगा। ज्यों ही हिप्पी तुम्हें महल से बाहर कदम रखता दिखाई दे तुम दो बार जल्दी से जंगला खटखटाना और फिर उठकर मेरे पीछे भाग आना समझ गई।।

साराह ने सहमति सूचक ढंग से सिर हिला दिया।

'शुरू हो जाओ।'

साराह फौरन पेट के बल फर्श पर लेट गई।

जेम्सबांड कमरे से बाहर निकल आया। वह सीढ़ियों के मोड़ पर दीवार के साथ चिपक कर खड़ा हो गया। अपनी रिवाल्वर

Reader brother

निकालकर उसने हाथ में ले ली और प्रतीक्षा करने लगा।

कुछ क्षण बाद उसे जंगले के साथ टार्च के टकराने की पहली टन्न की आवाज सुनाई दी।

कुछ क्षण बाद फिर…

टन्न टन्न।

नीचे हाल में बैठे जैस्पर के कान खड़े हो गये।

टन्न—टन्न—टन्न।

जैस्पर के दो कानों ने फौरन अनुभव किया कि आवाज कहीं बाहर से आ रही थी वह उछलकर अपने पैरों पर खड़ा हो गया। रिवाल्वर पर उसकी पकड़ मजबूत हो गई।

कुछ क्षण शान्ति रही। केवल हाल में टंगी घड़ी की टिक टिक निस्तब्धता को तोड़ती रही।

Reader brother

उसके बाद फिर…

टन्न।

आवाज निश्चिय ही बाहर से आ रही थी।

जैस्पर दबे पांव बाहर की ओर बड़ा।

ऊपर जेम्स बांड सांस रोके दीवार के साथ चिपका खड़ा था। उसको जैस्पर के अपने स्थान से हटने की आहट सुनाई नहीं दी थी।

टन्न—टन्न—टन्न।

जैस्पर ने महल से बाहर धूप में नहाई टैरेस पर कदम रखा।

सारह ने उसे बाहर निकलते देखा। उसने दो बार जल्दी से टार्च को रेलिंग के साथ मारा और फिर अपना सिर भीतर खींच लिया। वह अपने स्थान से उठी और दबे पांव बाहर की ओर भागी।

जेम्स बांड ने दो बार एक साथ टन्न की आवाज सुनी और वह समझ गया कि हिप्पी सीढ़ियों के सामने से हट कर टैरेस पर पहुंच गया।

वह दबे पांव दो सीढ़ियां फांदता हुआ नीचे आया। सीढ़ियों के मोड़ पर आते ही उसे द्वार के बाहर खड़ा हिप्पी दिखाई दिया।

उसी क्षण न जाने कैसे हिप्पी वापिस घूम पड़ा और उसकी निगाह सीधे सीढ़ियां उतरते जेम्स बांड से जा टकराई। आश्चर्य से उसके नेत्र फैल गये। उसने फायर किया।

जेम्स बांड तब तक सीढ़ियों से नीचे छलांग लगा चुका था गोली उसके सिर से गुजरती हुई पिछली दीवार से जा टकराई। वह स्वयं सीढ़ियों के सामने पड़ी कुर्सी के साथ उलझता हुआ फर्श पर लोट गया।

जैस्पर फौरन हाल में घुस आया। वह तो समझता था कि जेम्स बांड निहत्था है इसलिये उसने किसी प्रकार की ओट भी लेने की कोशिश नहीं की। उसके लिये निहत्थे जेम्स बांड को शूट करना और खरगोश को मारना एक जैसा काम था।

Reader brother

और यहीं वह धोखा खा गया।

जेम्स बांड ने सावधानी से फायर किया।

गोली जैस्पर के चेहरे से कहीं टकराई। उसके मुंह से एक हृदय बिदारक चीख निकली और वह फर्श पर ढेर हो गया। रिवाल्वर उसके हाथ से दूर जा गिरी।

जेम्स बांड उछलकर अपने पैरों पर खड़ा हो गया।

उसी क्षण साराह भी उसकी बगल में आ खड़ी हुई।

'रिवाल्वर उठाओ'—जेम्स बांड बोला और द्वार की ओर लपका।

साराह जैस्पर की रिवाल्वर की ओर झपटी।

जेम्स बांड द्वार की ओट में खड़ा होकर टैरेस पर झांकने लगा। वह जानता था कि गोली चलने की आवाज बाहर लान में फव्वारे के पास खड़े मशीनगन वाले के कानों में जरूर पड़ेगी और वह महल की ओर जरूर भागेगा।

जेम्स बांड सांस रोके प्रतीक्षा करने लगा।

पहले उसके कानों में टैरेस की संगमरमर की सीढ़ियों पर किसी के भारी कदम पड़ने की आवाज सुनाई दी फिर मशीनगन वाले का सिर दिखाई दिया।

मशीनगन वाला दो दो सीढ़ियां फांदता हुआ महल की ओर भागा आ रहा था।

जेम्स बांड एकाएक दरवाजे के पीछे से कूद कर टैरेस पर

Reader brother

आ गया ।

मशीनगन वाला उसे देखते ही अपने स्थान पर ठिठक गया । लेकिन अभी वह अपनी मशीनगन सीधी भी नहीं कर पाया था कि जेम्स बांड की रिवाल्वर ने दो बार आग उगली ।

मशीनगन वाला कटे वृक्ष की तरह पीछे की ओर गिरा और सीढ़ियों से लुढ़कता हुआ वापिस नीचे लान में जा गिरा ।

जेम्स बांड ने साराह को अपने पीछे आने का संकेत किया और भागता हुआ टैरेस के सिरे पर पहुंचा । उसने अपनी रिवाल्वर अपने कोट की जेब में डाल ली और मशीनगन वाले के हाथ से निकली मशीनगन उठा ली ।

दोनों भागते हुए सीढ़ियां उतरे और लान पर भागने लगे । वे भागते हुए ड्राइव वे से आगे जंगल के समीप पहुच गये ।

Reader brother

उसी क्षण जेम्स बांड के कानों में दूर से आती हुई जीप की आवाज पड़ी ।

वे दोनों सड़क के किनारे उगे एक पेड़ के पीछे छुप गये ।

'तुम यहीं रहना'—जेम्स बांड साराह से बोला ।

ज्यों ही सड़क पर जीप दिखाई दी जेम्स बांड पेड़ के पीछे से कूदकर सड़क के बीच में आ गया । उसने चेतावनी के तौर पर जीप से थोड़ा बचाकर पांच छः फायर कर दिये और साथ ही गर्ज कर बोला—'जीप रोको ।'

जीप तत्काल रुक गई ।

जेम्स बांड ने देखा। जीप की ड्राइविंग सीट पर प्रिंस सचावेता बैठा था। वह मुंह बाये सामने सड़क पर खड़े जेम्स बांड को की देख रहा था। उसकी बगल में दो आदमी और बैठे थे जिनके कन्धों पर राइफलें लटक रही थी।

'राइफलें सड़क पर फैंक दो'—जेम्स बांड ने आदेश दिया।

राइफल वालों ने तत्काल आज्ञा का पालन किया।

जेम्स बांड ने साराह को आवाज दी।

साराह फौरन पेड़ों की ओट से निकल आई।

जेम्स बांड और साराह जीप के पीछे सवार हो गये। जेम्स बांड ने मशीनगन प्रिन्स की पीठ के साथ सटा दी।

'जीप घुमाओ और एस्टेट से बाहर की ओर चलो'—जेम्स बांड बोला—'और अपने दोनों साथियों से कह दो कि कोई शरारत करने की कोशिश मत करे, वर्ना तुम्हारे शरीर में झरोखे ही झरोखे दिखाई देने लगेंगे।

तीनों ने सहमति सूचक ढंग से सिर हिलाया।

जेम्स बांड ने मशीनगन की नाल से प्रिन्स की पीठ को ठहोका।

प्रिंस ने फौरन जीप को बैक किया और उसे घुमा कर आगे बढ़ा दिया।

'जैस्पर का क्या हुआ ?'—रास्ते में उसने झिझकते हुए पूछा।

Reader brother

'जैस्पर कौन ?'—जेम्स बांड बोला—'वह गन्दा सा हिप्पी।'

'हां।'

'हाल में पड़ा है। वापिस आकर देख लेना कि जिन्दा है या मर गया। और जिसकी मशीनगन इस वक्त तुम्हारी पीठ से सटी हुई है वह शायद मर गया है।'

'लेकिन...लेकिन तुमने यह सब किया कैसे ?'

'अगर हिप्पी जिन्दा हो तो वापिस जाकर उससे पूछना।'

प्रिन्स फिर नहीं बोला।

जीप तीन मील लम्बे जंगल में से गुजरती हुई लोहे के फाटक के सामने पहुंच गई। प्रिंस ने कार रोक दी।

'आगे बढ़ो'—जेम्स बांड बोला।

'आगे जाकर फाटक तो खोलो'—प्रिन्स बोला।

जेम्स बांड ने आगे दाईं ओर बैठे आदमी से कहा—'तुम जाकर फाटक खोलो।'

उस आदमी के चेहरे पर हवाइयां उड़ने लगी।

'फ...फाटक में...क...करेन्ट है...' वह हकलाता हुआ बोला।

जेम्स बांड ने मशीनगन की नाल का एक भरपूर प्रहार प्रिंस की कनपटी पर किया।

प्रिंस पीड़ा से तिलमिला उठा।

'यह आखरी चेतावनी है'--जेम्स बांड बोला—'दुबारा कोई

Reader brother

ऐसी होशियारी दिखाने की कोशिश की तो कुत्ते की मौत मरोगे।'

प्रिंस ने जीप को गियर में डाला और उसे दांयी ओर दीवार के साथ-साथ बनी एक सड़क पर घुमा दिया।

'इधर कहां जा रहे हो ?' जेम्स बांड ने पूछा।

'पावर हाउस'—प्रिंस कठिन स्वर से बोला।

जेम्स बांड चुप हो गया।

पावर हाउस के सामने ले जाकर प्रिंस ने जीप रोक दी।

जेम्स बांड के संकेत पर साराह ने जैस्पर वाली रिवाल्वर प्रिंस की गरदन से सटा दी।

Reader brother

जेम्स बांड जीप से नीचे उतर आया। उसके संकेत पर दोनों आदमी भी जीप से नीचे उतर आये। जेम्स बांड उनको मशीनगन से कवर करके पावर हाउस के भीतर ले आया। उनके आदेश पर दोनों आदमियों ने पावर के सारे फ्यूज निकाल कर खिड़की से बाहर फेंक दिये। फिर जेम्स बांड ने उन्हें एक अलग कमरे में बन्द किया और बाहर से दरवाजा बन्द कर दिया। उसने पावर हाउस का भी बाहरी दरवाजा बन्द किया और वापिस जीप में आ बैठा।

'चलो'—वह प्रिंस से बोला।

प्रिन्स ने जीप स्टार्ट कर दी।

वे फिर फाटक के सामने पहुंच गये।

उतर कर फाटक खोलो—जेम्स बांड ने आदेश दिया।

प्रिन्स जीप से उतरा और भारी कदमों से फाटक की ओर बढ़ा। बड़े त्रस्त भाव से उसने फाटक को हाथ लगाया।

फाटक में करेन्ट नहीं था।

उसने फाटक खोल दिया। वह वापिस जीप की ड्राईविंग सीट पर आ बैठा।

जीप सचावेता एस्टेट से बाहर निकल गई।

Reader brother

लन्दन से आने वाला बी० ओ० ए० सी० का विशाल प्लेन बैंकाक के हवाई अड्डे पर उतर चुका था।

जेम्स बांड, साराह पैट्रिक और प्रिन्स सचावेता कस्टम के बैरियर के बाहर खड़े थे। प्रिन्स जेम्स बांड और साराह के बीच में था। जेम्स बांड के दांये हाथ में थमी रिवाल्वर प्रिन्स की पसलियों से सटी हुई थी।

'अभी विशियन नाम का तुम्हारा आदमी बैरियर से बाहर निकलेगा जिसे तुमने लन्दन बाकी तीन फिल्में लेने भेजा था। तुमने अभी यहीं उससे वे फिल्में लेकर हमें सौंप देनी हैं। समझे?'

प्रिन्स ने सहमति सूचक ढंग से सिर हिला दिया।

'और कोई शरारत करने की कोशिश मत करना।'

'अच्छा'—प्रिन्स गहरी सांस लेकर बोला। वह जेम्स बांड के संसर्ग में गुजरे समय में बहुत कमजोर और पूर्णतया पराजित आदमी लगने लगा था।

लगभग पन्द्रह मिनट बाद विशियन ने बैरियर से बाहर कदम

Reader brother

रखा।

प्रिंस ने उसे आवाज दी।

विशियन प्रिंस के समीप आ खड़ा हुआ था। उसने आदरपूर्ण ढंग से प्रिंस का अभिवादन किया। जेम्स बांड और साराह को प्रिंस के साथ देखकर उसे सख्त हैरानी हो रही थी।

'काम हो गया?'—प्रिंस ने पूछा।

'यस, सर'—विशियन उलझनपूर्ण स्वर से बोला।

'लाओ'—प्रिंस उसकी ओर हाथ बढ़ाता हुआ बोला।

विशियन ने अपने एयर बैग में से एक पार्सल निकालकर प्रिंस के हाथ में रख दिया।

'तुम एस्टेट वापिस लौट जाओ'—प्रिंस बोला—'मैं अभी थोड़ी देर में आऊंगा।'

चेहरे पर संदेह और उलझन के गहरे भाव लिये विशियन आगे बढ़ गया।

जेम्स बांड प्रिन्स और साराह के साथ दांई ओर घूमा और एक क्लाक रूम में प्रविष्ट हो गया। क्लाक रूम खाली था। जेम्स बांड ने भीतर से चटकनी चढ़ा दी। उसने विशियन का दिया पैकेट प्रिंस से लिया और उसे खोल डाला।

भीतर आठ मिली मीटर की फिल्म के तीन स्पून मौजूद थे।

Reader brother

जेम्स बांड ने एक स्पूल से थोड़ी सी फिल्म खोली और उसे बिजली के बल्ब की ओर ऊंचा उठाकर देखा।

साराह का चेहरा शर्म से कानों तक लाल हो गया।

जेम्स बांड ने सन्तुष्टीपूर्ण ढंग से सिर हिलाया और फिर बाकी दो फिल्मों का भी निरीक्षण किया।

तीनों ब्लू फिल्में थीं।

जेम्स बांड ने स्पूल पर से तीनों फिल्में उतार कर फर्श पर डाल दी और फिर जेब से लाइटर निकाल कर उनमें आग लगा दी।

फिल्में भक्क से जल उठीं।

साराह ने छुटकारे की गहरी सांस ली।

जब फिल्में पूरी तरह से जल चुकी तो जेम्स बांड ने क्लाक रूम का दरवाजा खोल दिया।

'थैंक्यू वैरी मच, फार दी आपरेशन, योर ऐक्सीलेन्सी'—जेम्स बांड बड़े अदब के साथ कमर से नीचे झुकता हुआ बोला—'अब हम आपसे इस आशा के साथ विदा लेते हैं कि आप हमसे अलग होते ही हमारे रास्ते में कोई रोड़ा अटकाने की कोशिश नहीं करेंगे। अगर आपका ऐसा इरादा हो तो अभी बता दीजिये ताकि मैं आपका गला काट कर ही बैंकाक से रवाना होऊं।'

Reader brother

प्रिन्स चुप रहा । वह पराजित सा उसके सामने खड़ा रहा ।

'थैंक्स अगेन, योर ऐक्सीलेन्सी'—जेम्स बांड फिर बोला और प्रिन्स को वहीं खड़ा छोड़ कर सारराह का हाथ थामें क्लाक रूम से बाहर निकल आया ।

●●

Reader brother

लन्दन वापिस पहुंच जेम्स बांड एम के पास पहुंचा। उसने 'एम' को आपरेशन की सफलता की सूचना दी और साराह को उसके हवाले कर दिया।

'एम' ने उसे बताया कि जान पैट्रिक ने बड़े रहस्यपूर्ण ढंग से पहले ही इलैक्शन से अपना नाम वापिस ले लिया है।

न जाने क्यों जेम्स बांड को वह समाचार सुनकर एक विचित्र सी शांति का अनुभव हुआ। पीटर कुशिन्ग की बातें उसके दिमाग में गूंजने लगी।

शायद जान पैट्रिक वाकई अमेरिका जैसे महान राष्ट्र का राष्ट्रपति बनने योग्य नहीं था। शायद जार्ज वाशिगटन, अब्राहम लिंकन जेफरसन और कैनेडी जैसे कर्तव्यपरायण और देश भक्त राष्ट्रपतियों की परम्परा को आगे बढ़ा पाने की काबलियत जान पैट्रिक में नहीं थी और इस बात को अन्त में जान पैट्रिक ने खुद भी अनुभव किया था।

साराह पैट्रिक ब्रिटिश इन्टेलीजेन्स की सुरक्षा में अमेरिका में

Reader brother

पैट्रिक के पास पहुंचा दी गई ।

आपरेशन ब्लू फिल्म सफल रहा ।

—:समाप्त:—

इस कथानक के सभी पात्र एवं घटनायें काल्पनिक हैं । किसी जीवित एवं मृत व्यक्ति से इनका कोई सम्बन्ध नहीं । उपन्यास का कथानक जेम्स हेडली चेईज के एक उपन्यास पर आधारित है।

Reader brother

यह उपन्यास आपको कैसा लगा ?
कृप्या लेखक को इस पते पर लिखें:—

सुरेन्द्र मोहन पाठक

पोस्ट बाक्स नम्बर ६४२६

दिल्ली ११००५१

नीलम पाकेट बुक्स

में

आगामी माह प्रकाशित हो रहे हैं।

लोक प्रिय लेखक

सुरेन्द्र मोहन पाठक

के

सुनील सीरिज के दो यादगार उपन्यास

Reader brother

जासूस की हत्या

लहू पुकारेगा आस्तीं का

आपरेशन बैंकाक

लोकप्रिय लेखक

सुरेन्द्र मोहन पाठक

की

एक यादगार रचना

आदि से अन्त तक रोचक उपन्यास

Reader brother

नीलम पाकेट बुक्स
मेरठ-2